सूर्योदय 5:59 सूर्यास्त 6:44

आज का तापमान

शिमला	11.6 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	16.1 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75038.15
निफ्टी	22753.80

सोना 72,110 | चांदी 85,053

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

करे हर सीमा पार

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | वीरवार, 11 अप्रैल, 2024 | 29 चैत्र, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 113, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: 8894521702

आज के अंक में

- यदि वोटर लिस्ट में नाम नहीं, तो भरें फॉर्म छह
- फायर सीजन: अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

पृष्ठ 4 पर पढ़ें

- अमलैहड़-चिंतपूर्णी सड़क निर्माण का कार्य लटका
- राज्य सरकार की उलटी गिनती हो गई है शुरू : देवेंद्र भुट्टो

पृष्ठ 7 पर पढ़ें

- प्रशासन एनएच-5 पर अतिक्रमण पर कसेगा शिकंजा
- नाहन में आज भी सुरक्षित पड़ी है अंग्रेजों के जमाने की राइफल

पृष्ठ 12 पर पढ़ें

- महिला प्रधान फिल्में भी बनाएं निर्माता: कृति
- राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में छाया महाराष्ट्र

पृष्ठ 14 पर पढ़ें

तृतिय मां चंद्रघंटा

तीसरे चैत्र नवरात्र पर मां चंद्रघंटा देवी की पूजा की जाती है। मां के इस रूप की पूजा करने से मन को अलौकिक शांति प्राप्त होती है और इससे न केवल इस लोक में अपितु परलोक में भी परम कल्याण की प्राप्ति होती है। इनके वंदन से मन को परम सूक्ष्म ध्वनि सुनाई देती है, जो मन को बहुत शांति प्रदान करती है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, मां दुर्गा का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है।

पिंडजप्रवरारूढ़ा, चंडकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं, चंद्रघंटेति विश्रुता।।
अर्थात श्रेष्ठ सिंह पर सवार और चंडकादि अस्त्र-शस्त्र से युक्त मां चंद्रघंटा मुझ पर अपनी कृपा करें।

आज का मैच

मुंबई इंडियंस vs रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु

स्थान: वानखेड़े, समय : रात 7:30 बजे

न्यूज शॉर्ट्स

कोर्ट की निगरानी में सीबीआई करेगी संदेशखाली केस की जांच

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन उत्पीड़न मामले की सीबीआई जांच करेगी। यह आदेश कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि संदेशखाली में जमीन कब्जाने और महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले की कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच होगी। इस मामले में टीएमसी के तीन नेता शेख शाहजहां, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार आरोपी हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो को मछली पालन के लिए कृषि भूमि के अवैध रूपांतरण पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। जांच एजेंसी एक पोर्टल भी लेकर आई है, जहां लोग अपनी आवाज दर्ज करा सकते हैं। सभी गवाहों को सुरक्षा दी जाएगी।

आयरलैंड के सबसे युवा पीएम बने साइमन हैरिस

डबलिन। आयरलैंड में लियो वराडकर के इस्तीफे के बाद देश की कमान युवा हाथों में सौंपी गई। सत्तारूढ़ फाइन गेल पार्टी ने भारतीय मूल के साइमन हैरिस को प्रधानमंत्री के रूप में चुना है। 37 साल के हैरिस देश के सबसे कम उम्र के पीएम बन गए हैं। इससे पहले भारतीय मूल के लियो वराडकर आयरलैंड के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे। वहीं, पीएम मोदी ने साइमन हैरिस को बधाई दी है।

नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक पीटर हिग्स का निधन

लंदन। नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक पीटर हिग्स का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्हें गॉड पार्टिकल की खोज के लिए जाना जाता है, जिसने यह समझाने में मदद की थी कि बिग बैंग के बाद सृष्टि की रचना कैसे हुई। हिग्स-बोसोन सिद्धांत के लिए उन्हें संयुक्त रूप से भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। स्कॉटिश विश्वविद्यालय ने निधन की जानकारी दी। बता दें, हिग्स करीब 50 साल प्रोफेसर स्कॉटिश विश्वविद्यालय में काम कर चुके हैं।

दूसरे नवरात्र पर शक्तिपीठों में हजारों भक्त नतमस्तक

निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे पर विधानसभा सचिवालय को नोटिस

प्रदेश हाईकोर्ट ने 24 अप्रैल तक दिया जवाब दायर करने का वक्त

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश हाईकोर्ट ने विधायकी से इस्तीफा देने की मंजूरी न देने को लेकर निर्दलीय विधायकों की ओर से दायर याचिका पर विधानसभा स्पीकर को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने स्पीकर से 14 दिन के भीतर जवाब दायर करने के आदेश दिए हैं। देहरा से निर्दलीय विधायक होशियार सिंह, नालागढ़ से केएल ठाकुर और हमीरपुर से आशीष शर्मा ने इस्तीफे मंजूर न करने और उन्हें स्पीकर की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी करने के खिलाफ याचिका दायर की है।

मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायाधीश अजय मोहन गोयल की खंडपीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। याचिका में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया को निजी तौर पर भी पार्टी बनाया गया है, परंतु कोर्ट ने उन्हें निजी तौर पर नोटिस जारी नहीं किया। निर्दलीय विधायकों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि स्पीकर के कारण बताओ नोटिस का जवाब आज ही दे दिया जाएगा और हो सकता है कि स्पीकर अगली सुनवाई से पहले कानून के अनुसार उनके इस्तीफे मंजूर कर ले। हाईकोर्ट ने विधानसभा सचिवालय को 24 अप्रैल तक जवाब दायर करने का समय दिया है।

प्रार्थी बोले- इस्तीफे देने पर प्रश्न उठाना सही नहीं

प्रार्थियों का कहना था कि उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से 22 मार्च को विधानसभा अध्यक्ष व सचिव को अपने इस्तीफे सौंपे थे। राज्यपाल को इस्तीफे की प्रतिलिपियां सौंपी। विधानसभा के बाहर इस्तीफे मंजूर न करने को लेकर धरने दिए और हाईकोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया है। ऐसे में उन पर दबाव में आकर इस्तीफे देने का प्रश्न उठाना किसी भी तरह से सही नहीं है। इससे बढ़कर उनकी स्वतंत्र इच्छा से बड़ा क्या सबूत हो सकता है। यदि स्पीकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उनके इस्तीफे मंजूर नहीं करता तो हाईकोर्ट के पास यह शक्तियां हैं कि वह जरूरी आदेश पारित कर उनके इस्तीफों को मंजूरी दे।

जल्द लिया जाए निर्णय : होशियार सिंह

निर्दलीय विधायक होशियार सिंह ने कहा कि 22 मार्च को उन्होंने निर्दलीय विधायक के तौर पर इस्तीफा दिया था और किसी पार्टी से नहीं थे। इस संबंध में जल्द फैसला लिया जाना चाहिए। विधानसभा सचिवालय को पहले भी जवाब दिया गया है। बार-बार जवाब देने की जरूरत नहीं है।

नोटिस पर विधानसभा अध्यक्ष से मिले निर्दलीय विधायक

शिमला। प्रदेश विधानसभा सचिवालय के नोटिस की अनुपालना को लेकर तीनों निर्दलीय विधायकों ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से मिलकर इस्तीफा मंजूर करने का अनुरोध किया। पठानिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब कोई विधायक इस्तीफा देता है तो उस संबंध में नियम है कि यदि अध्यक्ष को लगे कि जिन परिस्थितियों में विधायक ने इस्तीफा दिया है, उन परिस्थितियों की जांच करना जरूरी है। संविधान के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष जांच के लिए अधिकृत है। इसी के तहत तीनों विधायकों को नोटिस जारी किया और राज्यपाल को भी इस संबंध में सूचित किया था।

विधायकों ने जवाब देने को मांगा समय

नोटिस में विधायकों को 10 अप्रैल को विधानसभा सचिवालय में उपस्थित रहने को कहा था। एक दिन पहले नोटिस का जवाब विधानसभा सचिवालय को देने के लिए कहा था। तीनों निर्दलीय विधायक आज उपस्थित हुए और जवाब देने के लिए समय मांगा। विधायकों की ओर से विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के विरोध में रिट पटीशन की गई है। निर्दलीय भी जब राजनीति दल ज्वाइन करता है तो दल-बदल विरोधी कानून को अट्रैक्ट करता है यानी यह दल-बदल प्रावधानों का उल्लंघन है।

ऊना के पंजावर में पत्नी को जिंदा जलाकर मार डाला

पुलिस ने आरोपी पति लिया हिरासत में

- फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य
- पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लिया
- आरोपी और कुछ लोगों से की पूछताछ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

हरोली उपमंडल के पंजावर में दिल दहला देने वाली वारदात पेश आई है। पति ने हैवानियत की सारी हदें पार कर अपनी 55 वर्षीय पत्नी आशा को जिंदा जलाकर मार डाला। इसका खुलासा तब हुआ जब बेटे ने पिता से अपनी माता के बारे में पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया।

आरोपी की पहचान पंजावर के वार्ड नंबर 9 के अशोक कुमार के तौर पर हुई है। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का दौरा करके साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपी ने अभी तक घटना को लेकर कोई जानकारी पुलिस को नहीं दी है। पुलिस ने कंकाल को अपने कब्जे में ले लिया है। इस मामले में कुछ और लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात आशा रानी का बेटा और बहू किसी काम के चलते घर से बाहर गए थे, जबकि वह अपने घर पर पति के साथ मौजूद थी। बुधवार सुबह जब बेटा अपनी नौकरी पर जाने के लिए घर पहुंचा

घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाती पुलिस।

तो उसने अपनी मां को वहां पर नहीं पाया। इसके चलते उसने पिता से मां के बारे में पूछा तो वह कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। बेटे को पिता पर शक हुआ और उसने घर के आसपास अपनी मां को खोज शुरू कर दी। इसी बीच घर के आंगन के साथ सिंचाई के लिए बनी एक हौदी में उसने एक जला हुआ कंकाल देखा। इसके बाद उसने फौरन अपनी बहन और पुलिस को मामले की सूचना दी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार भाटिया ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि पंजावर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जिंदा जलाकर मार दिया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक टीम को भी साइंटिफिक एविडेंस जुटाने के लिए मौके पर बुलाया गया है।

चंडीगढ़ से किरण खेर, इलाहाबाद से रीता बहुगुणा का कटा टिकट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बुधवार को 10वीं लिस्ट जारी की है। इसमें उत्तर प्रदेश से सात, पश्चिम बंगाल से एक और चंडीगढ़ लोकसभा सीट से प्रत्याशियों के नाम हैं। चंडीगढ़ की मौजूदा सांसद किरण खेर का टिकट काटकर पार्टी ने संजय टंडन को उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश की बलिया सीट से पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर को मौका दिया गया है। 2019 में यहां से वीरेंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया गया था। इसके अलावा इलाहाबाद से रीता बहुगुणा जोशी का भी टिकट काट दिया गया है। यूपी के छह और नामों में कोशांबी से विनोद सोनकर, मैनपुरी से जयवीर सिंह ठाकुर, फूलपुर से प्रवीण पटेल, इलाहाबाद से नीरज त्रिपाठी, मछलीशहर से बीपी सरोज और गाजीपुर से पारसनाथ राय को टिकट दिया है। भाजपा ने अब तक 413 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं।

- भाजपा ने जारी की 10वीं लिस्ट

गिरफ्तारी व रिमांड के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

शराब नीति घोटाले में 21 मार्च को हुई मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सही ठहराया था।

इस फैसले के खिलाफ अब बुधवार को केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने की उम्मीद है। केजरीवाल की ओर से एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह याचिका दिल्ली के मुख्यमंत्री के संबंध में है और अर्जेंट है। गिरफ्तारी का आधार ऐसे दस्तावेज थे, जिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमें ई-मेल कर दीजिए फिर हम देखेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट ने नौ अप्रैल को कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हमारे सामने पर्याप्त सबूत पेश किए।

- सीजेआई ने कहा- हमें ई-मेल भेजिए, फिर देखेंगे

वकीलों से ज्यादा नहीं मिल पाएंगे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से एक और झटका लगा है। अदालत ने केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने वकीलों से ज्यादा मुलाकात करने की अनुमति मांगी थी। याचिका दायर करते हुए सीएम ने अपने वकीलों से हफ्ते में पांच बार मिलने की अर्जी लगाई थी, लेकिन वह केवल दो ही दिन वकीलों से मुलाकात कर पाएंगे।

शिमला में मामा-भांजी का रिश्ता हुआ शर्मसार

शिमला में मामा-भांजी का पवित्र रिश्ता भी शर्मसार हो गया है। नौ साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। यौन उत्पीड़न के आरोप बच्ची की मां के धर्म भाई पर लगे हैं। बच्ची की मां की शिकायत पर बालूगंज थाने में मंगलवार रात को पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित बच्ची लगातार रो रही है और सदमे में है। डरी व सहमी बच्ची न पुलिस को और न ही अपने परिजनों को कुछ बता पा रही है। मां की ओर से दर्ज करवाई शिकायत के अनुसार, वारदात 24 मार्च की है। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल करवाया है। आरोपी मूल रूप से कांगड़ा निवासी है। आरोपी ने इस वारदात को शिमला के कंडा क्षेत्र में अंजाम दिया है। आरोपी शिमला में सरकारी नौकरी करता है। एसपी शिमला संजीव गांधी ने बताया कि यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने का मामला ध्यान में आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही कुछ बताया जा सकता है।

- नौ साल की बच्ची का किया यौन उत्पीड़न

सुप्रीम फैसला: दिल्ली मेट्रो से जुड़े मामले में शीर्ष अदालत ने डीएमआरसी को दी राहत

कर्ज में डूबे अनिल अंबानी के हाथ से निकले 8000 करोड़

एजेंसी, नई दिल्ली

भारी कर्ज में डूबे दिग्गज कारोबारी अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन यानी डीएमआरसी से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है।

मध्यस्थता पंचाट ने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की मेट्रो यूनिट दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएम) के पक्ष में फैसला दिया था। इस मामले में डीएमआरसी को डीएएमईपीएम को 8,000 करोड़ रुपए देने को कहा गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से अब कर्ज में डूबे अनिल अंबानी के हाथ से 8,000 करोड़ रुपए निकले जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच का फैसला बरकरार रखा अनिल अंबानी को झटका दिया है।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि डीएमआरसी के खिलाफ आर्बिट्रिरल अवॉर्ड पेटेंट इलैगिलिटी से ग्रस्त था। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि डीएमआरसी की ओर से जमा की गई राशि वापस कर दी जाएगी।

कहां से शुरू हुआ विवाद

2012 में डीएएमईपीएल ने टर्मिनेशन नोटिस दिया। अधिकारियों ने नवंबर 2012 में इस लाइन का निरीक्षण किया और जनवरी 2013 में ऑपरेशन बहाल करने के लिए हरी झंडी दे दी। डीएएमईपीएल ने फिर से ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन जून 2013 में पांच महीने के भीतर ही परियोजना को छोड़ दिया। डीएमआरसी ने आर्बिटेशन क्लॉज का सहारा लिया। मध्यस्थता पंचाट ने डीएएमईपीएल के पक्ष में फैसला सुनाया और डीएमआरसी को 2017 में 2,782.33 करोड़ रुपए का भुगतान करने को कहा। डीएमआरसी ने इसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन एकल पीठ ने उसकी याचिका खारिज कर दी। बेंच ने मध्यस्थता पंचाट के आदेश को भारत की सार्वजनिक नीति के विरुद्ध बताते हुए रद्द कर दिया। इसके बाद अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली कंपनी सुप्रीम कोर्ट चली गई। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि मध्यस्थता पंचाट के फैसलों को चुनौती नहीं दी जा सकती और उसने अवॉर्ड को बरकरार रखा। इस फैसले के बाद ही डीएमआरसी ने क्यूरेटिव याचिका दायर की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 10 अप्रैल, 2024 को स्वीकार कर लिया।

आर्बिट्रल अवाड्र्स की रकम बढ़कर 8000 करोड़ हुई

रिलायंस और डीएमआरसी के बीच मुकदमों का दौर शुरू हो गया। साल 2021 में ब्याज के साथ दोनों के बीच मध्यस्थता की रकम बढ़ाकर 7045.41 करोड़ रुपए हो गई। अब आर्बिट्रल अवाड्र्स की रकम बढ़कर 8000 करोड़ रुपए हो गई है।

पतंजलि विज्ञापन केस

बाबा रामदेव व बालकृष्ण का दूसरा माफीनामा भी खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पतंजलि के विवादित विज्ञापन केस में बाबा रामदेव और बालकृष्ण का दूसरा माफीनामा भी खारिज कर दिया। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच ने पतंजलि के वकील विपिन सांघी और मुकुल रोहतगी से कहा कि आपने जानबूझकर कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है, कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उत्तराखंड सरकार की ओर से ध्रुव मेहता और वंशजा शुक्ला ने एफिडेविट पढ़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र से खत आता है कि आपके पास मामला है। कानून का पालन कीजिए। छह बार ऐसा हुआ। बार-बार लाइसेंसिंग इंस्पेक्टर चुप रहे। इसके बाद जो आए, उन्होंने भी यही किया। तीनों अफसरों को तुरंत सस्पेंड किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई अब 16 अप्रैल को होगी।

- सुप्रीम कोर्ट बोला - आदेश की अवमानना की तो कार्रवाई के लिए रहें तैयार

बारिश और बर्फबारी ने दिलाई गर्मी से राहत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को कुल्लू और लाहौल-स्पीति की ऊंची चोटियों में बर्फबारी व मैदानी इलाकों में बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने 13 से 15 अप्रैल तक आसमानी बिजली, ओलावृष्टि और अंधड़ चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी कर रखा है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से अंधड़ चलने की आशंका है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 16 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और मध्य पर्वतीय जिलों शिमला, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू और चंबा में पांच दिन तक मौसम के कड़े तेवर देखने को मिलेंगे। मौसम विभाग के अनुसार 11 शहरों का न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है। वहीं, उच्च पर्वतीय इलाकों में पिछले दिनों हुई बर्फबारी से अवरुद्ध 136 सड़कें अभी भी बहाल नहीं हो पाई हैं। तीन नेशनल हाईवे भी बंद पडे हुए हैं। राज्य आपदा परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक लाहौल-स्पीति में 131 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में तीन और चंबा व कांगड़ा में एक-एक सड़क अवरुद्ध है।

कलश यात्रा से श्रीराम कथा शुरू

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

नगरोटा बगवां के औद्योगिक क्षेत्र की धौलाधार कॉलोनी में बुधवार को नव संवत एवं चैत्र नवरात्र के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ कलश यात्रा से हुआ। वृंदावन से पधारे कथाव्यास हित हरिशरण जी महाराज ने श्रोताओं को अपने प्रवचनों से निहाल किया। उन्होंने कहा कि नव संवत एवं नवरात्र में राम कथा सुनने का सौभाग्य हर किसी को नहीं मिलता यह भगवान कृपा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि यश में फंस गए तो जीवन मे भटकना पड़ेगा, रस में फंस गए तो जीवन का उद्धार हो जाएगा। धर्म करना और धार्मिक बने रहना बहुत कठिन है लेकिन जीवन उसी का सार्थक है जो भगवत चिंतन में लग जाए। अच्छे बुरे सबका हिसाब होता है, जो इकट्ठा किया है उसे साथ नहीं ले जा सकते, फिर गुरुर किस बात का। राम जी का स्वभाव सरल व सौम्य है, भगवान राम की लीलाओं का जीवन में अनुसरण करना चाहिए। हमारा चरित्र राम की तरह होना चाहिए। भक्ति रस में डूबने का प्रथम रास्ता श्रवण है, जो अपने को तिनके से भी छोटा समझे उसके जीवन में ही राम चरित मानस का अवतरण होता है। इंसान इस दुख के जगत में सारी उम्र सुख खोजता रहता है लेकिन जिसका सिद्धांत, वेदांत और एकांत ठीक हो जाए उसका देहांत भी ठीक हो जाता है।

धौलाधार कॉलोनी में श्रीराम कथा के शुभारंभ पर मौजूद श्रद्धालु।

बज्रेश्वरी के दर साढ़े तीन लाख का चढ़ावा

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन श्रद्धालुओं ने किए मां के दर्शन, मंदिर प्रशासन ने रखा सुविधाओं का ख्याल

आशीष दमीर, कांगड़ा

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन बुधवार को श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए। मुख्य तहसील चौक से लेकर मंदिर तक श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए मंदिर तक पहुंचे। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा में कुल तीन लाख 66 हजार 726 रुपए का चढ़ावा चढ़ाया गया। श्रद्धालुओं की तमाम सुविधाओं का मंदिर प्रशासन द्वारा पूरा ख्याल रखा गया है।

मंदिर में सफाई व्यवस्था के बाद लंगर की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करते हुए मंदिर प्रशासन द्वारा लंगर भवन के कर्मचारियों को हाइजनिक तरीके से हाथ मे गलब्स, सिर पर कैप, विद नेम प्लेट और लंगर की टीशर्ट दी गई जिसको पहनकर लंगर कर्मचारी लंगर भवन में सेवाएं देते हुए दिखे गए। बुधवार से मां के दरबार में एक सप्ताह तक का लंगर मेनू भी लगा दिया गया है। शहर के मुख्य नेहरू चौक में लंगर और भोग आरती की समय-सारिणी भी लगा दी गई है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रोड मैप के जरिए पंफ्लेट भी बना दिए गए हैं।

शहर में यात्रियों की सुविधा के लिए पानी की व्यवस्था, ठहरने की व्यवस्था व सभी चीजों के इंतजाम किए गए है। मंदिर अधिकारी मोहित रतन का कहना है की मंदिर प्रशासन अंदर व बाहर उन तमाम सुविधाओं को पूरा कर रहा है जिसकी श्रद्धालुओं को जरूरत होती है। (अनंत ज्ञान)

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन बुधवार को श्री बज्रेश्वरी देवी मंदिर कांगड़ा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

शक्तिपीठ ज्वालाजी में गूंजे मां के जयकारे

ज्वालाजी में मां के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु।

पंकज सोनी, ज्वालामुखी

शक्तिपीठ ज्वालाजी में चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन बुधवार को पुजारी वर्ग द्वारा मां ब्रह्मचारिणी की विधिवत पूजा- अर्चना की गई। दूसरे नवरात्र में ज्वालाजी में सुबह से ही दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ देखी गई। बेहतर प्रशासन व पुख्ता इंतजाम के चलते श्रद्धालु लाइनों में लगकर दर्शन कर रहे थे। श्रद्धालु जयकारों के साथ गर्भ गृह में दाखिल हुए और पवित्र ज्योतियों का आशीर्वाद लिया। मंदिर अधिकारी व तहसीलदार मनोहर लाल शर्मा ने बताया कि पहले नवरात्र पर मंदिर में 8 लाख 23 हजार 650 रुपए की नकदी अर्पित की गई। बुधवार शाम तक लगभग 13 हजार श्रद्धालुओं ने माता ज्वाला के दर्शन किए। (अनंत ज्ञान)

दूसरा नवरात्र : चामुंडा में मां ब्रह्मचारणी की पूजा-अर्चना

बॉबी गोस्वामी, चामुंडा

श्री चामुंडा नदिकेश्वर धाम में चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारणी की पूजा-अर्चना की गई। मंदिर अधिकारी गिरिराज ठाकुर ने बताया कि दूसरे नवरात्र पर आचार्य बालकराम की अगुआई में 31 विद्वान पंडितों, अतिरिक्त जिलाधीश सौरभ, मुख्य यजमान सुभाष व सहायक यजमान अविनाश ने मां ब्रह्मचारणी की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं को 15 फुट दूर से ही दर्शन करने पड़ रहे हैं क्योंकि मंदिर में मां चामुंडा के गर्भगृह का कार्य युद्ध स्तर पर चला हुआ है। दूसरे नवरात्र पर लगभग 2500 श्रद्धालुओं ने मां चामुंडा के दर्शन किए। दरबार में नतमस्तक हुए। मंदिर अधिकारी गिरीराज ठाकुर ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा का ख्याल रखा गया है। मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए चढ़ावे की गणना नवरात्र के बाद की जाएगी। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

मारपीट मामले में क्रॉस एफआईआर दर्ज

देहरा। पुलिस थाना देहरा के तहत मारपीट, लड़ाई-झगड़े एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में क्रॉस एफआईआर दर्ज हुई है। मामले में सुरिंद्र कुमार, किरणा देवी व रजनी देवी निवासी वार्ड-1 डाकघर ठौर ने शेर सिंह व उनकी पत्नी कांता देवी निवासी वार्ड-1 निचली बढ़ल का रास्ता रोक कर इनके साथ लड़ाई-झगड़ा, गाली गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकियां दी। वहीं चिचली बढ़ल में शेर सिंह व कांता देवी निवासी निचली बढ़ल डाकघर ठौर ने किरण वाला व इसकी बेटी निवासी निचली बढ़ल के साथ लड़ाई-झगड़ा, मारपीट व जान से मारने की धमकियां दी। पुलिस ने उक्त मामलों को भारतीय दंड सहिंता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आपराधिक मामलों में संलिप्त भगोड़ा दबोचा

नूरपुर। नूरपुर पुलिस के पीओ सैल को एक उद्घोषित अपराधी को पकड़ने में सफलता मिली है। जानकारी के अनुसार आरोपी पिछले साल से ही वांछित चल रहा था। पुलिस के पीओ सैल के मुख्य आरक्षी सुग्रीव सिंह व आरक्षी मनजीत कुमार की टीम ने उक्त आरोपी को बुधवार को उसके घर से दबोचा। आरोपी की पहचान मदन लाल पुत्र सीता राम, निवासी हाजीपुर स्थित गेरा, तहसील मुकेरियां, जिला होशियारपुर पंजाब के रूप में हुई है। उक्त आरोपी के विरुद्ध कबूतरबाजी, नशा तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के पहले भी कई मामले दर्ज हैं। डीएसपी विशाल वर्मा ने बताया कि उक्त आरोपी ने वर्ष 2018 में लम्मा नाल के एक युवक को विदेश भेजने का झांसा देकर 8 लाख रुपए की ठगी की थी, लेकिन जब युवक ने पैसे वापस मांगे तो उसने 4 लाख रुपए की राशि का चेक दिया जो बाउंस हो गया। इसके बाद उक्त व्यक्ति पर विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी व चेक बाउंस का मामला दर्ज किया गया। कोर्ट से कई सम्मन भेजे जाने के बावजूद आरोपी जब अदालत में प्रस्तुत न हुआ तो उसे उद्घोषित अपराधी करार दिया गया। आरोपी के विरुद्ध पंजाब के थाना मुकेरियां, थाना हाजीपुर, थाना दसूहा व हिमाचल के थाना सदर चंबा, थाना पालमपुर, थाना घुमारवीं व थाना इंदौरा में नशा तस्करी, कबूतरबाजी व धोखाधड़ी के आठ से अधिक मामले दर्ज हैं।

लोक अदालत 11 मई को

धर्मशाला। कांगड़ा जिला के सभी न्यायालयों में 11 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांगड़ा अजय मेहता ने दी। उन्होंने बताया की लोक अदालत में विभिन्न मामलों का निपटारा समझौतों के आधार पर किया जाएगा। इस दौरान आपराधिक कंपाउंडेबल अपराध, चेक बाउंस मामले, मोटर व्हीकल चालान के मामलों आदि पर सुनवाई कर निपटारा किया जाएगा । इसके अतिरिक्त लोक अदालत में सड़क दुर्घटना में क्लेम, घरेलू हिंसा विवाद व वैवाहिक विवाद आदि के मामलों का भी निपटारा किया जाएगा । उन्होंने कहा कि लोक अदालत में समय एवं धन की बचत होती है।

बलारडू में तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

अनंत ज्ञान, डाडासीबा

- ऊना व बिलासपुर की टीमों के बीच हुआ पहला मुकाबला

बलारडू गांव में बुधवार को तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व मंत्री रमेश धवाला ने किया। प्रतियोगिता में हिमाचल के साथ हरियाणा व पंजाब से कई टीमें भाग ले रही हैं। पहला मुकाबला ऊना व बिलासपुर की टीमों और दूसरा मुकाबला कांगड़ा व देहरा की टीम के बीच हुआ। दोनों मैच बेहद रोमांचक हुए।

मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रमेश धवाला ने कहा कि कबड्डी खिलाड़ी आज राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं। इस खेल से कई अपना करियर भी संवार चुके हैं। कबड्डी से खिलाड़ी का शरीर भी स्वस्थ रहता है। आयोजन में रजनीश, सुनील, सुमित , रजनीकांत धवाला, दीपक आदि का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में नकद पुरस्कार दिया जाएगा। प्रथम पुरस्कार राशि 51000 रुपए , द्वितीय पुरस्कार राशि 15000 रुपए व तृतीय 6000 रुपए दिए जाएंगे। हर मैच में मैन ऑफ द मैच भी दिया जाएगा। 12 अप्रैल को समापन समारोह में अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अजय ठाकुर शिरकत कर प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाएंगे।

लोगों को मतदान करने की दिलाई शपथ

स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्र 11 चीलघारी में जागरूक किए वोटर्स

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

विधानसभा क्षेत्र धर्मशाला के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप कार्यक्रम के अनुसार आगामी लोकसभा चुनाव के तहत कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों में जाकर मतदान के लिए जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। एसडीएम धर्मशाला संजीव कुमार भोट ने बताया कि इस कड़ी में बुधवार को स्वीप टीम द्वारा बूथ 11 चीलघारी में वहां के मतदाताओं के साथ बैठक कर एवं स्थानीय बीएलओ पम्मी के सहयोग से मतदाता जागरूकता पर स्थानीय मतदाताओं से संवाद किया। स्वीप टीम द्वारा मतदाताओं से लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की गई। निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे मिशन 414 बूथ के तहत धर्मशाला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में गत चुनाव के दौरान छह मतदान केंद्रों में कम मतदान दर्ज हुआ है। ऐसे में इन मतदान केंद्रों में मत प्रतिशत को बढ़ाने के लिए मतदाताओं को जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय बीएलओ तथा अन्य लोगों से मिलकर स्वीप टीम में नोडल अधिकारी डॉ. अमित कटोच, डॉ. जोगिंद्र सिंह, मिथुन कुमार दत्ता, रेखा रावत तथा विलास हंस ने इस बार इस मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। इस दौरान सभी को लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने-अपने मत का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। मतदाताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो, यदि किसी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो वह बीएलओ या वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से फॉर्म छह अवश्य भरे।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मौजूद ग्रामीण व अन्य।

झंडा रस्म से ढाटी सांबा छिंज मेला शुरू

राकेश डोगरा, डरोह

तीन दिवसीय लखदाता ढाटी सांबा छिंज मेला 10 अप्रैल से शुरू हो गया, जोकि 12 अप्रैल तक चलेगा। सबसे पहले कमेटी प्रधान ने कमेटी मेंबर्स के साथ लखदाता मंदिर में झंडा चढ़ाने की रस्म अदा की, उसके बाद अखाड़े में पूजा-अर्चना की। मेले का शुभारंभ कैप्टन मिल्खी राणा ने रिबन काट कर किया।

उन्होंने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। इन्हें संजो कर रखना हम सब की जिम्मेदारी है। मेले आपसी मेलजोल बढ़ाते हैं। यह हमारी संस्कृति को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए हमारा भी यह फर्ज बनता है कि मेलों को हर्षोल्लास से मनाकर इनको संजो कर रखें। यह कार्य ढाटी सांबा छिंज मेला कमेटी बखूबी निभा रही है। इसके लिए कमेटी बधाई की पात्र है। इस मौके पर कमेटी प्रधान कुलबीर सिंह ढूंढी ने कहा कि इस मेले में पहले की तरह ही कमेटी मेंबर्स बखूबी अपना कार्य कर रहे हैं। जिसको जो कार्य सौंपा गया है उसे वे पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे और तीसरे छिंज मेले में पंजाब, हरियाणा, जम्मू व दिल्ली से पहलवान कुश्ती लड़ने आएंगे। उन्होंने कहा कि पहले दिन मेले में स्थानीय पहलवानों ने अपने जौहर दिखाए। इस अवसर पर कमेटी प्रधान कुलबीर सिंह राणा, सचिव अमर सिंह के साथ कमेटी मेंबर्स व ग्रामीण उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

तीन दिवसीय लखदाता ढाटी सांबा छिंज मेले का शुभारंभ करते मिल्खी राणा।

सुधीर बोले-हिमकेयर योजना बंद सरकार को मित्रमंडली की चिंता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

धर्मशाला से भाजपा प्रत्याशी सुधीर शर्मा ने एक बार फिर प्रदेश की सुक्खू सरकार पर निशाना साधा है। सुधीर शर्मा ने कहा कि नौ अप्रैल को चंडीगढ़ में हयात होटल में प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा रखे गए कार्यक्रम को लेकर उन्होंने सवाल उठाए थे, जिसके चलते चंडीगढ़ के कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट हो गया है कि कहीं न कहीं तो गड़बड़ है।

सुधीर शर्मा ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि इससे यह भी स्पष्ट हो गया कि जब तक सवाल न उठाए जाएं तो, इसका मतलब तब तक लूट इसी तरह चलती रहेगी। सुधीर शर्मा ने कहा कि चंडीगढ़ के कार्यक्रम के रद्द होने से प्रदेश सरकार पर सवालिया निशान उठना शुरू हो गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी और इस तरह के जो भी कारनामे हैं, उनकी जांच होगी। एक प्रेस बयान में सुधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जब से व्यवस्था परिवर्तन वाली सरकार आई है, तब से प्रदेश का जनमानस त्रस्त है।

उन्होंने कहा कि हिमकेयर योजना का प्रदेश के लाखों लोग लाभ उठा रहे थे। प्रदेश के लोग बीमारी का इलाज करवाना चाहते थे तो हिमकेयर योजना का लाभ उन्हें मिलता था,, लेकिन हिमकेयर योजना के बंद होने से लाखों लोगों से यह सुविधा छिन गई है। उन्होंने कहा कि हिमकेयर योजना इसलिए बंद हुई, क्योंकि वर्तमान सरकार पिछली देनदारी ही नहीं दे पा रही है और पैसे जमा नहीं हो पाए हैं।

अपनी बीमारी के इलाज, आपरेशन के लिए अस्पताल जाने वाले लोग हिमकेयर योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं, ये लापरवाही प्रदेश सरकार की है, जो यह दर्शाती है कि प्रदेश सरकार, प्रदेश के आम जनमानस को लेकर जरा भी चिंतित नहीं है। सुधीर शर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार को तो मात्र मित्रमंडली का ख्याल रखना है।

राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

नूरपुर। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर प्रशासन द्वारा प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में बीएससी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए लेनिट फार्मास्यूटिकल्स राजा का बाग में एक औद्योगिक भ्रमण व कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस भ्रमण व कार्यशाला में बीएससी द्वितीय वर्ष के लगभग 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भ्रमण व कार्यशाला का आयोजन प्रोफेसर संजय कुमार जसरोटिया, एसोसिएट प्रोफेसर रसायन विज्ञान और डॉ. मनोज कुमार सहायक प्रोफेसर रसायन विज्ञान के दिशा निर्देशन में किया गया। दिनेश गुप्ता अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक इस यात्रा व कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति थे। उद्योग के अध्यक्ष व अधिकारियों ने छात्रों को दवाई विनिर्माण, पैकिंग और गुणवत्ता नियंत्रण तकनीकों को विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने विभिन्न दवा निर्माण पद्धतियों और उपकरणों जैसे मास मिक्सर, मल्टी मिल, ड्रायर, संपीड़न और दवा कोटिंग के बारे में सीखा। भ्रमण व कार्यशाला के दौरान विद्यार्थी काफी उत्सुक रहे और उन्होंने कई प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने उत्तर दिया।

निर्देश सिविल अस्पताल जवाली में बैठक के दौरान बोले सीएमओ डॉ. गुलेरी

समय पर आएं कार्यालय, अनुशासन का करें पालन

अनंत ज्ञान, जवाली

स्वास्थ्य खंड नगरोटा सूरियां की समीक्षा बैठक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश गुलेरी की अध्यक्षता में सिविल अस्पताल जवाली में आयोजित की गई। जिसमें खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दुष्यंत शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं सीएचओ मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राजेश गुलेरी को खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दुष्यंत शर्मा व स्टाफ ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। खंड स्तर पर आयोजित बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने व अनुशासन पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने व्यस्क बीसीजी टीकाकरण के बारे में लोगों को जागरूक करने एवं शिविर बढ़ाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ सीएमओ कांगड़ा डॉ. राजेश गुलेरी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बीसीजी वैक्सीन भारत में 1921 से जन्म के समय से नवजात शिशुओं को दी जा रही है। यह 180 देशों में 100 से अधिक वर्षों से छोटे बच्चों को टीबी के गंभीर रुपों से बचाने के लिए दी जा रही है। व्यस्कों में बीसीजी की अतिरिक्त डोज प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देती है। व्यस्क बीसीजी टीकाकरण भारत में 274 जिलों में दिया जा रहा है और यह टीकाकरण हिमाचल प्रदेश के छह जिलों में कांगड़ा, किन्नौर, बिलासपुर, सिरमौर, मंडी और ऊना में मार्च महीने से शुरू हुआ है जोकि तीन महीने तक चलेगा। सीएमओ ने बीपी और शुगर जांच कैंप लगाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए की प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट किया जाए, हर वैलनेस सेंटर का दौरा किया जाए और हेल्थ वेलनेस सेंटर की जो समस्याएं हैं उनका समाधान किया जाए। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीबी मुक्त भारत अभियान, एनीमिया मुक्त भारत अभियान, आईडीएसपी, एचएमआईएस, आरसीएच और आरबीएस के कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के भी निर्देश जारी किए।

सीएमओ डॉ. राजेश गुलेरी को सम्मानित करते खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दुष्यंत शर्मा व स्टाफ।

अंबेडकर छात्रवृत्ति परीक्षा 14 को

डाडासीबा। श्री गुरु रविदास महासभा द्वारा अंबेडकर जयंती का कार्यक्रम 14 अप्रैल को अंबेडकर भवन दयाल नजदीक सरकारी आईटीआई नैहरनपुखर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष तौर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान डॉक्टर भीमराव अंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत 13 वर्ष से कम और 13 वर्ष से अधिक उम्र के विद्यार्थियों की परीक्षा नौ से 11 बजे तक ली जाएगी और उसी दिन उन्हें छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालने के लिए डॉक्टर विजय विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी श्री गुरु रविदास महासभा के प्रधान राकेश भाटिया ने दी।

चुनावी टकी

लहर बनी कहर

लहर तो आ रही है, सबको चौंका रही है। गोता खाने को वे तैयार हैं, लेकिन लहर के कहर से अनजान हैं। किनारे से पहले ही लौटने का खतरा बरकरार है, ऐसे में डूबने को कोई भी नहीं तैयार है। लाइफ जैकेट भी मंगवाई है, लेकिन वह भी तो पराई है। जैकेट में छेद न कर दे, अपना बनाकर पानी न भर दे। आसमान से छलांग समुद्र में लगाई है, तैरना नहीं आता समुद्र से गुहार लगाई है। लहर बड़ी बेदर्दी है, पास आकर गति कम कर दी है। बीच मझधार के बिना पतवार के कश्ती अपनी चल रही है। अपनों पर प्रहार किया है, दूसरों का आधार लिया है। अब तिनके का सहारा लिया है, बड़ी कश्ती ने तो किनारा कर लिया है। मुश्किल में अब जान है, नजर आ रहा भगवान है। लहर भी कितनी बेदर्दी है, तौबा पहले ही कर दी है। उड़ते हुए तो बड़ा दिखा तूफान था, लेकिन गोता खाते पता चला समुद्र से दूर बहुत यह जहान था। बीच हम फंस चुके हैं, गलती कुछ कर चुके हैं। लहर का जो किया भरोसा था, वह भी किसी ने जुमला ही तो परोसा था। भाखड़े वाला रौनकी ताऊ भी अब सोच रहा है! समुद्र में लहर जो उनको दिखाई थी, लेकिन भूल हुई उल्टी दिशा है यह बात तो नहीं बताई थी। किनारे को वह अब तरस रहे हैं, ताऊ पर जमकर बरस रहे हैं।

-राजेश शर्मा

ट्राइबल और ओबीसी पर नजरें

लोकसभा चुनावों के साथ हो रहे विधानसभा के उपचुनावों ने सियासी माहौल रोचक बना दिया है। कांगड़ा और चंबा जिलों में ट्राइबल और ओबीसी की आबादी बड़ी संख्या में है। ऐसे में दोनों ही समुदायों का राजनीति में भी दखल रहता है। धर्मशाला में हो रहे विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने ब्राह्मण चेहरे पर दांव खेला है। ऐसे में जनजातीय और ओबीसी वर्ग के लोग अब कांग्रेस पर नजरें गड़ाए हुए हैं। ऐसे में अब आने वाले दिनों में धर्मशाला का सियासी माहौल अलग दिखने वाला है। यहां पूर्व में भी समुदाय आधारित आजाद प्रत्याशी चुनाव लड़ कर दम दिखा चुके हैं। यही वजह है कि अभी चुनावों को लंबा समय होने के चलते मतदाता खामोश हैं। पूर्व में कांगड़ा से ओबीसी और जनजातीय समुदाय के नेताओं को जातीय आधार पर मंत्रिमंडल में स्थान मिलता रहा है। हालांकि कांगड़ा-चंबा में राजपूत, ब्राह्मण, एससी सहित अन्य वर्ग के नेता सांसद व विधायक बन कर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। चंबा में जनजातीय वर्ग, तो कांगड़ा जिला के कई विधानसभा क्षेत्रों में ओबीसी का दबदबा है।

हिमाचल लोकसभा चुनाव एक नजर

आंकड़ों में महिला शक्ति

साल	कुल महिला	मतदान
2004	20,39,746	12,12,205
2009	22,40,602	13,34,297
2014	23,20,836	15,28,465
2019	26,05,996	19,36,405

29,155
मतदाताओं ने 2014 लोकसभा चुनावों में चारों सीटों पर नोटा को डाला था वोट

33,008
मतदाताओं ने 2019 के लोकसभा चुनाव में दबाया था नोटा का बटन

मंडी जिले के जोगिंद्रनगर में सेल्फी पाइंट पर लोगों को जागरूक करते मतदाता।

घर-घर पहुंचाएं सीएम का चेहरा

हमीरपुर के तरोपका में हुई चिंतन बैठक में पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से की अपील

विक्रम ढटवालिया, तरोपका (हमीरपुर)

कैंडिडेट की तरफ मत देखो, हमें सिर्फ सीएम का चेहरा देखना है। जिले से सीएम को नहीं गंवाना है। हम कमजोर नहीं हैं, लेकिन हमें इग्नोर भी मत किया करो। सार्वजनिक रूप में किसी के बारे में भी शब्दों का इस्तेमाल सोच-समझ कर किया करो, गाड़ियों की तामझाम में मत पड़ो, घर-घर तक घुस जाओ, भाजपा के बूथ जिस स्तर पर काम करते हैं, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भी उसी तर्ज पर जुट जाने की जरूरत है।

बुधवार को तरोपका में चार विधानसभा क्षेत्रों से आए कांग्रेस के पदाधिकारी और प्रमुख वर्कर्स की चिंतन बैठक में इन्हीं बातों को लेकर नेताओं और पदाधिकारियों ने माहौल में जोश भरने का काम किया। करीब 4 घंटे तक चली इस बैठक में बड़सर, सुजानपुर, कुटलैहड़ और गगरेट से आए ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी तो मौजूद रहे। लोकसभा के संभावित प्रत्याशी सतपाल रायजादा, भोरंज के विधायक सुरेश कुमार और केसीसी बैंक के अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने भी वर्कर्स में जोश भरने का प्रयास किया। एक कार्यकर्ता का कहना था, हम कांग्रेसी हैं, हमें इग्नोर न करें, जिम्मेदारी से काम करेंगे, लेकिन जो नाराज हैं, उनके गिले शिकवे भी दूर करके उन्हें मुख्य धारा में जोड़ें, जबकि टौणीदेवी इलाके के एक बुजुर्ग कार्यकर्ता ने कहा कि जो चले गए हैं, उनको छोड़ दीजिए। अब अपशब्द बोलकर कोई फायदा नहीं होगा। भाषण में शब्दों का खास ख्याल रखा जाए, बड़े नेताओं को इस पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सुजानपुर से एक महिला पदाधिकारी ने कहा कि जो भाग गए हैं। उन्हें भागने दो हम जी-जान से काम करेंगे, हम लड़ना जानते हैं।

कांग्रेस नेता सतपाल रायजादा का कहना था कि अब हम सबको मिलकर बाहर निकल जाना चाहिए, जी जान से जुट जाना चाहिए। अपनी-अपनी क्षमता को जज्बे में ढाल कर विरोधियों को पस्त कर देना चाहिए। ऊना जिले की दोनों विधानसभा सीटें 10,10 हजार से ऊपर मार्जिन से जीती जाएंगी, हमीरपुर की जिम्मेदारी हमीरपुर के लोगों की है। वहीं, कुलदीप पठानिया ने कहा कि कई बार हाईकमान के फैसलों की वजह से नुकसान भी होता आया है। ऐसे लोगों को टिकट दिए जाते रहें, जिससे ईमानदार कांग्रेसी ठगा सा महसूस करने लगता था। दगा देने वाले चले गए हैं। जो घटना इन दगाबाजों ने की है, उस दाग को धोना है। (अनंत ज्ञान)

कांग्रेस की चिंतन बैठक में मौजूद पदाधिकारी और प्रमुख नेता।

विधायक चंद्रशेखर ने भरा कार्यकर्ताओं में जोश

धर्मपुर के विधायक और सुजानपुर के प्रभारी चंद्रशेखर ने जोशीले भाषण में कार्यकर्ताओं से कहा कि अब हमीरपुर की साख बचाने की बारी है, बिकने वाले बिक चुके हैं। अब शुद्ध कांग्रेसी चुनाव मैदान में हैं। हम सबको एकजुट होकर काम करना है। बैठक में हमीरपुर जिला के अध्यक्ष सुमन भारती मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी भी मौजूद थे।

500 की जगह पहुंचे 134

भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने इस बात पर चिंता जताई कि चार विधानसभा क्षेत्र के इस चिंतन शिविर में जितनी तादाद होनी चाहिए थी। उसमें कमी रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि 500 की जगह 134 लोग ही पहुंचेंगे, तो फिर कौन पदाधिकारी सीरियस है और कौन नॉन सीरियस इसका आभास हो जाता है। संबंधित संगठन एक सप्ताह के भीतर इन त्रुटियों को दूर करवा लें। इसमें अब और ज्यादा समय नहीं दिया जा सकता। क्योंकि पिछले 6 महीनों में यदि हम बूथ वाइज बैठकें ही नहीं कर पाए हों तो यह भी सच्चाई है। इसके लिए बीजेपी की तरह बूथ को मजबूत करने की जरूरत है। 15, 15 करोड़ में जो बिके हैं, बस इसी पर फोकस करना है।

युवा मतदाता

जो सभी वर्गों का समान विकास करवाए और लोगों को साथ लेकर चले ऐसे उम्मीदवार को ही वोट दूंगी। साथ ही उम्मीदवार शिक्षित व स्वच्छ छवि का हो। पहली बार मतदान करने का मौका मिल रहा है, इसको लेकर खुश हूं। ऐसे प्रत्याशी को वोट दूंगी जो मेहनती, ईमानदार और मृदुभाषी हो।

ईशा राणा, रैला (सैंज)

पहली बार मतदान करने को लेकर काफी उत्साहित हूं। मतदान करके लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करवाकर एक जिम्मेदारी को पूरा करूंगा। साथ ही अपने दोस्तों व अन्य लोगों को भी मतदान बारे जागरूक करूंगा।

राहुल, रैला(सैंज)

मतदान करने से पूर्व बेरोजगारी, महंगाई एवं गरीबी जैसे मुद्दों पर विचार करना चाहिए। सरकारें उक्त तीनों मुद्दों पर ठीक से कार्य नहीं कर पाई हैं। युवा होने के नाते देश एवं प्रदेश हित के मुद्दों को ध्यान में रख कर मतदान करूंगी।

प्रिया, शाहपुर

महिला मतदाता

मतदान सोच-समझ कर करना चाहिए। मतदान ही हमारा भविष्य तय करता है। मैं प्रत्येक साल अपने परिवार के साथ मतदान करने जाती हूं। इस साल भी मतदान करने जरूर जाऊंगी और सरकार बनाने में अपना योगदान दूंगी।

रंजना शर्मा, बिलासपुर

पुरुष मतदाता

किसान परेशान हैं, क्योंकि लंबे समय से बार-बार अपनी मांगें उठा रहे हैं, लेकिन किसानों के हितों में नही सोचा जा रहा है। किसानों के बारे में भी सोचना चाहिए, ताकि वे भी अपना गुजारा कर सकें।

महेंद्र सिंह, नालागढ़

किसी पार्टी को ऐसी गारंटियां नहीं देनी चाहिएं, जो पूरी न कर सकें, जैसे प्रदेश की सरकार ने महिलाओं और युवाओं से झूठे वादे कर वोट हासिल किया। सत्ता में आने के बाद प्रदेश सरकार अपने वादे भूल गई। सरकार ने कहा था कि महिलाओं को हर माह 1500 मिलेंगे, लेकिन अभी तक नहीं मिले। ऐसे उम्मीदवार को वोट करूंगा जो झूठे वादे न कर वादों को पूरा करना का बल रखता हो।

विक्रम, सोलन

विश्व भर में देश का नाम रोशन हुआ है और आने वाले समय में मजबूत नेतृत्व ही देश को मजबूत कर सकेगा। केंद्र सरकार ने हर वर्ग के बारे में सोचा है और हर वर्ग आज केंद्र की जनकल्याण नीतियों का फायदा उठा रहा है। हमारा मतदान देश हित में होगा। सभी लोगों को मतदान करना चाहिए और देश के भविष्य के लिए एक मजबूत सरकार बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।

यादवेंद्र सिंह, नालागढ़

बेरोजगारी बहुत बढ़ गई है। रोजगार के लिए पढ़े-लिखे युवा दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। इस बार रोजगार के नाम पर वोट डालेंगे। किसी भी सांसद ने रोजगार के साधन उपलब्ध नहीं कराए हैं। देश में बेरोजगारी चरम सीमा पर है। रोजगार के लिए भी सरकार को सोचना चाहिए।

रमन सैनी, ऊना

अधिक से अधिक लोगों को मतदान करना चाहिए। मतदान जितना अधिक होगा, उतना ही बेहतर स्वच्छ राजनीति का स्वरूप होगा। मतदान से देश को हम अच्छी सोच वाले व्यक्ति को चुनकर सेवा का मौका दे सकते हैं। मतदान जरूर करें और दूसरों को भी जागरूक करें।

प्रिंस राजपूत, ऊना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक दशक में किए गए कार्यों का कोई भी विपक्षी संगठन बीते 70 वर्षों से कर विश्लेषण कर ले, अपने आप पता चल जाएगा। पीएम ने किसान सम्मान निधी, आयुष्मान भारत गरीबों के लिए ऐसा वरदान देश को दिया है, जिससे करोड़ों गरीब लोग लाभ उठा चुके हैं।

राहुल जिन्हा, शिमला

मंडी संसदीय क्षेत्र में समस्याओं का अंबार है। क्षेत्र में बेसहारा पशुओं का अंबार है। आज तक किसी भी नेता ने गोशालाओं के लिए गंभीर प्रयास नहीं किए। मंडी सांसद ऐसा होना चाहिए, जो बेसहारा पशुओं को गोशालाओं में भिजवाए और गो वध को बंद करवाने की दिशा में गंभीर प्रयास करे।

ई. आलोक राठौर, मंडी सदर

न्यूज ब्रीफ

मोदी का लक्ष्य देश का विकास: बिंदल

सोलन। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि जो घोषणा पत्र कांग्रेस पार्टी ने जारी किया है, वह कांग्रेस के खोखलेपन को स्पष्ट रूप से दिखाता है। घोषणा पत्र के अंदर एक ही बात कही है मोदी हटाओ। यानी कांग्रेस का लक्ष्य है मोदी हटाओ और मोदी का लक्ष्य देश का विकास करो। कांग्रेस पार्टी टूटती चली गई, बिखरती चली गई, परंतु एक परिवार की चिंता इन्होंने की। 450 सांसदों को लेकर चलने वाली पार्टी 28 राज्यों में सत्ता हासिल करके चलाने वाली पार्टी आज 40 से नीचे आ गई है। कांग्रेस सरकार का यह घोषणा पत्र बहुत बड़ा धोखा है। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष कहती हैं कि हमने हिमाचल में गारंटियां पूरी कर दीं और हम देश में ये गारंटियां लागू कर रहे हैं अर्थात देश की जनता को अंधेरे में रखकर धोखे में रखकर वोट लेने का एकमात्र प्रयास है।

धर्मशाला में कांग्रेस को बूस्टर डोज

धर्मशाला। धर्मशाला कांग्रेस को बूस्टर डोज देने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय अवस्थी सहित दिग्गज कांग्रेस नेता धर्मशाला पहुंच गए हैं। उपचुनाव की तैयारियों को लेकर बुधवार को प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धर्मशाला की एक अहम बैठक धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय अवस्थी विशेष तौर पर मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष निगम भंडारी, शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवल सिंह पठानिया व पूर्व राज्य संभा सांसद एवं दिग्गज कांग्रेस नेता विप्लव ठाकुर भी मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुधीर शर्मा की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए गए और आगामी चुनाव में उन्हें हरा कर कांग्रेस प्रत्याशी को बड़ी जीत दिलवाने के लिए रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धर्मशाला के नवनियुक्त अध्यक्ष हरभजन सिंह भज्जी ने की। इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी विजय इंद्र कर्ण, पूर्व महापौर देवेंद्र सिंह जग्गी, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनीत धीमान व सुरेश कुमार पप्पी, महापौर नीनू शर्मा, रक्कड़ पंचायत प्रधान राजीव शर्मा, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम सुक्खू के खिलाफ भुट्टो पर अपमानजनक टिप्पणी करने की शिकायत

चुनाव आयोग ने डीसी से मांगी रिपोर्ट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

चुनाव आयोग को सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू के खिलाफ कुटलैहड़ से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र भुट्टो के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में दो शिकायतें प्राप्त हुई हैं। यह शिकायतें भाजपा की ओर से की गई हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित अपने भाषण में कुटलैहड़ के भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र भुट्टो के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी ऊना से तथ्यात्मक रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर भेजने के निर्देश दिए हैं। भाजपा ने दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री सुक्खू की इलेक्शन कमीशन से शिकायत की है। इसमें भाजपा ने मुख्यमंत्री के भुट्टो को कुट्टो बयान पर आपत्ति जताई है। पार्टी का तर्क है कि मुख्यमंत्री का यह बयान दंगे फैलाने वाला, अपमानजनक और आपत्तिजनक है। इस तरह का बयान न केवल मानवीय गरिमा की अवहेलना करता है, बल्कि राज्य में अराजकता और अशांति का माहौल पैदा कर सकता है। भाजपा ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई और भविष्य में इसकी पुनरावृति नहीं करने की मांग की थी। ऊना जिले के कुटलैहड़ विधानसभा से कांग्रेस के बागी एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो अब भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए है।

ऊना की रिपोर्ट पर होगी आगामी कार्रवाई

मुख्यमंत्री सुक्खू ने यह बयान विगत 6 अप्रैल को कुटलैहड़ में जनसभा को संबोधित करते हुए दिया था। बीते सोमवार को बीजेपी ने आयोग से इसकी लिखित में शिकायत की है। अब इलेक्शन कमीशन हरकत में आया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ऊना की रिपोर्ट मिलने के बाद कमीशन इस मामले में आगामी कार्रवाई करेगा।

बौखलाहट में ऐसे बयान दे रहे मुख्यमंत्री: बिंदल

वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू बौखलाहट और घबराहट में हैं। इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं।

सुक्खू सरकार में चरम पर भ्रष्टाचार: जयराम

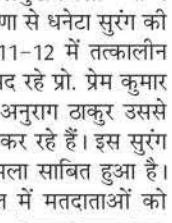

सोलन। भारतीय जनता पार्टी नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि पिछले दिनों हिमाचल प्रदेश में जो राजनीतिक घटनाक्रम घटित हुआ है, उसके पश्चात प्रदेश की कांग्रेस सरकार की स्थिति बहुत हास्यास्पद बनी हुई है। प्रदेश में सरकार बनने के बाद कांग्रेस सरकार बोलती रही कि व्यवस्था परिवर्तन की सरकार, सुख की सरकार, लेकिन हकीकत यह है कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार सत्ता में रहने का नैतिक अधिकार खो चुकी है। जनता की नजरों से भी यह सरकार गिर चुकी है और बहुमत की दृष्टि से भी सरकार गिर चुकी है। उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। बीबीएन में लैंड यूज बदलने के लिए करोड़ों की मांग हो रही है। इसको लेकर जल्द खुलासा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार इस चुनाव के साथ दो सरकारें बनेंगी एक दिल्ली की और एक हिमाचल प्रदेश की।

भाजपा ने केंद्र से मिलने वाली मदद रुकवाई : प्रतिभा सिंह

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आपदा के समय न तो आपदा प्रभावित लोगों की मदद की और न ही राज्य सरकार के साथ राहत कार्यों में कोई सहयोग दिया। भाजपा नेताओं ने केंद्र सरकार से मिलने वाली आर्थिक मदद को भी रुकवाया। केंद्र सरकार ने जितना भी पैसा प्रदेश को आपदा के दौरान जारी किया, वह देश के हर राज्य को हर साल ऐसी आपदाओं से निपटने को जारी किया जाता है। प्रतिभा सिंह ने कहा कि आपदा के समय प्रदेश सरकार ने अपने सीमित संसाधनों के बावजूद आपदा प्रभावित लोगों की पूरी मदद की। उन्हें तुरंत राहत राशि प्रदान की। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जन जीवन सामान्य करने की दिशा में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाओं को युद्ध स्तर पर बहाल किया। राहत व पुनर्वास कार्यों को रिकॉर्ड समय पर पूरा कर लोगों को राहत दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों के साथ-साथ 6 उपचुनावों में शानदार जीत हासिल करेगी।

तीन दशकों से रेल के खेल पर केंद्रित रहा हमीरपुर संसदीय सीट का चुनाव

राजेश शर्मा, ऊना

हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में करीब तीस सालों से रेल की सियासत हावी रही है। रेल लाइन के विस्तार की बात हो अथवा रेल नेटवर्क मजबूत करने का मामला रहा हो। रेल के खेल से आगे यहां की सियासत आगे नहीं बढ़ी है। हालांकि केंद्रीय विद्यालय और ट्रिपल आईटी भी अपवाद हैं, लेकिन मूल रूप से जो अपेक्षाएं स्थानीय जनमानस की रही हैं इन पर कदमताल भी शुरू नहीं हुई है।

भाजपा का भले ही हमीरपुर संसदीय क्षेत्र गढ़ रहा है, लेकिन कहीं न कहीं लोगों में अब सवाल भी उठने शुरू हुए हैं। मोदी प्रधानमंत्री बने थे और उसके बाद मोदी लहर में ये सभी मुद्दे गौण हो गए। इस क्षेत्र से भाजपा करीब तीन दशक से प्रतिनिधित्व कर रही है। कांग्रेस का कौन उम्मीदवार यहां से सांसद रहा था यह वर्तमान का युवा वर्ग भी नहीं जानता होगा। मसला अब यह है कि अगर स्थानीय मुद्दों का प्रभाव चुनावों में देखा जाता है, तो भाजपा के लिए इस दफा चुनाव उतना आसान नहीं रहेगा, जैसा पार्टी मानकर चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी का मैजिक फिर से काम कर गया तो अपवाद होगा। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सबसे प्रमुख जिला ऊना में मुद्दों की बात करें तो सबसे अहम बंगाणा से धनेटा सुरंग की योजना है। इस योजना को लेकर 2011-12 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जो खुद भी इस क्षेत्र से सांसद रहे प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने घोषणा की थी। उनके पुत्र अनुराग ठाकुर उससे पहले से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी कर रहे हैं। इस सुरंग की योजना भी महज एक चुनावी जुमला साबित हुआ है। हालांकि यहां दशकों से रेल के खेल में मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास होता रहा है। अनुराग ठाकुर युवा वर्ग के चहेते हैं, क्रिकेट के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय है, लेकिन जिले में वर्तमान परिस्थितियों को समझने में वे नाकाम रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

सियासत

राजनीति में कौन विभीषण, कौन भीष्म पितामह, बगैर अंगूठे के एकलव्य की तलाश जारी

टिकट आवंटन में देरी, अब फूंक-फूंक कर कदम रख रही कांग्रेस

एसपी जैरथ, नाहन

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में हाल ही में आई सुनामी के बाद कांग्रेस खुद को रेस्क्यू करने में जुटी हुई है, तो वहीं भाजपा भी मिशन लोटस के मुरझाने के बाद चित और पट खेलने के लिए उचित मोहरा तलाश रही है। हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि जहां भाजपा ने शिमला संसदीय सीट से प्रत्याशी घोषित कर पहले बाजी मारी है, वहीं कांग्रेस की उहापोह समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है।

असल में नाजुक दौर से गुजर रही कांग्रेस के सामने न केवल लोकसभा बल्कि उपचुनाव की विधानसभा सीट भी अब बड़ी चुनौती है। कांग्रेस के सामने सभी 6 सीटें जीतना न केवल प्रतिष्ठा, बल्कि खुद को सियासत में कायम रखने का भी एकमात्र रास्ता है, तो वहीं भाजपा ने भी लंगड़े घोड़ों पर दांव खेलकर कोड़ में खाज पैदा कर ली है। टिकट आवंटन को लेकर कांग्रेस भले ही कदम फूंक-फूंक कर चल रही हो, मगर उनके लिए जीतने के बाद गुरु दक्षिणा देने वाला एकलव्य कौन साबित हो सकता है, इसको लेकर बड़ी टेंशन चल रही है।

हालांकि, शिमला संसदीय सीट पर जहां महिला प्रत्याशी के तौर पर दयाल प्यारी को देखा जा रहा था, उसमें कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। यहां यह भी बता दें कि दयाल प्यारी भाजपा की कर्मठ सिपाही थीं। एक छोटे से प्रकरण के बाद पार्टी को बाय-बाय करने वाली उनकी अदा कांग्रेस के रणनीतिकारों में भी चर्चा का विषय बनी हुई है। वहीं, बात यदि फिर से विनोद सुल्तानपुरी की की जाए तो यह परिवार छह बार संसद में रहा है। बावजूद इसके सांसद रहे स्वर्गीय केडी सुल्तानपुरी 17 विधानसभा क्षेत्र में विकास आदि के मामलों में फिसड्डी ही साबित रहे। फिर चाहे रेल का मुद्दा रहा हो या फिर अफीम की खेती को दवा उद्योगों के लिए बड़ी जरूरत मानते हुए क्षेत्र के लिए परमिट की मांग। नेशनल हाईवे हो या फिर रेणुका बांध का मुद्दा हर मुद्दे पर सुल्तानपुरी कहीं भी चर्चित नहीं रहे।

इन सभी मुद्दों पर सबसे बेहतर तरीके से परफॉर्म करने वाले सांसद वीरेंद्र कश्यप दो बार भाजपा को जीत दिलाने में कामयाब रहे, तो वहीं भाजपा ने भी उनके बेहतर कार्य का सम्मान देते हुए उन्हें राजनीति में पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया। मौजूदा सांसद और भावी प्रत्याशी सुरेश कश्यप ईमानदार और पार्टी में गुटनिरपेक्ष हैं। बावजूद इसके दोहरे दायित्व में फंसने के बाद वह बहुत से विधानसभा क्षेत्र से नदारद रहे। बावजूद इसके सांसद निधि का उनके द्वारा बेहतर तरीके से सभी विधानसभा क्षेत्रों में आवंटन भी किया गया। अब यदि बात की जाए दूसरे कांग्रेसी चर्चित चेहरे की तो अमित नंदा हर तरह से बेहतर साबित रहते हैं, मगर उन्हें देरी से प्रत्याशी यदि घोषित किया जाता है तो कुछ ऐसे विधानसभा क्षेत्र हैं, जहां यह चेहरा परिचय से पूरी तरह अनजान है। एंटी इनकंबेंसी के चलते सिरमौर के दो विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर अमित नंदा शिमला और अपर शिमला बेल्ट में बेहतर स्थिति बन सकते हैं। अब यदि अमित नंदा भी जाते हैं तो कांग्रेस के सामने कार्यकर्ताओं को अधिमान दिया जाने का एक बेहतरीन उदाहरण भी साबित होगा। हालांकि दयाल प्यारी इन सभी समीकरणों में बेहतर साबित होती हैं, मगर वह अपने विधानसभा क्षेत्र में तब तक कमजोर हैं, जब तक उसके सिर पर दिग्गज कांग्रेसी रहे गंगू राम मुसाफिर का हाथ नहीं पड़ जाता। (अनंत ज्ञान)

दयाल प्यारी के नाम पर भाजपा खेमे में टेंशन

दयाल प्यारी के नाम पर भाजपा के खेमे में भी टेंशन की लकीरें खिंच जाती हैं। मगर, यहां सोचने का विषय यह भी है कि दयाल प्यारी धूमल गुट में आज भी उतनी ही आस्था रखती हैं, जितनी पहले रखती थीं। अब यदि दयाल प्यारी नमक और लोटे के साथ अपनी विश्वसनीयता कांग्रेस के प्रति समर्पित करती हैं तो निश्चित ही कांग्रेस के लिए वह जिताऊ साबित होंगी। क्योंकि दयाल प्यारी यह भी जानती है कि यदि विषम परिस्थितियों में भाजपा की ओर से जीतने के बाद अगर उसे ऑफर मिलता है तो वह सीधे केंद्र में मंत्री जा सकती हैं। ऐसे में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस समय दगाबाजी बनी हुई है। बहरहाल, अब यदि कांग्रेस और अधिक देरी करती है तो निश्चित ही फिर चाहे प्रत्याशी कोई भी हो इस सीट पर जीत पाना असंभव हो सकता है।

अनंत ज्ञान
अनुभवी स्टाफ चाहिए
'अनंत ज्ञान' दैनिक अखबार को हिमाचल में अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

संपादकीय विभाग
प्रूफ रीडर, कंटेंट और स्क्रिप्ट राइटर एवं उपमंडल स्तर पर जुझारू, ऊर्जावान और खोजी पत्रकारों की जरूरत है। अनुभवी डिजाइनर चाहिए। (फोटोशॉप का अनुभव अनिवार्य)। आवेदक को अनुभवी होना जरूरी है।

डिजिटल मीडिया
डिजिटल हेड, वीडियो एडिटर, एंकर, रिपोर्टर, कैमरामैन, कंटेंट और स्क्रिप्ट राइटर चाहिए।

मार्केटिंग विभाग
मार्केटिंग रणनीति में माहिर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव चाहिए।

मोबाइल नंबर: 8894521702
ई-मेल anantgyaanadm@gmail.com

बर्थडे और सालगिरह के फोटो भेजें
बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 8580644502 पर भेजें।

सिंगापुर यात्रा से लौटे शिक्षक

गरली। प्रदेश सरकार की ओर से शैक्षणिक प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर यात्रा पर गए हिमाचल प्रदेश से 102 अध्यापक, मुख्याध्यापक, प्रधानाचार्य व अधिकारियों का दूसरा समूह अपना शैक्षणिक प्रशिक्षण पूरा करके भारत लौटा। इस दल का नेतृत्व सहायक निदेशक बाबू राम शर्मा और प्रणव भंडारी यात्रा प्रबंधक द्वारा किया गया। अध्यापकों ने विदेशी शिक्षा संबंधी प्रणाली का अध्ययन किया, स्कूलों में जाकर वहां की गतिविधियों का भी अध्ययन किया।

यह जानकारी राजकीय सीएंडवी अध्यापक संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह कौंडल ने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगापुर जैसे विकसित राष्ट्र की शिक्षा प्रणाली, उत्कृष्टता के मानकों और शिक्षा प्रणाली में अपनाए जा रहे नवाचार एवं तौर तरीकों को जानने व सीखने का अवसर प्रदान करेगा। इस प्रशिक्षण से शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ेगी। विदेश यात्रा से लौटे अध्यापकों ने हिमाचल प्रदेश सरकार एवं सिंगापुर सरकार का धन्यवाद किया। इस दल में जिला कांगड़ा के कुल 18 अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें प्रारंभिक शिक्षा में गुरदयाल सिंह कौंडल, मदन लाल, कविता, अनु देवी, प्रवीण कुमार, अनुराधा, पुनीता सूद, डॉ. विशाल कुमार, सुरेंद्र कुमार, वंदना ठाकुर, सुशील धीमान, हरभजन सिंह अनिल जरयाल, मदन लाल, संजीव कुमार, मोहन शर्मा ने भाग लिया।

फायर सीजन : अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

आगजनी से निपटने के लिए विभाग हुआ अलर्ट, हाइड्रेंटस की जांच भी की

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

फायर सीजन में आगजनी से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग अलर्ट हो गया है। 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक चलने वाले फायर सीजन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बेहद आवश्यक कार्य होने पर ही छुट्टी मंजूर की जाएगी। धर्मशाला क्षेत्र में लगे कुल 24 हाइड्रेंटस की जांच कर ली गई है, सभी हाइड्रेंट वर्किंग कंडीशन में हैं। धर्मशाला एवं आसपास के क्षेत्रों में आगजनी के मामलों से निपटने के लिए चार अग्निशमन वाहन उपलब्ध हैं, इसके अतिरिक्त ऐसी जगह जहां बड़ी गाड़ी नहीं जा सकती, वहां आगजनी से निपटने के लिए विभाग के पास एक मोटरसाइकिल भी उपलब्ध है। अग्निशमन विभाग के सहयोग के लिए होमगार्ड के जवानों को अलर्ट मोड़ पर रखा गया है। साथ ही वन विभाग के वन रक्षकों को भी सूचित किया गया है कि जहां पर आगजनी होने की संभावना हो, उसकी सूचना तुरंत विभाग को दें। अग्निशमन विभाग की ओर से प्रत्येक पंचायत में लोगों को जागरूक करने का भी अभियान चलाया जा रहा है ताकि आगजनी न हो और आगजनी होने पर बचाव कैसे किया जाए के बारे में जागरूक किया जाएगा।

14 नए हाइड्रेंट लगाने का भेजा प्रपोजल

धर्मशाला को आगजनी से और अधिक सुरक्षित करने के लिए राम नगर, शाम नगर, मैक्लोडगंज एवं धर्मकोट में 14 नए हाइड्रेंट लगाने का एस्टीमेट बना कर जल शक्ति विभाग को भेजा गया है। इसमें से राम नगर में तीन, शाम नगर में तीन और मैक्लोडगंज एवं धर्मकोट में आठ हाइड्रेंट लगाए जाएंगे। राम नगर और शाम नगर में हाइड्रेंट लगाने के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू हो चुका है जबकि मैक्लोडगंज एवं धर्मकोट में हाइड्रेंट लगाने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

> अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां 15 जुलाई तक रद्द कर दी गई हैं। होमगार्ड और वन विभाग को भी अलर्ट मोड़ पर रखा गया है। धर्मशाला एवं आसपास के क्षेत्रों में आगजनी से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग पूरी तरह तैयार है।
> **-कर्म चंद कश्यप, ऑफिसर, फायर स्टेशन, धर्मशाला।**

फोरेंसिक कार्यशाला में भाग लेने को टीम दिल्ली रवाना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जुलाई में देश भर में लागू होने वाले नए कानून को लेकर दिल्ली में आयोजित होने वाली कार्यशाला में भाग लेने के लिए रीजनल फोरेंसिक साइंस प्रयोगशाला धर्मशाला की टीम बुधवार को रवाना हुई। बताते चलें कि नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी नई दिल्ली में इस दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 11 तथा 12 अप्रैल को किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए रीजनल फोरेंसिक साइंस प्रयोगशाला धर्मशाला से एसिस्टेंट डायरेक्टर डॉक्टर राकेश सोनी, साइंटिफिक ऑफिसर डॉ. अश्वनी भारद्वाज तथा साइंटिफिक एसिस्टेंट उपेंद्र बुधवार को रवाना हुए। जानकारी के अनुसार इस कार्यशाला में देश भर में जुलाई से लागू होने वाले नए कानूनों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस बारे में जानकारी देते हुए रीजनल फोरेंसिक साइंस प्रयोगशाला धर्मशाला के एसिस्टेंट डायरेक्टर डॉक्टर राकेश सोनी ने बताया कि इस कार्यशाला में देश भर से 40 फोरेंसिक विशेषज्ञ भाग लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

रझूं स्कूल में मां सरस्वती की मूर्ति स्थापित की

नगरोटा बगवां। राजकीय प्राथमिक पाठशाला रझूं में बुधवार को मैडम इंदूवाला ने अपने ससुर विक्रम ठाकुर, सास कांता देवी व समस्त गांववासियों की मौजूदगी में मां सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की। इस दौरान गांववासियों ने भजन-कीर्तन भी किया। इंदूवाला व एमडीएम वर्कर ओम प्रकाश धीमान ने सभी को प्रीति भोज करवाया।

धानवी ने पास की सैनिक स्कूल की परीक्षा

जवाली। लिटिल फ्लावर पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल दुराना की छात्रा धानवी शर्मा ने राष्ट्रीय स्तर की सैनिक स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। स्कूल के चेयरमैन किशोर चंद , प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने धानवी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। धानवी शर्मा पुत्री राजीव शर्मा नढोली की निवासी है। पिछले वर्ष भी धानवी ने सैनिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी मगर उसका चयन असम के एक सैनिक स्कूल में हुआ था। स्कूल दूर होने के कारण माता-पिता ने दाखिला नहीं करवाया। धानवी ने हिम्मत न हारते हुए और कड़ी मेहनत करके इस बार सैनिक स्कूल टीहरा सुजानपुर में जगह पाने में सफलता हासिल की है। धानवी ने बताया कि उसका सपना भारतीय सेना में अफसर बनने का है। उसने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता और अपने अध्यापकों को दिया है।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

मिनर्वा कॉलेज ऑफ एजुकेशन इंदौरा के छात्र भ्रमण के दौरान सामूहिक चित्र में।

इंदौरा। मिनर्वा कॉलेज ऑफ एजुकेशन इंदौरा के बीएड द्वितीय व चतुर्थ सत्र के विद्यार्थियों ने जयपुर का पांच दिवसीय शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने गौरवशाली राजपूताना शान के दर्शन किए और जयपुर के ऐतिहासिक स्थल हवा महल ,जंतर मंतर, बिरला मंदिर आमेर का किला, अलवर संग्रहालय इत्यादि मुख्य बाजार व अन्य स्थानों में बहुत सी ऐतिहासिक व वैज्ञानिक जानकारी हासिल की। दल में 39 विद्यार्थियों के साथ कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रशांत कुमार और दो अध्यापिकाएं रमा कुमारी और रक्षा शामिल रहीं। उन्होंने ऐतिहासिक इमारतों के साथ-साथ कठपुतली का भी आनंद लिया। छात्रों ने उत्साहित होकर किए गए भ्रमण में शैक्षणिक ज्ञान भी प्राप्त किया। प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज के प्रशिक्षणार्थियों ने राजस्थान की संस्कृति व सभ्यता को जाना एवं सभी ने खूब आनंद किया।

नूरपुर-सदवां में मतदान के लिए जागरूक किए लोग

नूरपुर। सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता अभियान नूरपुर क्षेत्र और सदवां क्षेत्र के साथ लगते पोलिंग बूथों पर चलाया गया। यह अभियान कार्यक्रम के मीडिया संयोजक अधिकारी बृजेश पठानिया की अध्यक्षता में चलाया गया। इस दौरान बृजेश पठानिया ने आगामी लोकसभा चुनावों से संबंधित विषय को जनता के साथ साझा किया और उन्हें चुनाव की मतदान प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया। बृजेश पठानिया ने इस अभियान के तहत नूरपुर की 97 वर्षीय मतदाता अयोध्या देवी से और लखवाल के रहने वाले राष्ट्र स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी मोहित से भी संवाद किया। इन दोनों ने ही मतदाताओं से आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने और लोकतंत्र की उत्तम स्थापना करने का आग्रह किया। इस अभियान में राकेश कुमार, साहिल और भूपिंद्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नैहरनपुखर आईटीआई में रोजगार मेला 23 अप्रैल को

अनंत ज्ञान, परागपुर

आईटीआई नैहरनपुखर में 23 अप्रैल को एल एंड टी (सीएसटीई) द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी आईटीआई के कंप्यूटर शिक्षक रवि गुलेरिया ने बताया कि आईटीआई नैहरनपुखर में युवाओं को रोजगार में अपने कौशलों को विकसित करने के लिए आगामी 23 अप्रैल को एल एंड टी द्वारा रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। कंपनी के एचआर विभाग के अधिकारी धारानी नटराजन व रवि गुलेरिया ने बताया कि 23 अप्रैल को होने वाले रोजगार मेले के लिए (एनसीवीटी, एससीवीटी) फिटर, ड्राफ्ट्समैन (सिविल), इलेक्ट्रीशियन,प्लंबर, बेल्डर व्यवसाय में आईटीआई कर चुके अभ्यर्थी पात्र होंगे। अभ्यर्थी की आयु 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कैंपस इंटरव्यू में पात्र युवा 23 अप्रैल को सुबह दस बजे अपने मूल प्रशिक्षण प्रमाण पत्रों, शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, आधार कार्ड, पैन कार्ड की प्रतिलिपियों के साथ आईटीआई नैहरनपुखर कैंपस में पहुंच जाने चाहिए। संस्थान के प्रधानाचार्य ललित मोहन ने बताया की इंटरव्यू में प्रदेशभर के सरकारी व निजी आईटीआई के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 01970292604 एवं प्लेसमेंट अधिकारी मुकेश कौशल से 9418162333 नंबर पर संपर्क करें।

लाजपत राय बने कल्याण संस्था के प्रधान

डाडासीबा। सेवानिवृत्त अर्ध सैनिक बल कल्याण संस्था इकाई डाडासीबा की बैठक उपप्रधान घनश्याम सिंह की अगुआई में बुधवार को राधा कृष्ण मंदिर में हुई। बैठक में कल्याण संस्था का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया। इसमें लाजपत राय को अर्ध सैनिक बल कल्याण संस्था डाडासीबा का प्रधान व नंदलाल को सचिव नियुक्त किया गया। पहले त्रैमासिक मीटिंग की जाती थी और अब हर महीने मीटिंग करने का निर्णय लिया गया है। अर्धबल के सैनिकों ने सुझाव दिया कि जो केंद्र सरकार ने सीजीआईएस की डिस्पेंसरी धर्मशाला में खोली है सरकार उसकी ब्रांच देहरा में भी खोले।

रंगोत्सव कला प्रतियोगिता में पारस स्कूल के होनहारों का प्रदर्शन बेहतरीन

छात्र-छात्राओं को पुरस्कार के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र दिए

अंतरराष्ट्रीय रंगोत्सव कला प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पारस स्कूल भवारना के छात्र सामूहिक चित्र में

अनंत ज्ञान, डरोह

फरवरी माह में हुई अंतरराष्ट्रीय रंगोत्सव कला प्रतियोगिता में पारस स्कूल भवारना के 20 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपने कला कौशल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक विद्यालयों ने भाग लिया, जिसमें पारस स्कूल की कक्षा चौथी की छात्रा रिजु राज ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। कक्षा तीसरी की छात्रा शानवी, कक्षा छठी की छात्रा अर्शिया और रक्षित धीमान ने अंतरराष्ट्रीय मेरिट अवार्ड हासिल किया।

12 छात्र-छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय मेडल पर अपना कब्जा जमाया और चार छात्र-छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। बुधवार को सभी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम राणा व कला अध्यापिका रीना धीमान को अंतरराष्ट्रीय रंगोत्सव कला प्रतियोगिता की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के निदेशक महेश चंद्र कटोच व प्रधानाचार्य नीलम राणा ने कला अध्यापिका व बच्चों को बधाई दी। उन्होंने स्कूल के अन्य छात्रों को भी इन छात्रों से प्रेरणा लेने की बात कही।

जवाली में 'मेला मईया दा...' पर नाचे लोग

युवा समाज सुधार सभा एवं व्यापार मंडल लब ने करवाया जागरण

अनंत ज्ञान, जवाली

युवा समाज सुधार सभा व श्री मणि महेश लंगर सेवा दल एवं व्यापार मंडल लब जवाली द्वारा 30वें जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। जागरण में करनाल से नीरज चंचल द्वारा प्रस्तुत मेला मईया दा, भोले दी बारात चली गज बज व मेले लगे कालका दे पर श्रद्धालु खूब नाचे। जागरण में ज्वाला देवी मां की पावन ज्योति लाई गई। जागरण में मां काली, कृष्ण ,हनुमान जी व अन्य झांकियों ने पंडाल में बैठे श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। सभा के वरिष्ठ सदस्य राकेश भारद्वाज ने बताया कि जागरण में जुगनू लाइट पठानकोट पूरे लब कस्बे को आधुनिक बिजली उपकरणों से सजाया गया। सभा द्वारा बुधवार को विशाल लंगर का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर डॉ. एनके शर्मा, दलजीत मन्हास, एडवोकेट ललित मोहन शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता वीके कनदौरिया, राम कृष्ण शर्मा, कुलदीप राज, राजेश धीमान, मनमोहन कृष्ण, चमन वरोटिया, राम कुमार, समीर चौधरी, सौरभ अत्री, राकेश धीमान, प्रकाश जसवाल, सुनील दत्त, दीपक शर्मा, अनिल छांगू ,चैन सिंह पठानिया, निशु, भुवनेश शर्मा, राजिंद्र राजू, सुधीर काका, अंकू वरोटिया, विशाल वरोटिया, विशाल शर्मा, पंकज शर्मा, अक्षय कुमार, टिंकू शर्मा, शशि मेहरा, विकास मेहरा, कृष्ण,गौरव शर्मा, शिभम शर्मा, दिशांत शर्मा, अंशुल, विकास चौधरी, कुलदीप राज, मुकेश कुमार, ज्ञानी, विशाल मेहरा, अभिनाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

बुधवार को आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

अखंड रामायण पाठ 16 अप्रैल को

जयसिंहपुर। श्री सीमा राम मंदिर बिजापुर, जयसिंहपुर में 46वां वार्षिक भंडारा 18 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इससे पूर्व सीता राम मंदिर में नवमी का पर्व 17 अप्रैल को मनाया जाएगा। 16 अप्रैल को अखंड रामायण का पाठ प्रारंभ होगा और 18 अप्रैल को पूर्ण आहूति से पाठ का समापन हो जाएगा। इसी दिन भंडारे को भी आयोजन होगा।

प्रतिनिधिमंडल ने डीसी से की मुलाकात

कांगड़ा। आर्ट ऑफ लिविंग का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को डीसी कांगड़ा से मिला। प्रतिनिधिमंडल द्वारा डीसी कांगड़ा को आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर के 27 अप्रैल को धर्मशाला महासत्संग में आगमन पर जानकारी दी गई। 27 अप्रैल 2024 को पुलिस ग्राउंड धर्मशाला में आयोजित महासत्संग के लिए की जाने वाली तैयारियों पर भी इस दौरान विस्तृत चर्चा की गई।

पंचरुखी में डॉ. भारद्वाज ने पालमपुर भाजपा वर्कर्स से की परिचय बैठक

अजय पाल, पंचरुखी

संगठनात्मक जिला पालमपुर की भाजपा सोशल मीडिया परिचय बैठक होटल पीक बाउंड पंचरुखी में जिला संयोजक राजीव लक्की राणा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. राजीव भारद्वाज और भाजपा प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर, कांगड़ा-चंबा सोशल मीडिया संयोजक हैप्पी, कार्यसमिति सदस्य अमित शर्मा, केवल कृष्ण, मुनीश कटोच प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में चुनावी गतिविधियों पर सोशल मीडिया से जुड़े हुए सभी विषयों पर गहन चर्चा की गई। भाजपा प्रत्याशी राजीव भारद्वाज ने जयसिंहपुर, सुलह और पालमपुर विधानसभा क्षेत्रों से आए हुए सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं से परिचय किया तथा अपना मार्गदर्शन दिया।

पंचरुखी में बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. राजीव भारद्वाज।

बैठक में जिला सह संयोजक राकेश कपूर, जयसिंहपुर संयोजक हरी दास, सुलह संयोजक विक्रम पटियाल, पालमपुर संयोजक डिंपल राणा, सुलह सह संयोजक अश्वनी शर्मा और सुनील कटोच, प्रभारी जयसिंहपुर विनीत भारती और राजेश, आशु शर्मा, संतोष कपूर, विजय भूरिया, नीलम राजपूत, नीरज पटियाल, मीनू परमार, मधु शर्मा, पिंकी, पंकज, नन्हा अवस्थी, संजय धीमान, नवल किशोर, पंकज उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

जागरूकता घुरकड़ी में स्वीप नोडल अधिकारी व बीएलओ ने जागरूक किए लोग

यदि वोटर लिस्ट में नाम नहीं, तो भरें फॉर्म छह

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

लोकसभा चुनाव 2024 के स्वीप कार्यक्रमों में आंगनबाड़ी केंद्रों और शिक्षण संस्थानों के सहयोग की एआरओ एवं एसडीएम कांगड़ा इशांत जसवाल ने प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि उपमंडल कांगड़ा के अंतर्गत आने वाले लगभग सभी शिक्षण संस्थानों में प्रतिदिन पोस्टर प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसके माध्यम से लोगों को वोट डालने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी तरह आंगनबाड़ी केंद्रों में भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सुपरवाइजर द्वारा मेहंदी लगाकर लोगों को चुनाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। एसडीएम ने कहा विधानसभा क्षेत्र कांगड़ा-16 में लोकसभा चुनाव के तहत कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों में जाकर मतदान के लिए जनमानस को जागरूक किया जा रहा है।

बुधवार को स्वीप नोडल अधिकारी लेख राज एवं स्थानीय बीएलओ ज्ञान चंद के सहयोग से बूथ 18 घुरकड़ी-1 में वहां के मतदाताओं के साथ बैठक कर उन्हें जागरूक किया गया। इसके अलावा मतदान के महत्व तथा निर्वाचन प्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी भी दी गई एवं मतदाताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो। यदि किसी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो वह बीएलओ या वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से फॉर्म छह अवश्य भरें। लोगों से आह्वान किया गया कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही अपने घरों व आसपास के लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने का हरसंभव प्रयास करें। सीडीपीओ कांगड़ा वंदना कटोच ने स्वीप के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजर के माध्यम से मेहंदी लगाकर वोट के लिए मतदाताओं को जागरूक किया। एसडीएम ने 18 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके युवाओं से अपना वोटर कार्ड बनाने और चुनाव में भाग लेने की अपील की है।

घुरकड़ी में मतदान जागरूकता अभियान के दौरान मौजूद लोग व अन्य।

न्यूज ब्रीफ

स्टूडेंट्स को नवीनतम शोध से करवाया अवगत

हमीरपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल कॉलेज हमीरपुर में वनस्पति विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली व्याख्यान शृंखला के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर से डॉ. ममता अवस्थी, सरदार स्वर्ण सिंह, राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान कपूरथला से वैज्ञानिक डॉ. संजीव मिश्रा एवं डॉ. सचिन कुमार ने महाविद्यालय का दौरा किया तथा स्टूडेंट्स को नवीनतम शोध व उच्च शिक्षा के विभिन्न अवसरों से भी अवगत करवाया। डॉ. संजीव मिश्रा ने घरेलू अपशिष्ट व सीवेज अपशिष्ट जल के जैविक उपचार के विभिन्न तरीकों के बारे में स्टूडेंट्स को विस्तृत जानकारी दी। डॉ. कल्पना भंडारी ने बताया कि इसमें 100 से अधिक स्टूडेंट्स एवं महाविद्यालय के सदस्यों ने भाग लिया। समारोह में प्राचार्य डॉ. प्रमोद सिंह पटिया, डॉ. विजय कुमार, डॉ. कृष्ण लाल, डॉ. संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

फोर्टिफाइड खाद्यान्न हैं पौष्टिक और सुरक्षित : डीसी

हमीरपुर। उपायुक्त अमरजीत सिंह ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वितरित किए जा रहे फोर्टिफाइड खाद्यान्नों को पौष्टिक और पूरी तरह सुरक्षित बताया है। उन्होंने बताया कि कुपोषण

की समस्या को दूर करने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग आटा, चावल, तेल और नमक में ऐसे फोर्टिफिकेंट्स मिश्रित करके राशन कार्डधारक उपभोक्ताओं को वितरित कर रहा है, जो कि स्वास्थ्य के लिए काफी लाभप्रद हैं। इसके बावजूद कुछ उपभोक्ताओं में फोर्टिफाइड खाद्यान्नों को लेकर कुछ भ्रांतियां व्याप्त हैं। उपायुक्त ने कहा कि ये भ्रांतियां बिलकुल निराधार हैं। उन्होंने बताया कि जिला में खाद्यान्नों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर माह सैंपल लेकर शिमला स्थित विभागीय प्रयोगशाला को भेजे जाते हैं। इसके अलावा विभाग ने फरवरी माह में जिला की 9 आटा मिलों से आटे के सैंपल लेकर जांच के लिए कंडाघाट स्थित कंपोजिट टेस्टिंग लैब में भी भेजे थे, ये सभी सैंपल खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि विभाग के अधिकारियों को उचित मूल्य की दुकानों, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों और आटा मिलों का निरीक्षण करने तथा सैंपल लेने के निर्देश दिए हैं, ताकि जिला में उचित मूल्य की 310 दुकानों के नेटवर्क के माध्यम से लगभग साढ़े 5 लाख उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त राशन का वितरण सुनिश्चित हो सके।

साई गांव में श्रीमद् भागवत कथा शुरू

साई गांव में निकाली गई कलश यात्रा में भाग लेते हुए लोग।

धनेटा। उपमंडल नादौन की हथोल पंचायत के साई गांव में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया। कलश यात्रा गुगा मंदिर ग्वाल पत्थर से शुरू होकर साई गांव की प्रभात फेरी के बाद मंदिर पहुंची, जहां पर पंडितों द्वारा शंख ध्वनि के साथ स्वागत किया गया। पूजा-अर्चना के बाद पंडित अनिल सरोच ने धर्म, अर्थ, काम पर प्रवचन करके कथा का शुभारंभ किया।

आज बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

रंगस। 11 केवी बल्दूहक फीडर में नया ट्रांसफॉर्मर लगाने के लिए 11 केवी बल्दूहक फीडर पर आने वाले कई गांवों में बिजली आपूर्ति 11 अप्रैल को बाधित रहेगी। विद्युत उपमंडल रंगस के एसडीओ संदीप सांगल ने बताया कि इस दिन रटियाल, जटुआ व अप्पर कंडरोला आदि गांवों में बिजली आपूर्ति सुबह 9 से शाम 3 बजे तक बाधित रहेगी। उन्होंने प्रभावित उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

जाहू खेल मैदान में गाड़ियों की पासिंग 12 को

भोरंज। उपमंडल भोरंज के अंतर्गत अप्रैल माह की ड्राइविंग टेस्ट व गाड़ियों के पासिंग इस बार जाहू खेल मैदान पर होगी। एसडीएम भोरंज संजय कुमार ने बताया कि 12 अप्रैल को जाहू खेल मैदान पर गाड़ियों के ड्राइविंग टेस्ट 10 से 2 बजे तक व पासिंग 2 से 4 बजे तक होंगे।

परमात्मा को पाने के लिए सत्संग ही मार्ग : पं. विपिन

बिझड़ी। बिझड़ी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन पंडित विपिन भारद्वाज ने भक्तजनों को भागवत कथा के प्रसंग सुनाते कहा कि बिना सत्संग से विवेक नहीं होता। सत्संग की कृपा भी उन्हीं लोगों पर होती है, जिन्होंने पूर्व जन्म के अच्छे कर्म किए होते हैं। उन्होंने कहा सत्संग यह फिर भागवत कथा का अनुसरण करने से जो व्यक्ति रोज प्रभु का जाप करता है। अंत में प्रभु चरणों में लीन हो जाता है।

जागरूक मतदाता बनकर पहली जून को करें मतदान

भरेड़ी। भोरंज विधानसभा क्षेत्र में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता जागरूकता कार्यक्रम के तहत बूथ स्तर ग्रामीणों को शत-प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करने का कार्य जोरों पर है। बुधवार को भोरंज के लगमन्वीं बूथ पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भोरंज ब्लॉक खंड विकास अधिकारी कुलवंत सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग चुनावों का बहिष्कार करते हैं व पोलिंग बूथ पर वोट देने ने उदासीनता दिखाते हैं। यह भारतीय मजबूत लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए सबसे बड़ा अवगुण है। उन्होंने कहा कि चुनावों में प्रतिनिधियों के पक्ष में जितने अधिक वोट पड़ेंगे उतना ही भारतीय लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भोरंज विस के दस मतदान केंद्रों में 70 फीसदी से कम मतदान हुआ है, इसलिए लोगों को जागरूक करने के लिए स्वीप कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस अवसर पर स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अनिल डोगरा ने ग्रामीणों को लोकतांत्रिक प्रणाली और वोट के महत्व के जागरूक किया।

सीएम सुक्खू ने निकाला रोड शो

मुख्यमंत्री ने व्यापारियों, दुकानदारों और अन्य लोगों का कुशलक्षेम पूछा

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार देर शाम हमीरपुर शहर में रोड शो निकाला, साथ हैं अन्य। उन्होंने व्यापारियों, दुकानदारों और लोगों से मिलकर उनका कुशलक्षेम पूछा।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार शाम हमीरपुर बाजार में रोड शो निकाला। इसकी शुरुआत गांधी चौक से हुई और समापन भोटा चौक पर हुआ। मुख्यमंत्री ने गांधी चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कांग्रेस के नेताओं ने गांधी चौक पहुंचने पर उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया और शॉल व टोपी से मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की। मुख्यमंत्री का बाजार में जगह-जगह स्वागत हुआ। सीएम रोड शो के दौरान बाजार में व्यवसायियों से मिले जिन्होंने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किए। उनके साथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक चंद्रशेखर, विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा, पूर्व विधायक व लोकसभा के उम्मीदवार सतपाल रायजादा, कांगड़ा बैंक के चेयरमैन कुलदीप पठानिया, चेयरमैन रामचंद्र पठानिया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमन भारती, एपीएमसी चेयरमैन अजय शर्मा, कांग्रेस पार्षद इत्यादि मौजूद रहे।

पीजीटी हिंदी की परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों ने उठाए सवाल

अनिल कुमार, हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग शिमला द्वारा 7 अप्रैल को आयोजित की गई पीजीटी हिंदी की परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों ने सवाल उठाए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा बहुत कठिन थी। उन्होंने परीक्षा तिथि को आगे बढ़ाने के लिए ईमेल और पत्र के माध्यम से आग्रह किया, लेकिन परीक्षा निर्धारित तिथि को ही ली गई।

पीजीटी हिंदी की परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का कहना है कि लोक सेवा आयोग ने परीक्षा की तैयारी के बहुत कम समय दिया और जो पेपर डाला गया था वह एचएएस के स्तर का था, जिसकी वजह से कई अभ्यर्थी पेपर को सही तरीके से हल नहीं कर पाए। अभ्यर्थियों में रजत, अमन, विशाल, सपना आदि ने बताया कि लोक सेवा आयोग द्वारा पीजीटी हिंदी की परीक्षा की तिथि तय करने का विरोध किया था, लेकिन लोक सेवा आयोग ने इस परीक्षा की तिथि को नहीं बदला।

एचएएस स्तर पर पूछे गए प्रश्नों को अधिकतर अभ्यर्थी नहीं कर पाए हल

उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित सिलेबस से बहुत कम प्रश्न आए थे जिसकी वजह से अधिकतर अभ्यर्थी पेपर में आए प्रश्नों को हल नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि दिए गए सिलेबस के अनुसार 15 अंकों के करंट अफेयर्स के प्रश्न, 15 अंकों के हिमाचल प्रदेश सामान्य ज्ञान, 10 अंकों के हिंदी के प्रश्न और 10 अंकों के अंग्रेजी के आने थे, लेकिन जो सिलेबस था उससे हटकर प्रश्न पूछे गए थे। अभ्यर्थियों ने बताया कि यह परीक्षा एचएएस के स्तर की थी। अभ्यर्थियों ने लोक सेवा आयोग के सचिव से आग्रह किया है कि पीजीटी हिंदी के पेपर एक और पेपर दो को दोबारा करवाने पर पुन: विचार किया जाए। (अनंत ज्ञान)

प्रवासी युवकों ने दुकानदार पर किया दराट से हमला

हमीरपुर। सदर थाना हमीरपुर से 500 मीटर की दूरी पर प्रताप गली में एक दुकानदार पर 4 प्रवासी युवकों ने दराट से हमला कर घायल कर दिया। इस हमले में दुकानदार के सिर पर गहरी चोट आई है। मामला बुधवार सुबह का जब दुकानदार जो कपड़े की दुकान करता है, उसके साथ की कास्मेटिक की दुकान करने वाले युवकों से कहासुनी हो गई। यह इतनी बढ़ गई कि युवकों ने दुकानदार पर दराट से हमला कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संतोष राय पुत्र रामेश्वर राय प्रताप गली में कपड़े की दुकान करता है और उसके पड़ोसी भी कास्मेटिक की दुकान करते हैं और सामान लगाने को लेकर झगड़ा हो गया। संतोष राय भी बाहर का रहने वाला है, वहीं चारों नाबालिग युवक लक्की, सरवन, राज कुमार और कुमार पाल चंडीगढ़ के बताए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक पदम चंद ने बताया कि पुलिस ने युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूर्व सीएम धूमल ने 81 कन्याओं का पूजन कर मनाया जन्मदिन

प्रो. प्रेम कुमार धूमल महिला मोर्चा सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए तथा राजेंद्र राणा धूमल से मिलते हुए।

जन्मदिन पर 81 कन्याओं को भोजन करवाते हुए प्रो. धूमल, साथ हैं उनके बेटे अनुराग ठाकुर।

अनंत ज्ञान, टौणी देवी

पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने बुधवार को अपना 81वां जन्मदिन 81 कन्याओं का पूजन कर मनाया। इस अवसर पर उनके बेटे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रो. धूमल के जन्म दिवस पर भाजपा के हजारों कार्यकर्ता उनके निवास स्थान पहुंचे और उन्हें बधाई दी।

भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र राणा भी अपने राजनीतिक गुरु प्रो. धूमल को जन्मदिवस की बधाई देने उनके निवास स्थान पहुंचे। उन्होंने अनुराग ठाकुर से भी मुलाकात की व उन्हें भी धूमल के जन्मदिवस की बधाई दी। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अर्चना चौहान व उनकी टीम ने भी बधाई दी और सभी कार्यकर्ताओं का केक खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया।

81 लोगों ने किया रक्तदान

हमीरपुर। भाजयुमो जिला हमीरपुर द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर 81 लोगों ने रक्तदान किया। अध्यक्ष कपिल शामा की अगुआई में जिला हमीरपुर के पांचों मंडलों के कार्यकर्ताओं ने धूमल के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर में भाग लिया। शामा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश के लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने कहा कि धूमल प्रदेश के सर्वमान्य नेता हैं तथा पार्टी व कार्यकर्ता भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आयु लंबी हो तथा वह प्रदेश के लोगों की सेवा में जैसे लगे हुए हैं, वैसे ही भविष्य में भी लगे रहें। इस दौरान युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री सन्नी शुक्ला, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आशीष ठाकुर, जिला महामंत्री प्रगुण गौतम, रोबिन डटवालिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर रक्तदान करते भाजयुमो कार्यकर्ता।

दियोटसिद्ध मंदिर में 16,58,268 रुपए चढ़ा चढ़ावा

बिझड़ी। बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में चैत्र मास के मेलों के चलते बुधवार को हुई चढ़ावे की गणना पर बाबा के भक्तों ने 16 लाख 58 हजार 268 रुपए नकद चढ़ावा बाबा जी की पवित्र गुफा में चढ़ाया, वहीं 5 ग्राम 540 मिलीग्राम सोना, 46 ग्राम 240 मिलीग्राम चांदी श्रद्धालुओं ने चढ़ाया है। इसके अलावा विदेशी मुद्रा के रूप में यूएसए के 12 डालर, यूएई के 25 दिराम 5, मलेशिया के 5, कनाडा के 11 डॉलर, सिंगापुर के 10 डॉलर बाबा जी की पवित्र गुफा में चढ़ाए हैं। गौरतलब है कि इन दिनों सिद्ध पीठ में बाबा जी के चैत्र मास के मेले चल रहे हैं और आने वाली 13 अप्रैल को मेलों का समापन हो जाएगा। ऐसे में अब हर रोज देश विदेशों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा की गुफा में नतमस्तक हो रहे हैं ऐसे में सिद्ध नगरी में श्रद्धालुओं की खूब भीड़ देखने को मिल रही है।

करियर प्वाइंट विवि में जिला स्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप 27 से

हमीरपुर। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 27 से 29 अप्रैल को जिला स्तरीय शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। समन्वयक कुंदन लाल ने बताया कि 10 मीटर शूटिंग चैंपियनशिप करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय के खेल परिसर में होगी। यह चैंपियनशिप जिला हमीरपुर राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि 10 मीटर एयर पिस्टल व 10 मीटर राइफल श्रेणी में स्पर्धाएं विभिन्न आयु वर्ग में होंगी तथा अलग-अलग आयु वर्ग के प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का परिचय देंगे। इसके लिए प्रतिभागी 22 अप्रैल तक ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। प्रतिभागियों को 600 रुपए प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा।

बड़सर भाजपा एससी मोर्चा ने समैला में की बैठक

एसके ठाकुर, बिझड़ी

बड़सर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का सम्मेलन समैला में आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा अनुसूचित जाति के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नितिन कुमार नें मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। सम्मेलन में विधानसभा उपचुनाव में घोषित भाजपा प्रत्याशी इंद्रदत्त लखनपाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

भीम राव अंबेडकर की 14 अप्रैल को जयंती से पहले हर विधानसभा क्षेत्र में उनकी दलितों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए संविधान में किए गए प्रावधानों के बारे में अवगत करवाने के लिए यह सम्मेलन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बड़सर विधानसभा क्षेत्र से इसकी शुरुआत की गई। 14 अप्रैल को जयंती के अवसर पर नादौन विधानसभा क्षेत्र में विशाल सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सभी ने एकजुट होकर विधानसभा उपचुनावों में भाजपा प्रत्याशी

बैठक में उपस्थित इंद्रदत्त लखनपाल व अन्य।

इंद्रदत्त लखनपाल और लोकसभा चुनाव में अनुराग ठाकुर को भारी मतों से जिताने का भी आह्वान किया गया। लखनपाल ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर तंज कसे। उन्होंने कहा कि भाजपा एक मर्यादित पार्टी है। इस पार्टी में आकर कार्यकर्ताओं ने जो मुझे मान सम्मान दिया है उसका ऋण में कभी चुका नहीं सकूंगा। इस अवसर पर केक काट कर प्रो. धूमल का जन्मदिन मनाया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। (अनंत ज्ञान)

नशे के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभा रहे हैं स्काउट्स गाइड्स

टौणी देवी। पिछले कुछ समय से समाज में नशे का अवैध कारोबार व सेवन बढ़ रहा है, जिस कारण युवाओं का बहुत बड़ा वर्ग भी नशे की चपेट में आ चुका है। इससे निपटने के लिए राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टौणी देवी के स्काउट्स एवं गाइड्स, स्काउट मास्टर सतीश राणा और गाइड कैप्टन कुसुम लता के मार्ग-दर्शन में बुधवार को समीरपुर में स्थित जेपी स्कूल के बच्चों और अध्यापकों को गीतों, नुक्कड़ नाटक एवं संवाद के मध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया गया और सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। प्रधानाचार्य रजनीश रांगड़ा ने बताया कि यदि समय रहते इस गंभीर समस्या के निदान में समाज अपनी सक्रिय भूमिका नहीं निभाएगा तो आने वाले समय में कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

भोरंज कॉलेज ने मोहाली के साथ किया एमओयू साइन

जाहू। राजकीय महाविद्यालय भोरंज और एक्सीलेंस टेक्नोलॉजी मोहाली के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन आज से लेकर 2026 तक मान्य होगा। इस समझौता ज्ञापन के अनुसार महाविद्यालय के बचा और पीजीडीसीए के स्टूडेंट्स को लाइव प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा, जिससे स्टूडेंट्स कंपनी के माहौल से परिचित हो सकेंगे। कंपनी और महाविद्यालयों संगोष्ठियों व कार्यशालाओं की योजना संगठन और निष्पादन पर सहयोग करने के लिए सहमत हुए। इस समझौता ज्ञापन से उद्योग और संस्था के बीच की खाई को कम करने में सहयोग मिलेगा। एमओयू पर एक्सीलेंस टेक्नोलॉजी मोहाली की तरफ से जतिन और भोरंज महाविद्यालय के प्रधानाचार्य के द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

दो मंजिला मकान जलकर राख

अनंत ज्ञान, भोरंज

उपमंडल भोरंज के रौहीं गांव में आगजनी की घटना होने से दो मंजिला स्लेटपोश मकान जलकर राख हो गया। जिससे पीड़ित परिवार को करीब 6 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। ग्राम पंचायत उपप्रधान राजेश शर्मा के अनुसार बलबीर सिंह पुत्र किरपा राम के मकान में मंगलवार देर शाम को अचानक आग लग गई जिससे परिवार का घर के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है। आग लगने का कारण शार्ट बताया जा रहा है।

हालांकि सूचना मिलते ही ग्रामीण इकट्ठे हो गए और आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की, लेकिन सब राख हो गया। मौके पर भोरंज से फायर ब्रिगेड के कर्मचारी व पुलिस विभाग के कर्मचारी भी गए थे, लेकिन सड़क से घर दूर होने के कारण सहायता नहीं कर पाए। उधर, पटवारी हलका रौन्ही ने मौके पर जाकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है। भोरंज विधानसभा के विधायक सुरेश कुमार ने बुधवार को ग्राम पंचायत रौहीं में घटना स्थल पर जाकर नुकसान का जायजा लिया व पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता करने का भरोसा दिया।

नुकसान को देखते हुए विधायक सुरेश कुमार।

डिपुओं में लगी पॉश मशीनों की वेइंग मशीनों से इंटीग्रेशन करने के आदेश जारी

हमीरपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने प्रदेश के डिपो संचालकों को डिपुओं पर लगी पॉश मशीनों की इंटीग्रेशन वेइंग मशीनों से करने के आदेश तो जारी कर दिए, लेकिन यूएसबी पोर्ट हब डिपो धारकों को नहीं दिए। प्रदेश डिपो संचालक समिति के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कवि ने कहा कि पिछली सरकार ने डिपुओं पर लगी पॉश मशीनों की वेइंग मशीनें से इंटीग्रेशन करने के लिए टेंडर किया था, जिस कंपनी को यह टेंडर दिया गया उसने डिपो धारकों को वेइंग मशीनें तो उपलब्ध करवा दीं, लेकिन पॉश मशीनों इंटीग्रेशन के लिए यूएसबी पोर्ट हब उपलब्ध नहीं कराई। पॉश मशीनें श्री जी होने की वजह से बिना यूएसबी पोर्ट हब के मशीनों की इंटीग्रेशन संभव ही नहीं है और जो वेइंग मशीनें डिपो धारकों को दी गई हैं वे माप तोल विभाग से सत्यापित भी नहीं करवाई गई हैं। अशोक कवि ने विभाग के उच्च अधिकारियों व प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि डिपोधारकों को इसके लिए या तो यूएसबी पोर्ट हब दिए जाएं या डिपो धारकों को फोर-जी मशीनें उपलब्ध करवाई जाएं।

उन्होंने कहा कि यदि डिपो धारक यूएसबी पोर्ट हब अपने खर्चे पर लेते हैं तो प्रदेश के डिपो संचालकों पर करीब 26,50000 रुपए का आर्थिक बोझ पड़ेगा। डिपो धारक पहले ही डिपुओं पर लगी मशीनों में कनेक्टिविटी के लिए वाई फाई पर प्रति माह 470 रुपए अपनी जेब से खर्च कर रहे हैं।

आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई करें बच्चे : मुख्यमंत्री

अनंत ज्ञान, रंगस

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि बच्चे आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई करें, घबराएं नहीं। बच्चे पूरा दिन मोबाइल न देखें, पढ़ाई का समय निश्चित कर रोजाना कम से कम दो घंटे जरूर पढ़ें। सफलता और असफलता एक सिक्के के दो पहलू हैं। एक दरवाजा बंद होता है तो दूसरा खुलता है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने बुधवार को ये बातें त्रिशा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जोलसप्पड़ में स्वच्छता अभियान पर आधारित पत्रिका के विमोचन कार्यक्रम में कहीं।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई लगन के साथ करें अवश्य सफलता मिलेगी। प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार ला रही है। डाटा आधार शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। अब प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा हो गई है। इसे देखते हुए हमारी सरकार वर्तमान सत्र से सभी सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से अंग्रेजी मीडियम शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डे-बोर्डिंग स्कूल हर विधानसभा क्षेत्र में बना रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के साथ छात्र व स्टाफ।

पत्रिका विमोचन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ हुई। चेयरमैन एनके शर्मा ने मुख्यमंत्री को शॉल, टोपी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पिंद्र वर्मा, पार्षद हर्ष कालिया, महिला कांग्रेस सचिव संगीता कटोच व अन्य मौजूद रहे।

चित्रकला में अर्पित शर्मा और सृष्टि राजपूत प्रथम

हमीरपुर। केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग शिक्षा मंत्रालय की निर्देशानुसार प्रेरणा एक अनुभावात्मक ज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं के लिए स्टूडेंट्स को विकसित भारत और भावी भारत के प्रति मेरा दृष्टिकोण शीर्षक दिए गए। सभी स्टूडेंट्स ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में छात्र वर्ग से दसवीं के प्रत्यूष एवं छात्रा वर्ग से 12वीं की आस्था प्रथम स्थान पर रही। निबंध में अरिहंत एवं सानिया शर्मा ने प्रथम पाया। चित्रकला में अर्पित शर्मा एवं सृष्टि राजपूत प्रथम स्थान पर रही। प्राचार्य सुनील चौहान ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

सम्मान

होटल प्रबंधन संस्थान हमीरपुर में मनाया 12वां वार्षिक उत्सव

पुनीत ठाकुर सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार से सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) हमीरपुर का 12वां वार्षिक उत्सव 'उड़ान' बुधवार को संस्थान के परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें उपायुक्त अमरजीत सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आईएचएम हमीरपुर ने स्थापना के बाद कुछ वर्षों में ही राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने स्टूडेंट्स को सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा शैक्षणिक और अन्य गतिविधियों में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले मेधावी स्टूडेंट्स को पुरस्कार वितरित किए।

पुनीत ठाकुर को सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार देते उपायुक्त अमरजीत सिंह।

समारोह के विशिष्ट अतिथि एवं हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के डीन आचार्य जयदेव ने कहा कि आज के दौर में स्टूडेंट्स का लक्ष्य केवल नौकरी हासिल करना ही नहीं होना चाहिए। उनमें शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ उद्यमिता के गुण भी विकसित किए जाने चाहिए।

इस अवसर पर पुनीत ठाकुर को बीएससी एचएंडएचए 2021-24 बैच का सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार दिया गया। पुनीत ठाकुर को ही मिक्सोलॉजी क्लब, आयुष शर्मा को गुरमय क्लब, अमित काशिव को आतिथ्य क्लब के सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार प्रदान किया गया। शैक्षणिक क्षेत्र में सत्र 2022-23 में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले स्टूडेंट्स को भी सम्मानित किया। इससे पहले विभागाध्यक्ष पुनीत बंटा ने मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि, अन्य अतिथियों, प्रायोजकों और स्टूडेंट्स के अभिभावकों का स्वागत किया तथा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि आईएचएम हमीरपुर की प्लेसमेंट का आंकड़ा हर वर्ष की तरह इस बार भी 100 प्रतिशत रहा है। इस दौरान स्टूडेंट्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर उद्यान विभाग के उपनिदेशक राजेश्वर परमार, अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और अन्य प्रायोजक उद्यमों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

आयुर्वेद में सात ऐसे प्लांट, जो हर तरह की बीमारी में आते हैं काम : डॉ. तारा सेन

होस्ट एंकर सीरीज में वनस्पति वैज्ञानिक ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

अनिल शर्मा, मंडी

प्रकृति ने हिमाचल की वादियों में सार्वभौमिक सुंदर रंग तो भरा ही है साथ में वनस्पति संपदा से भी खूब भंडारित किया है। हिमाचल की संपूर्ण धरा पर हर किस्म के पेड़ पौधों और औषधीय पौधे पाए जाते हैं। बता दें कि इनके इस्तेमाल से मनुष्य न केवल निरोग रह सकता है बल्कि दीर्घायु भी प्राप्त कर सकता है।

ऐसे ही औषधीय गुणों से भरपूर पेड़ पौधों के बारे में होस्ट एंकर सीरीज के दूसरे एपिसोड में होस्ट एंकर सेवानिवृत्त प्रवक्ता नीरज शर्मा की राजकीय वल्लभ कॉलेज मंडी की वनस्पति वैज्ञानिक डॉ. तारा सेन से खास बातचीत के कुछ अंश अनंत ज्ञान के प्रबुद्ध पाठकों के सामने प्रस्तुत कर रहे हैं। डॉ. तारा सेन ने बताया कि हमारे आसपास बहुत से ऐसे मैडिशियन प्लांट हैं, जिनके इस्तेमाल से हर तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है।

आयुर्वेद में सात ऐसे प्लांट हैं, जो हर तरह की बीमारी में काम आते हैं। गिलोय, एलोवेरा, मोरिंगा, कढ़ी पत्ता, आंवला, अश्वगंधा और ब्राह्मी आदि के उपयोग लगभग हर बीमारी में किया जाता है। यह कैंसर जैसे गंभीर रोग में भी लाभदायक होते हैं। दक्षिण भारत में हर तरह की रेसिपी में कढ़ी पत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। (अनंत ज्ञान)

वनस्पति वैज्ञानिक डॉ. तारा सेन से सेवानिवृत्त प्रवक्ता नीरज शर्मा की खास बातचीत।

बिच्छू बूटी का साग करता है खून साफ

हिमाचल के पहाड़ी क्षेत्रों में बिच्छू बूटी का साग बना कर उसे मक्की की रोटी के साथ खाया जाता है। बिच्छू बूटी खून साफ करने के साथ शरीर को गर्म रखती है। ऐसे ही छूई से कांटे लगाकर उसे आग में थोड़ा थोड़ा जलाए उसके बाद उसकी मिक्स सब्जी बनाकर उपयोग करें। छूई में जिंक, मैंगनीज आदि पाया जाता है, जो शरीर के लिए आवश्यक है। इसके साथ ही मोरिंगा की पत्तियों को सुखाकर उसे इस्तेमाल में लाया जा सकता है। इसमें कई प्रकार के तत्व शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

सरकार और बागवानी विभाग को इस दिशा में करना चाहिए काम

डॉ. तारा सेन ने कहा कि युवा पीढ़ी को औषधीय पौधे के इस्तेमाल और महत्व के बारे में बताया होगा, ताकि फास्ट फूड की जगह इनका इस्तेमाल कर अपने शरीर को स्वस्थ और सुंदर बना सके।

इसके साथ ही बहुत सी महिलाएं घर पर ही काम करना चाहती हैं। उनके लिए गांव में ही प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की दिशा में काम होना चाहिए। सरकार और बागवानी विभाग को इस दिशा में काम करना चाहिए, ताकि प्राकृतिक फल-फूलों का सही में इस्तेमाल किया जा सके।

नकली और कीटनाशक का प्रयोग है घातक

आज के समय में डाइट तो काफी ली जा रही है, लेकिन उसका पूरा लाभ शरीर को नहीं मिल पा रहा है, इसका बहुत बड़ा कारण है कीटनाशकों का उपयोग और नकली चीजों को इस्तेमाल करना। देशभर में दूध की जितनी खपत होती है, उसका उत्पादन उससे 6 गुना कम है। ऐसे में नकली दूध का बाजार में आना नई बात नहीं है। बहुत सी सब्जियों को हरा भरा रखने और जल्दी बड़ा करने तथा कीड़ों से बचाने के लिए घातक कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है, जो हमारे शरीर में जाते हैं, जिससे बीमारी होना स्वाभाविक है।

न्यूज ब्रीफ

खारसा मतदान केंद्र बनेगा महिला बूथ सभी मतदान कर्मी होंगी महिलाएं

जोगिंद्रनगर। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने कहा कि आगामी 1 जून को होने जा रहे आम लोकसभा चुनाव के दौरान जोगिंद्रनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र 120 खारसा को महिला बूथ बनाया जाएगा। मतदान के दौरान यहां सभी मतदान कर्मचारी केवल महिलाएं ही तैनात होंगी।उन्होंने बताया कि गत लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्र 120 खारसा में महज 8.75 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था, जो पूरे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम था। साथ ही बताया कि खारसा मतदान केंद्र में पुरूषों के मतदान प्रतिशत 10 के बजाए महिलाओं की भागीदारी महज 7.48 प्रतिशत दर्ज हुई थी। ऐसे में आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान खारसा बूथ को महिला बूथ बनाया जाएगा तथा यहां पर सभी मतदान कर्मी केवल महिलाएं ही तैनात होंगी। इसी विशेष मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आगामी 12 अप्रैल को लडभड़ोल तहसील के अंतर्गत मतदान केंद्र 26 बड़ा ठाणा, मतदान केंद्र 32 सनहाली, मतदान केंद्र 33 चुल्ला तथा 34 तुल्लाह में भी मतदाता जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

दो दिवसीय चित्रकला और साहित्यिक कार्यक्रम सुंदरनगर में 13 और 14 अप्रैल को

धनोटू। सुकेत साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद सुंदरनगर के सौजन्य से दो दिवसीय चित्रकला और साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन सुंदरनगर में पंचायत समिति सभागार में 13 अप्रैल और 14 अप्रैल को किया जा रहा है, जिसमें डॉक्टर ओपी महेंद्रू के चित्रों की बृहद प्रदर्शनी लगाई जाएगी। चित्र दीर्घा का उद्घाटन प्रातः 11 बजे डॉक्टर हरबंस लाल कपूर पूर्व अध्यक्ष कैंसर हॉस्पिटल तथा प्रधानाचार्य आईजीएमसी शिमला द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शनी में श्रोता चित्रकार से तरह-तरह के प्रश्न भी पूछ सकते हैं। यदि किसी दशक के थे पास या सदस्यों के पास उनके स्वयं द्वारा बनाए गए चित्र हो तो भी अपने चित्रों की उसे प्रदर्शनी में प्रदर्शन कर सकते हैं। अगला दिन साहित्य आयोजन का है जिसमें जिला कुल्लू, बिलासपुर, मंडी, सुंदर नगर के साहित्यकार भाग लेंगे।कार्यक्रम में पहाड़ी हिंदी संस्कृत अंग्रेजी पंजाबी आदि की बहू पठित रचनाएं प्रस्तुत की जाएगी।

आरक्षी पर जानलेवा हमला करने वाले चरस तस्कर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सुंदरनगर। पुलिस थाना सुंदरनगर के आरक्षी पर नाकाबंदी के दौरान चरस आरोपी द्वारा कार से टक्कर मार कर जानलेवा हमला करने के मामले में हत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज की गई है। गौरतलब है कि बीते कल पुलिस थाना सुंदरनगर की टीम ने किरतपुर-मनाली फोरलेन पर स्थित पुंघ में नाकाबंदी पर मौजूद थी। इसी दौरान एक कार नंबर एचपी-55सी-2049 सुंदरनगर से बिलासपुर जा रही थी। पुलिस टीम द्वारा कार को जांच के लिए रूकने का इशारा करने पर उसके चालक ने आरक्षी नितिश को कुचलने के बाद मौका से फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने पीछा करते हुए कार चालक को धर लिया। जब कार की तलाशी ली गई तो उसमें से 260 ग्राम चरस बरामद की गई थी। घायल पुलिसकर्मी को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी की शिनाख्त ऋत्विक ठाकुर(25) पुत्र अजय वर्मा निवासी गांव व डाकघर कश्मीर तहसील नादौन के रूप में हुई है।

एसडीएम ने नंदिनी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के प्रशिक्षुओं को दिलाई मतदान की शपथ

गोहर। नाचन विधानसभा क्षेत्र में 'मा भी पाणा वोट' अभियान के तहत एसडीएम गोहर की अध्यक्षता में नंदिनी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कनैड में 'स्वीप' टीम द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया गया। अभियान में नर्सिंग व आईटीआई के युवाओं को मतदान का महत्व समझाया गया। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में मतदान की क्या उपयोगिता है यह विस्तार से समझाया गया। एसडीएम गोहर ने बताया कि इस वर्ष लोकसभा चुनाव में नाचन में 81 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा गया है। जिसके लिए चुनाव विभाग और 'स्वीप' टीम मतदान प्रतिशत बढाने के लिए लगातार मतदाता जागरूक कार्यक्रम चलाए हुए है यह अभियान मतदान होने तक जारी रहेंगे। ऐसे कार्यक्रम सभी शिक्षण संस्थानों, एजुकेशन कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज व आईटीआई स्थानीय मेलों आदि में चलेंगे। मतदान की उपयोगिता को समझाने के लिए नंदिनी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के करण, पायल, संतोष व दूसरे होनहारों आदि द्वारा भाषण, नाटक, नृत्य, नाटी का आयोजन किया गया। अपने नाटक के माध्यम से नंदिनी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के बच्चों ने संदेश दिया गया कि बिना किसी लालच में आये उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करें और चुनाव प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लें।

देशभर में केवल हिमाचल में ही हैं स्कूल पब्लिक लाइब्रेरियां

प्रदेश में दो राज्य लाइब्रेरियां, 11 जिला व 5 तहसील, 5 ट्राइबल व 3 कम्युनिटी सेंटर पब्लिक लाइब्रेरियां

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी

पूरे देश में लगभग 47,000 पब्लिक लाइब्रेरियां हैं, जिनमें से हिमाचल प्रदेश में यह संख्या लगभग साढ़े नौ सौ है। केवल हिमाचल ही ऐसा राज्य है, जहां पर स्कूल पब्लिक लाइब्रेरियां स्थापित की गई हैं। यानी यहां पर विद्यार्थियों के अलावा आम पब्लिक के लोग भी लाइब्रेरी का उपयोग कर सकते हैं।

हालांकि प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1986 की एक अधिसूचना के अनुसार प्रदेश में हर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की लाईब्रेरियां पब्लिक के उपयोग के लिए भी घोषित किया हुआ है, लेकिन व्यावहारिक तौर पर इन लाइब्रेरियों के लिए भारत सरकार के राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन कलकत्ता पुस्तकें नहीं भेजी जाती हैं।

दोनों ही तरह की ऐसी स्कूल पब्लिक लाइब्रेरियां देश में अन्यत्र किसी भी राज्य में नहीं है। इन लाइब्रेरियों में कहीं भी लाइब्रेरी

प्रोफेशनल्ज की तैनाती नहीं है। इसके अलावा हिमाचल में दो राज्य पब्लिक लाईब्रेरियां, 11 जिला, 5 तहसील, 5 ट्राइबल व 3 कम्युनिटी सेंटर पब्लिक लाइब्रेरियां भी स्थापित हैं।

उल्लेखनीय है कि सोलन में एक राजकीय राज्य केंद्र लाईब्रेरी कार्यरत है जो कि प्रदेश में मुख्य लाइब्रेरी है। दूसरी राजकीय स्टेट लाइब्रेरी शिमला में स्थित है। इसके अलावा बिलासपुर, चंबा, धर्मशाला, रिकांगपिओ, कल्लू, केलांग, मंडी, ठियोग, नाहन, उना और हमीरपुर में एक-एक राजकीय जिला पब्लिक लाइब्रेरियां स्थापित की गई हैं।

यह भी बता दें कि शिमला जिला के रोहड़ू में, सिरमौर के ददाहू में, मंडी के चौंतड़ा में, सोलन के बासल में और चंबा के तीसा में पांच राजकीय कम्युनिटी सेंटर पब्लिक लाइब्रेरियां स्थापित हैं। इसी तरह से शिमला के रामपुर व कोटखाई में, मंडी के सरकाघाट में, सोलन के कंडाघाट और चंबा के सिंहुता में भी पांच राजकीय तहसील लाइब्रेरियां स्थापित की गई हैं। इसी प्रकार से लाहौल स्पिति जिला के काजा और चंबा के किलाड़ व भरमौर में तीन राजकीय ट्राईबल लाइब्रेरियां स्थापित की गई हैं।

इन कुल 26 पब्लिक लाइब्रेरियों में तो सभी जगह पर्याप्त प्रोफेशनल्ज़ तैनात किए गए हैं लेकिन घोषित सभी 917 स्कूल पब्लिक लाइब्रेरियों में से 915 में कहीं भी कोई प्रोफेशनल तैनात नहीं हैं। अन्य स्कूल लाइब्रेरियों में भी यही स्थिति है।

जिला वाइज घोषित स्कूल पब्लिक लाइब्रेरियों में मंडी जिला में 142, कांगड़ा में 166, शिमला में 137, ऊना में 75, बिलासपुर में 72, हमीरपुर में 70, चंबा में 65, सोलन में 58, सिरमौर में 58, कुल्लू में 35, किन्नौर में 20 और लाहौल स्पीति में 19 स्कूल पब्लिक लाइब्रेरियां स्थापित की गई है। इनमें कहीं भी लाइब्रेरी प्रोफेशनल तैनात नहीं हैं। यह कार्य किसी अध्यापक के जिम्मे दिया गया है। (अनंत ज्ञान)

विश्व मानव रूहानी केंद्र ने माध्यमिक पाठशाला मझवाड़ में बांटे कॉपी और बस्ते

मंडी। विश्व मानव रूहानी केंद्र (गैर-लाभकारी चैरिटेबल सोसायटी) द्वारा बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मझवाड़ में कॉपी, बस्ते और जूते बांटे। यह सोसायटी सन् 2005 से मानवता की सेवा में सेवारत है। विश्व मानव रूहानी केंद्र संस्था के द्वारा चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्र और समाज की सेवाओं के लिए धर्मार्थ सामाजिक सेवा कार्यक्रमों के तहत सक्रिय रहकर छात्राओं, अनाथों, बीमारों और बुजुर्गों की सदैव सहायता की जाती है। विश्व मानव रूहानी केन्द्र सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़े प्रेम, सम्मान व उत्साह से सेवा की है। विश्व मानव कहानी केंद्र के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के समाज सेवा कार्यों का आयोजन इस संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। और आगे भी विश्व मानव रूहानी केंद्र समाज सेवा के ऐसे जनकल्याण कार्यों में सहयोग जारी रखेगा।

तूफान व बारिश के कारण 2 लाख का नुकसान

जोगिंद्रनगर। भारी तूफान व बारिश के कारण जोगिंद्रनगर मेला मैदान में बुधवार को कारोबारियों की अस्थाई रूप से बनाई गई दुकानों की छतों के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। सामान के बर्बाद होने के कारण व्यापारियों में निराशा का माहौल है। मुजफ्फरनगर से आए देवेंदर पाल ने बताया कि अचानक आए तूफान से दुकानों की लोहे की चादरें उड़ गई और बाल बाल उनकी जान बची, लेकिन तूफान व बारिश इतनी तेज थी कि वह जब तक अपने सामान को समेटते तब तक उनका करीब 2 लाख रुपए का सामान बर्बाद हो गया था। भारी तूफान के कारण अन्य व्यापारियों को भी इससे नुकसान उठाना पड़ा है।

सांप सीढ़ी, म्यूजिकल चेयर के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति किया जागरूक

सरकाघाट। सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के तहत मतदान केंद्र थाना में बुधवार को सरकाघाट स्वीप टीम द्वारा चलाए गए कार्यक्रम में सांप सीढ़ी, म्यूजिकल चेयर जैसी खेल गतिविधियों के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर स्थानीय महिलों, युवाओं और अन्य लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। स्वीप टीम द्वारा सेल्फी पॉइंट और साक्षरता अभियान के माध्यम से भी लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। सहायक निर्वाचन अधिकारी व एसडीएम सरकाघाट स्वाति डोगरा ने इस अवसर पर बताया कि सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छूटे हुए मतदाताओं का विशेष नामांकन अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में पंजीकृत मतदाता भी अपना और अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की पुष्टि भी अवश्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान मतदाता सूचियों में कोई भी अपना नाम दर्ज होने की पुष्टि विभाग की वेबसाइट में भी कर सकता है।

मंडी-द्रूघ वाया बह बस सेवा को पुराने रूट पर किया जाए बहाल

कविता, पधर

उपमंडल पधर की बड़ागांव पदवाहन वाया बह सड़क पर भलुई के पास गिरे डंगे से सड़क संगरी होने से बड़ी गाड़ियों की आवाजाही बंद हो गई थी, लेकिन अब उक्त स्थान पर डंगे का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से अब बड़ी गाड़ियों की आवाजाही जारी हो गई है।

ग्राम पंचायत बह के प्रधान पीर सहाय ठाकुर ने बताया कि भलुई के पास सड़क पर डंगे का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। जिस कारण मंडी-द्रूघ वाया बह सड़क पर चलने वाली बस अब पुराने रूट पर जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुद्रिका बस भी परोटा नहीं पहुंच पाती थी, लेकिन अब दोनों बसे पुराने रूट पर चल सकती है। इसकी जानकारी पथ परिवहन विभाग मंडी को भी दे दी है। उन्होंने विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि उक्त बस सेवा को शीघ्रता से पुराने रूट पर भाल किया जाए।

बहुविषयक संकाय विकास कार्यक्रम शुरू

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

रविंद्र नाथ टैगोर राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट में पर्यटन एवं यात्रा तथा वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक सप्ताह का बहुविषयक संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

यह एफडीपी 'डिजिटल युग में नवीन शिक्षण पद्धतियों और विधियों' पर आधारित है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से ऑनलाइन माध्यम के द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आरआर कौंडल ने की जिन्होंने मुख्यातिथि, सभी रिसोर्स पर्सन, शिक्षकों तथा शोधकर्ताओं का इस कार्यक्रम में जुड़ने के लिए आभार प्रकट किया।

इस कार्यक्रम से शिक्षक नई तकनीक का शिक्षा में प्रयोग करना और ऑनलाइन शिक्षा को प्रभावी बनाने के बारे में सीखेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अरुण शर्मा ने इस एफडीपी के रिसॉर्स पर्सन, प्रतिभागियों तथा सात दिनों में होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी।

नगर निगम मंडी में शुरू होगा रि सर्वे

डोर-टू-डोर जाकर चेक होगी कूड़े की पर्ची

पुष्पराज, मंडी

मंडी शहर के सुकेती पुल के दोनों छोरों से नीचे अगर देखे तो कूड़ा सुकेती खड्ड में इस कदर पसरा हुआ है कि जैसे कूड़े की डंपिंग साईट हो। कुछ दिन पहले ही एनएसएस वालंटियर्स द्वारा सुकेती पुल के नीचे से सफाई कि थी, लेकिन मेले के दौरान लोगों ने भारी तादात में इस जगह पर अब कूड़ा फेंक दिया है जिससे शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है।

बुधवार को नगर निगम के महापौर वीरेंद्र भट्ट शर्मा ने जब मौके पर जाकर देखा तो हैरान हो गए। उन्होंने कहा कि यह बात चिंताजनक है कि सफाईकर्मी रोज हर घर, गली चौराहे और हर दुकान से कूड़ा

सुकेती पुल के छोर पर आईटीआई के पास बने कूड़े की डंपिंग साइट जैसे हालात।

रोजाना एकत्रित करते है, लेकिन इसके बावजूद भी लोग खड्डों और नालों में कूड़ा फेंकते है। उन्होंने बताया कि उक्त स्थान के आस-पास के लोगों को चेतावनी दे दी गई है कि आगे से यदि यहां पर कूड़ा पाया गया तो आसपास के लोगों और दुकानदारों की ही जिम्मेदारी रहेगे।

नगर निगम द्वारा फिर से शहर में सर्वे करवाए जाएंगे और जो दुकानदार या किराएदार और मकान मालिक के पास कुड़े की पर्ची नहीं होगी तो उनके चालान काटे जाएंगे।

पड्डुल मैदान खाली होते ही 2 दिन में बनेगा खेलने योग्य

मंडी। पड्डुल मैदान में चल रहा अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेला खत्म हो गया हैं और मैदान में इक्का दुक्का व्यापारियों को छोड़कर सभी व्यापारी अब दूसरे स्थानों का रुख कर चुके हैं। बुधवार को पड्डुल मैदान से सभी व्यापारियों ने अपना सामान समेट लिया है हालांकि प्रशासन ने भी 10 अप्रैल तक मैदान को पूरी तरह से खाली करने के निर्देश जारी किए थे। एसडीएम सदर ओमकांत ठाकुर ने कहा कि पड्डुल मैदान को 10 अप्रैल तक खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद प्रशासन की ओर से दो दिनों के भीतर मैदान को खेलने योग्य बनाया जाएगा।

प्रशिक्षण शिविर : माइक्रो ऑब्जर्वरों को बताई घर पर वोट डालने की प्रक्रिया

मंडी। दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक की आयु के मतदाताओं को उनके घर जाकर मतदान करवाने की देखरेख करने वाले माइक्रो ऑब्जर्वरों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के नियमों की जानकारी प्रदान करने के लिए बिपाशा सदन मंडी में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में केंद्र सरकार के 170 कर्मचारियों ने भाग लिया। बता दें कि यह माइक्रो आब्जर्वर घर पर किए जाने वाले मतदान के दौरान पर्यवेक्षक के तौर पर उपस्थित रहेंगे। मंगलवार को विपाशा सदन में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में मोबाइल पोलिंग पार्टियों में नियुक्त होने वाले 310 मतदान कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया था। मोबाइल पार्टियां 21 मई से लेकर 29 मई तक दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक की आयु के मतदाताओं को उनके घर पर जाकर उनसे मतदान करवाएंगी। इस पूरी प्रक्रिया दौरान माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात रहेंगे। नायब तहसीलदार राजेश जोशी और हरनाम सिंह ने माइक्रो आब्जर्वर को घर पर वोट डालने की प्रक्रिया बताई। उन्होंने पर्यवेक्षकों से आग्रह किया कि वह चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार मतदान प्रक्रिया को संपन्न करवाएं।

यशपाल व भादर सिंह भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के मंडल संयोजक नियुक्त

सुंदरनगर। भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ जिला सुंदरनगर के अध्यक्ष नीलकमल ने अपनी कार्यकारिणी और पांचों मंडलों के संयोजक और सह संयोजकों की नियुक्ति की है। उन्होंने जिला कार्यकारिणी में नाचन से लालमन, हीरालाल, राजकुमार, सुंदरनगर से गोविंद, सरकाघाट से उषा वर्मा, करसोग से मनीराम, धर्मपुर से रणजीत सिंह ठाकुर व मुरारी लाल ठाकुर को नियुक्त किया है। इसके साथ ही मंडल सुंदरनगर से यशपाल को संयोजक, कांता व उर्मिला को, करसोग से भादर सिंह को संयोजक, दीवान चंद व देवेंद्र कुमार को सह संयोजक, सरकाघाट से ज्ञान चंद को संयोजक, जोगिंद्र सिंह व सुनील कुमार को सह संयोजक, नाचन से मुनीष को संयोजक, प्रिया जसवाल व बिहारी लाल राणा को सह संयोजक तथा धर्मपुर से राकेश कुमार को संयोजक, रणजीत सिंह व राजेंद्र कुमार को सह संयोजक नियुक्त किया है। जिला अध्यक्ष नीलकमल ने बताया कि सभी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

सहकार से समृद्धि और विकास का लक्ष्य हासिल करेगा धर्मपुर एफपीओ

सरकाघाट। धर्मपुर किसान उत्पादक सहकारी सभा का वार्षिक अधिवेशन अंबेडकर भवन सजाओपीपलू में आयोजित किया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के निदेशक प्रियव्रत शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। कृषि व वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञ तथा शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉक्टर ओपी सिंह ने भी इस अधिवेशन में बतौर मुख्य स्रोत व्यक्ति भाग लिया। मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम एफपीओ द्वारा कृषि उपकरण, बीज, खाद व कीटनाशक दवाओं के बिक्री केंद्र का रिबन काट कर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को लेकर एक दूसरे का हाथ थाम कर ग्रामीण विकास को सुदृढ़ करना ही इस योजना का लक्ष्य है और धर्मपुर में पिछले एक साल में इस दिशा में सराहनीय प्रयास हुआ है और सभी प्रकार के लोग एक छतरी के नीचे इकट्ठा हो रहे हैं जो बहुत ही सराहनीय कदम है। उन्होंने इस एफ़पीओ को अपनी ओर से पूर्ण सहयोग देने का भी आश्वाशन दिया। उन्होंने बताया कि पिछले चार महीनों में सजाओ के अलावा टिहरा, संधोल, धर्मपुर, बरोटी-मण्डप सहित सभी क्षेत्रों में इसकी सदस्यता 556 हुई है जिनमें 222 सदस्य महिलाएं हैं।

अनदेखी

जंगल में घर-खेत बनाए, मगर विस्थापित परिवारों के नाम नहीं अब तक कब्जा की गई जमीन

पंडोह डैम विस्थापितों को 58 साल बाद भी नहीं मिली भूमि

अनंत ज्ञान, पंडोह

देश का गौरव पंडोह डैम बीबीएमबी के लिए कुबेर से कम नहीं है। मगर इस डैम के मुख्य निर्माता, भूमि देने वाले विस्थापित परिवार आज 58 वर्ष गुजरने के बाद भी भूमिहीन व आवासहीन होने का दंश झेलने को विवश हैं। इनकी कोई सुध नहीं ले रहा है। न ही तो राज्य सरकारें और न ही केंद्र सरकार विस्थापितों की समस्याओं का समाधान कर पाई हैं। यह कहना है पंडोह डैम विस्थापित कल्याण समिति के संस्थापक प्रधान बीआर भाटिया का।

उन्होंने कहा कि पंडोह में लगभग 450 विस्थापित परिवारों में से मात्र 40 प्रतिशत परिवारों को भूमि के बदले में नौतोड़ भूमि मिली है। ये वे लोग थे जो आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से जागरूक थे, जबकि 60 प्रतिशत विस्थापित परिवारों को भूमि के बदले भूमि नहीं मिली है, जिनमें 90 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय और 10 प्रतिशत सामान्य वर्ग के निर्धन परिवार हैं।

इन विस्थापित परिवारों ने तत्कालीन सरकार के आदेशानुसार जंगल की भूमि में घर बनाए, खेत बनाए, मगर कब्जा की गई भूमि आज दिन तक इन विस्थापित परिवारों के नाम नहीं हो सकी है।

ऐसे परिवार पंडोह क्षेत्र की ग्राम पंचायत तांदी के सावला और बाखली गांव में, पंडोह के धड़ोल में, मैग्जीन में, सयोग पंचायत के जरल व तरयाम्बला गांव में, जागर पंचायत के जागर और बास्ता गांव में, हटौण पंचायत के डयोड़ और सयोल गांव में बसे हुए हैं। इन विस्थापित परिवारों ने पिछले 43 वर्षों से 5 बीघा से कम भूमि पर कब्जा किया है।

जो मांगें पूरी करेगी, उसी पार्टी को मिलेगा वोट

बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री राजा वीरभद्र सिंह ने इस मामले में एक काम किया था कि जिन विस्थापितों के नाम भूमि नहीं है उनके कागजात ले लिए और उन्हें जमीन देने का आश्वासन दिया था।

ये फाइलें आज भी डीसी ऑफिस मंडी के कार्यालय में धूल फांक रही हैं। पंडोह डैम विस्थापित कल्याण समिति ने निर्णय लिया है कि लोकसभा के उसी उम्मीदवार अथवा पार्टी का समर्थन किया जाएगा, जो उनकी मांग का समर्थन और मांग पूरी करने की गारंटी देंगे।

रेलवे क्रॉसिंग मरम्मत कार्य की सूचना न देने पर जिला प्रशासन का सख्त रुख

नंगल बांध प्रबंधन को लिखा पत्र, कहा-भविष्य में सूचना देना करें सुनिश्चित

अनंत ज्ञान, ऊना

- कहा-पहले बताते तो कर देते वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था
- लोगों को नहीं करना पड़ता मुश्किलों का सामना

ऊना जिला प्रशासन ने उत्तर रेलवे (नंगल बांध) प्रबंधन द्वारा ऊना रेलवे क्रॉसिंग पर किए जा रहे मरम्मत कार्य के संबंध में जिला प्रशासन को पूर्व सूचना न देने के मामले को गंभीरता से लिया है। बता दें कि बुधवार को ऊना रेलवे क्रॉसिंग मरम्मत कार्य के चलते अजनोली फाटक बंद रहा, लेकिन इसे लेकर रेलवे प्रबंधन की ओर से कोई पूर्व जानकारी नहीं दी गई थी।

सूचना के अभाव में यातायात प्रबंधन में मुश्किल के साथ ही जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। अतिरिक्त उपायुक्त ऊना महेंद्र पाल गुर्जर ने इस संबंध में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/वर्क्स उत्तर रेलवे (नंगल बांध) को पत्र लिखकर अपनी चिंता जाहिर की है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि ऊना रेलवे क्रॉसिंग पर मरम्मत कार्य के चलते बुधवार को रेलवे फाटक बंद रखने को लेकर उत्तर रेलवे (नंगल बांध) की ओर से उपायुक्त कार्यालय को कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। सूचना के अभाव में समय पर वैकल्पिक यातायात योजना की व्यवस्था नहीं की जा सकी, जिससे आम जनता को असुविधा हुई और यातायात के सुचारु प्रवाह में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

उन्होंने उत्तर रेलवे (नंगल बांध) के सीनियर सेक्शन इंजीनियर/वर्क्स को भविष्य में जिले में रेलवे से जुड़े सभी मरम्मत कार्यों के बारे में उपायुक्त कार्यालय को पूर्व सूचना देना सुनिश्चित बनाने को कहा है, ताकि समय रहते यातायात प्रबंधन के लिए उचित व्यवस्था बनाई जा सके, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि जनता को इसकी पर्याप्त जानकारी मिले, जिससे जन असुविधा और संभावित सुरक्षा खतरों को टाला जा सके।

उन्होंने कहा कि रेल नेटवर्क के सुरक्षित व सुचारु संचालन के लिए रेलवे लाइंस का रखरखाव बेहद जरूरी है, लेकिन इन कार्यों के सुचारु कार्यान्वयन के लिए सभी पक्षों को समय रहते जानकारी तथा बेहतर तालमेल महत्वपूर्ण है। एडीसी ने कहा कि आगे से जिला के भीतर रेलवे के भविष्य में होने वाले किसी भी मरम्मत कार्यों की सूचना प्रशासन के साथ साझा करना सुनिश्चित करें, ताकि यातायात के लिए वैकल्पिक रूट की योजना बनाई जा सके और लोगों को मुश्किलों का सामना न करना पड़े।

खुरालगढ़ साहिब में आज से अमृत धारा प्रकट दिवस : संत दास

ऊना। बाथड़ी से सटे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री गुरु रविदास ऐतिहासिक चरण छोह गंगा अमृत कुंड खुरालगढ़ साहिब में धार्मिक समारोह आयोजित होगा। प्रधान संत सुरिंद्र दास महाराज ने कहा कि चरण छोह गंगा का इतिहास श्री गुरु रविदास महाराज से जुड़ा हुआ है। गुरु महाराज की शक्ति द्वारा

जहां पर लोगों की मांग पर पानी की समस्या को दूर किया गया था।

प्राचीन समय से लेकर आज दिन तक जहां गंगा रूपी अमृत धारा निरंतर चल रही है। खुरालगढ़ साहिब में कई धार्मिक आयोजनों को मनाया जाता है, जिसमें देश-विदेश सहित विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु नतमस्तक होने के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि चरण छोह गंगा खुरालगढ़ साहिब में हर साल 11 से 15 अप्रैल तक महात्मा ज्योतिवा फुले, अमृत धारा प्रकट दिवस, डॉ. भीमराव अंबेडकर जन्मदिवस दिवस को हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इसमें विभिन्न राज्यों सहित देश-विदेश के श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं तथा चरण छोह गंगा में स्नान कर अपने आप को धन्य मानते हैं।

द्रोण शिव मंदिर शिवबाड़ी में शिव वाटिका भक्तों को करेगी मंत्रमुग्ध

शिव मंदिर शिवबाड़ी में विकसित की जा रही शिव वाटिका।

सन्नी पुरी, गगरेट

सुप्रसिद्ध द्रोण शिव मंदिर शिवबाड़ी अंबोटा अपने धार्मिक महत्व के साथ-साथ यहां की सुंदरता के लिए भी जाना जाएगा। मंदिर प्रशासन मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ-साथ इसके नैसर्गिक सौंदर्य को बढ़ाने के लिए भी जुट गया है। चारों ओर से घने जंगल से घिरे शिव मंदिर के साथ मंदिर प्रशासन ने एक फुलवारी को विकसित करने की कदमताल शुरू की है।

मंदिर से वापस जाने के लिए विकसित किए जा रहे रास्ते के साथ-साथ इस फुलवारी को विकसित किया जा रहा है, जो शिव भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। वैसे तो द्रोण शिव मंदिर शिवबाड़ी को प्रकृति ने अपनी सुंदरता से ऐसा सहेजा है कि जो भी यहां आता है, वह यहां के नैसर्गिक सौंदर्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता है। बेशक अभी तक मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए अभी तक कोई खास प्रयास नहीं हो पाए, लेकिन मंदिर प्रशासन शिव मंदिर को संवारने के लिए अब गंभीर नजर आ रहा है। मंदिर के मुख्य गुंबद को भी अब बेहतरीन रूप देने के प्रयास जारी हैं, तो मंदिर से वापस जाने वाले श्रद्धालु सीधे मंदिर के साथ सटे मुख्य मैदान तक पहुंच सकें, इसके लिए एक रास्ता विकसित किया जा रहा है।

20 व 21 अप्रैल को सुप्रसिद्ध शिवबाड़ी मेले का आयोजन होगा, तो इस मेले में शिरकत करने वाले यहां के बदले रूप को देखकर आश्चर्यचकित जरूर होंगे। यही नहीं बल्कि अगर मंदिर प्रशासन के प्रयास फलीभूत हुए तो धार्मिक पर्यटन का यह मंदिर आने वाले दिनों में मुख्य केंद्र बनेगा। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

बाबा बाल जी महाराज आज मुबारिकपुर में

मुबारिकपुर। बाबा बाल जी महाराज 11 अप्रैल को मुबारिकपुर के ठाकुरद्वारा मंदिर में धार्मिक समारोह में उपस्थित होंगे। ठाकुरद्वारा मंदिर में 11 अप्रैल को राष्ट्रीय संत बाबा बालाजी महाराज प्रवचन भी करेंगे। यह जानकारी मंदिर कमेटी के प्रधान करण ठाकुर ने दी।

रंगोली से मतदाताओं को किया जागरूक

बंगाणा। क्षेत्र के धुंदला वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वीप के तहत सुंदर रंगोली बनाकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल, स्टाफ के साथ छात्र।

अमलैहड़-चिंतपूर्णी सड़क निर्माण का कार्य लटका

चिंतपूर्णी मंदिर न्यास के सड़क निर्माण के लिए हैं 5.92 करोड़ रुपए स्वीकृत

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा

अमलेहड़-चिंतपूर्णी सड़क का कच्चा रास्ता जो कि लोगों की मुश्किलों का कारण बना हुआ है।

- लोगों ने लगाई 3 किलोमीटर सड़क के कार्य को जल्द करवाने की गुहार

जहां 35 सालों तक अमलैहड़ से चिंतपूर्णी जाने का रास्ता वन संरक्षण अधिनियम और वन अधिकार कानून ने अंतर्गत बंद था और सालों के बाद केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद अमलैहड़ से चिंतपूर्णी सड़क के निर्माण का रास्ता साफ हो गया, साथ ही इस सड़क का काम 2022-23 में बुलंदियों से शुरू हुआ था।

बता दें कि अमलैहड़-दलवाड़ी-चिंतपूर्णी मार्ग में केवल अमलैहड़ से दलवाड़ी तक का रास्ता ही बनना था, जो लगभग 10 किलोमीटर है, लेकिन इतना समय बीत जाने के बाबजूद भी इस सड़क का कार्य अभी तक पूरा नही हुआ है। सड़क निर्माण पूरा न होने से गगरेट ओर चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के लोगों में काफी रोष है, क्योंकि इस रास्ते से आवाजाही काफी धीमी गति से हो रही है और बारिश के बाद इस सड़क की स्थिति बेहद ही खराब होती है। इस सड़क में केवल 3 किलोमीटर सड़क का निर्माण होना बाकी है। अगर यह कहा जाए कि पैसे की कमी के कारण सड़क कार्य बंद है तो यह बिलकुल गलत है।

बता दें कि राज्य सरकार के साथ साथ मंदिर न्यास चिंतपूर्णी द्वारा इस सड़क के लिए 5.92 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसमें मंदिर न्यास ने 4.38 करोड़ रुपए की धनराशि लोक निर्माण विभाग को दे दी है। लगभग 200 पेड़ों की कटाई के बाद और पर्यावरण को हानि पहुंचाने के बाद सड़क कार्य शुरू हुआ, लेकिन पर्यावरण के इस नुकसान की भरपाई तब होती, अगर इस सड़क का कार्य अभी तक पूरा हो गया होता। इस मौके पर स्थानीय निवासी विक्की शर्मा, नरेश, सूर्यश, राज, शिवकुमार आदि लोगों ने इस सड़क के शेष निर्माण को जल्द करवाने के लिए कहा।

अगर इस सड़क का निर्माण पूरा हो जाता है तो क्षेत्र वासियों की मुश्किलों का काफी हद तक निपटान हो जाएगा। इस पर लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता विजय कुमार ने बताया कि जल्द ही सड़क का शेष कार्य पूरा कर दिया जाएगा ।

उपचुनाव के लिए टिकट के ऐलान से पहले उद्योगमंत्री जुटाएंगे फीडबैक

अनंत ज्ञान, गगरेट

सरकार बचाने के साथ-साथ कांग्रेस की साख बचाने के लिए विधानसभा उपचुनाव में उतर रही कांग्रेस विधानसभा क्षेत्र गगरेट में टिकट आवंटन से पहले विरोध के हर स्वर को दबाने के लिए सभी तरीके आजमा रही है। जीत की क्षमता रखने वाले प्रत्याशी को मैदान में उतारने के साथ संगठन में भी एकजुटता रखने के उद्देश्य से अब विधानसभा उपचुनाव के लिए तैनात किए गए प्रभारी उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान आज बूथ स्तर के पदाधिकारियों से साथ बैठक कर उपचुनाव के लिए फीडबैक जुटाएंगे। उनके साथ बैठक में सह प्रभारी तैनात किए गए इंदौरा के विधायक मलिंद्र राजन व चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन बबलू भी उपस्थित रहेंगे।

विस उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने भी अपने स्तर पर सर्वे करवाया है। सर्वे में सबसे ऊपर आने वाले पर ही दांव खेल कर पार्टी खुद को मजबूत स्थिति में दिखाना चाहती है। हालात यह हैं कि एक तरफ सर्वेक्षण है तो दूसरी तरफ दूसरी पंक्ति के नेता भी टिकट पाने के लिए जुगत भिड़ा रहे हैं। यही वजह है कि टिकट पाने के इच्छुक कुछ संभावित प्रत्याशी एक बैनर तले एकत्रित होकर अब यह मांग करने लगे हैं कि पार्टी हाईकमान उनमें से किसी एक को प्रत्याशी बनाए। इस स्थिति से निपटने के लिए पार्टी हाईकमान असहज स्थितियां पैदा होने से पहले ही ऐसा फार्मूला ढूंढना चाहती है जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

इससे पहले ज्वालाजी के विधायक संजय रत्न व चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू भी ब्लाक कांग्रेस के साथ बैठक कर कार्यकर्ताओं की फीडबैक लेकर इसे पार्टी हाईकमान से अवगत करवा चुके हैं। ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कंवर के अनुसार वीरवार सुबह साढ़े दस बजे होटल हैवन हाइट में यह बैठक आरंभ होगी। इस बैठक के लिए ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों, बूथ प्रधानों, विलेज कांग्रेस कमेटियों के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों को भी बैठक में शामिल होने का निमंत्रण है, ताकि कांग्रेस प्रत्याशी का चयन हो सके।

चिंतपूर्णी भाजपा एससी मोर्चा ने लोकसभा चुनाव को लेकर बनाई अपनी रणनीति

अनंत ज्ञान, अंब

मंच पर पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर, जिलाध्यक्ष बलबीर चौधरी, मंडलाध्यक्ष रविंद्र दुवेदी व अन्य।

भाजपा मंडल चिंतपूर्णी एससी मोर्चा सम्मेलन में लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाई गई। भाजपा चिंतपूर्णी मंडल के एससी मोर्चा अध्यक्ष मास्टर शेर सिंह की अध्यक्षता में एससी मोर्चा का सफलतापूर्वक सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में देश की हालत खराब हुई है और आजादी से लेकर इतने सालों में भारत दूसरे देशों के मुकाबले अभी भी विकासशील है।

हमें अब मोदी के विजन में भारत को 2047 तक विकसित देश बनाना है, अगर हम प्रगति के रास्ते पर अग्रसर हैं, तो इसका श्रेय भाजपा सरकारों और विशेष रूप से मोदी सरकार को जाता है। अब हमें सबको मिलकर मोदी के हाथ मजबूत करने हैं और भारत को विकसित करने के लिए आगे बढ़कर अपना योगदान देना है।

पूर्व विधायक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष बलवीर चौधरी ने कहा कि चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र में हम सब मिलकर आने वाले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर चुनेंगे तथा हमीरपुर स्वास्थ्य क्षेत्र से अनुराग ठाकुर को जिताकर दिल्ली भेजेंगे। भाजपा के लक्ष्य 400 पार को निश्चित रूप से हांसिल करेंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रविंद्र द्विवेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष ठाकुर कुलदीप सिंह, महामंत्री कुलदीप सिंह ठाकुर, जिला महामंत्री श्याम मन्हास, जिला एससी मोर्चा अध्यक्ष सुभाष, जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष बशीर मोहम्मद, महिला मोर्चा अध्यक्षा अनीता धीमान, बीडीसी अध्यक्ष सुनीता धीमान, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नर्मदा जस्वाल, नगर पंचायत अध्यक्षा इंदू धीमान, दर्शना एससी मोर्चा महामंत्री रामपाल, एडवोकेट हरदीप जस्सल, विजय शर्मा, प्रदेश सोशल मीडिया कार्यकारिणी सदस्य स्पर्श शर्मा, सोशल मीडिया प्रभारी संजीव कुमार एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग के उड़नदस्ते ने अभयपुर में जब्त की सोलर लाइटें

अनंत ज्ञान, गगरेट

मतदान को प्रभावित करने के लिए आदर्श चुनाव आचार संहिता के तहत किसी भी प्रकार का सामान वितरित करने पर चुनाव आयोग द्वारा लगाई गई रोक के बावजूद विधानसभा क्षेत्र गगरेट में सोलर लाइट का वितरण बदस्तूर जारी है। चुनाव आयोग के उड़नदस्ते द्वारा कैलाश नगर में सोलर लाइट पोल व बैंच जब्त करने के बाद अब अभयपुर में एक घर से सोलर लाइट बरामद की गई है। सोलर लाइट के पोल भगवे रंग के हैं, ऐसे में यह एक राजनीतिक दल से संबंधित माने जा रहे हैं। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद हिमाचल प्रदेश में विधानसभा क्षेत्र गगरेट निशुल्क सामान वितरित करने का ऐसा सेंटर बना है कि चुनाव आयोग के उड़नदस्ते की लगातार यह तीसरी कार्रवाई है।

बेशक हिमाचल प्रदेश में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा उपचुनाव के लिए चार मई को अधिसूचना जारी होनी है, लेकिन इससे पहले ही गगरेट क्षेत्र के लोग इतने सजग हो गए हैं कि जरा सी हरकत होने पर भी इसकी तत्काल शिकायत कर रहे हैं। वीरवार को अभयपुर में एक घर में सोलर लाइट पड़े होने की सूचना किसी व्यक्ति ने गगरेट पुलिस को दी। इस पर पुलिस ने इसकी सूचना तत्काल चुनाव आयोग के उड़नदस्ते को दी। चुनाव आयोग के उड़नदस्ते ने जब उक्त घर में जाकर पड़ताल की तो वहां पर भगवे रंग के सोलर लाइट के पोल, लाइट व सोलर पैनल बरामद हुए।

बताया जा रहा है कि जिस घर से ये सोलर लाइट बरामद की गई हैं उसके मालिक के अनुसार वह इन लाइटों को तैयार कर एक राजनीतिक दल के प्रत्याशी की सामाजिक संस्था को देता है। समाचार लिखे जाने तक 52 सोलर लाइटों की गिनती की जा चुकी थी। एआरओ एवं एसडीएम सौमिल गौतम ने बताया कि पुलिस की इनपुट पर यह कार्रवाई की है।

स्वस्थ जीवन के लिए किया प्रेरित

अनंत ज्ञान, ऊना

विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित शिविर में मौजूद आयोजक और प्रतिभागी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सूचना शिक्षा एवं संप्रेषण प्रभाग द्वारा कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से शिविर लगाया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार वर्मा के दिशा निर्देशानुसार विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिक्षा एवं सूचना अधिकारी शारदा सारस्वत ने बताया कि यह दिवस प्रति वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'मेरा स्वास्थ्य-मेरा अधिकार है' के बारे में चर्चा की गई कि स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार, सुरक्षित पेयजल, स्वस्थ वातावरण, व्यायाम, योग, धूम्रपान व शराब के सेवन से बचाव और पर्याप्त नींद अति आवश्यक है। जिला स्वास्थ्य शिक्षक गोपाल कृष्ण ने बताया कि स्वास्थ्य मनुष्य समाज का आधार स्तंभ है। यदि हमारा स्वास्थ्य ठीक नहीं तो पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान भी कोई उपकार नहीं कर सकता है। इसके विपरीत यदि स्वास्थ्य ठीक है तो व्यक्ति कठिन से कठिन व विपरीत परिस्थितियों में भी जीवन पथ पर उत्साहपूर्वक आगे बढ़ता रहता है।

उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य जन समुदाय को तंदरुस्त रहने के लिए जागरूक करना है। बीसीसी को-ऑर्डिनेटर कंचन माला ने बताया कि स्वास्थ्य व्यक्ति की वह स्थिति है, जिससे शरीर और मन सक्रिय होकर सभी कार्य करते हैं। स्वस्थ मनुष्य ही सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह कुशलतापूर्वक कर सकता है।

इस अवसर पर अवसर कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों के बीच में भाषण वनारा लेखन प्रतियोगिता भी करवाई गई। इसमें सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कौशल एवं उद्यमिता विकास संस्थान के प्रिंसिपल प्रभजोत सहित समस्त स्टाफ व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

राज्य सरकार की उलटी गिनती हो गई है शुरू : देवेंद्र भुट्टो

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विस क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी एवं कुटलैहड़ से पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने लठियानी बुधान, धयुंगली आदि पंचायतों में जन संपर्क अभियान के तहत केंद्र सरकार के दस वर्ष की योजनाओं का बखान किया और भाजपा के लिए समर्थन मांगा।

कार्यक्रम में मंच पर कई सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी एव गणमान्य लोगों ने भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र कुमार भुट्टो के राजनीतिक सफर पर प्रकाश डाला और उन्हे समाजसेवी का दर्जा दिया।

उनका कहना था कि भुट्टो जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर देवेंद्र भुट्टो ने कहा कि हमने जो किया है, कुटलैहड़ की जनता के लिए किया है। 14 माह के कार्यकाल में सौ बार योजनाओं का एस्टीमेट बनाकर सीएम को दिए, लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। सरकार के पास न कोई बिजन न कोई नीति न ही विकास का कोई एजेंडा है। केवल केंद्र सरकार को कोसना और नित नए नए बयान देकर राज्य सरकार केवल जनता की नजरों में बचने का प्रयास कर रही है, जिसकी उलटी गिनती शुरू हो गई है।

इस अवसर पर राजेंद्र मलांगड़, विजय मलांगड़, अभय राणा, अरुण मनकोटिया, तिलक राज बांटा, मदन गोपाल बोहरा, सुभाष बोहरा, अजय पाठक, रानू राम, दलजीत शर्मा के अलावा सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र भुट्टो के साथ समर्थक।

कार्यक्रम स्वीप टीमें लोगों को मतदान को लेकर कर रहीं हर जगह जागरूक

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया मतदान का महत्व

अनंत ज्ञान, बंगाणा

पीपलू पंचायत में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान को लेकर जागरूकता संदेश देती टीम।

ऊना जिले में चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से स्वीप टीमें प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी जतिन लाल के निर्देशानुसार ये टीमें रोचकता व मनोरंजन से भरपूर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य कर रही हैं।

इसी कड़ी में मंगलवार को उपमंडल बंगाणा के पीपलू पंचायत और सियानी पंचायत के डोलू में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वीप के नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सिकंदर नेगी के नेतृत्व में आईआरबीएन बनगढ़ के एकलव्य कलामंच ने पीपलू पंचायत और सरियाल पंचायत के डोलू में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मताधिकार के प्रयोग के बारे में जागरूक किया। उन्होंने सभी मतदाताओं से चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान करने को कहा, साथ ही भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने इस नाटक के माध्यम से एक जागरूक नागरिक होने तथा लोकतंत्र में उसकी भूमिका को भी परिभाषित कर किया।

इस अवसर पर स्वीप के नोडल ऑफिसर प्रोफेसर सिकंदर नेगी ने कहा कि इस कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान किया गया और लोगों को जानकारी देते हुए मतदान में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर पर असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर सोनू गोयल के दिशा-निर्देश के अनुसार अब तक जनमानस को अधिक से अधिक जागरूक करने के लिए विभिन्न तरह की गतिविधियां और कार्यक्रम हो चुके हैं। इस अवसर पर सेक्टर ऑफिसर प्रोफेसर अरविंद रत्न, पीपलू पंचायत के प्रधान महिंद्र सिंह राना, सिहाना पंचायत के प्रधान सुनील कुमार, फील्ड सुपरवाइजर, सुनीता देवी, ब्लॉक लेवल ऑफिसर जगदीश चंद और राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

श्री ग्राम संगठन ने मतदान प्रतिशतता बढ़ाने का दिया संदेश

अनंत ज्ञान, ऊना

लोकसभा चुनाव और दो विधानसभा उपचुनावों में मतदाता सहभागिता और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के मकसद से जिला के स्वयं सहायता समूह (एचएचजी) लोगों को मतदान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने में जुटे हैं।

इसी कड़ी में श्री राम ग्राम संगठन ने ऊना की पंचायत सुनेहरा में स्वीप गतिविधियां आयोजित करके लोगों को जागरूकता संदेश दिया। श्री राम ग्राम संगठन ने जानकारी दी कि एक अप्रैल, 2024 को 18 वर्ष या इससे अधिक आयु पूर्ण कर रहे सभी युवा मतदाता अपना वोट अवश्य बनवाएं, ताकि जिले में एक भी पात्र मतदाता नाम दर्ज करवाने से न छूटे।

वोट की ताकत से लोकतंत्र मजबूत होता है तथा सभी मतदाताओं की सहभागिता आवश्यक है। सभी नागरिक अपने वोट के महत्व को समझें और अपने मत का प्रयोग करें। इसके अतिरिक्त बताया कि 85 से अधिक बुजुर्ग व्यक्तियों व 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग व्यक्तियों को घर से वोट डालने के लिए फॉर्म 12डी की सुविधा उपलब्ध है। पोलिंग स्टेशन पर भी इन व्यक्तियों के लिए रैंप, व्हीलचेयर व वॉलंटियर्स की विशेष सुविधा उपलब्ध रहेगी।

श्री ग्राम संगठन चुनाव को लेकर संदेश देते हुए।

"कोई भी जन्म से बुद्धिमान नहीं होता, क्योंकि ज्ञान अपने प्रयासों से ही प्राप्त होता है।" -टी. कृष्णमाचार्य

संपादकीय

ग्रीन हिमाचल का सपना साकार करने की ओर बढ़ रही सरकार

हिमाचल को वर्ष 2026 तक ग्रीन स्टेट बनाने का प्रदेश की सुक्खू सरकार का संकल्प धीरे-धीरे साकार होता हुआ नजर आ रहा है। प्रदेश सरकार की इस पर्यावरण हितैषी पहल के सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। वह दिन दूर नहीं, जब हिमाचल में केवल ग्रीन एनर्जी का ही प्रयोग होगा और सड़क पर पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन नजर नहीं आएंगे। अपने संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश सरकार लोगों को इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए प्रेरित कर रही है। सरकार ने अपने संकल्प को पूरा करने के लिए प्रदेश भर में छह ग्रीन कॉरिडोर बनाए हैं। इन कॉरिडोर में कुल 55 इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 46 स्टेशन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड यानी पीपीपी मोड के तहत स्थापित किए जाएंगे। स्टेशनों को स्थापित करने का जिम्मा रोप-वे ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को दिया गया है। निगम इस महीने के अंत तक इसके लिए टेंडर लगा देगा। राज्य सरकार के वर्तमान प्रयासों से यह तय दिख रहा है कि आने वाले समय में प्रदेश में ई-वाहनों की संख्या बढ़ने वाली है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने लोगों को भी कुछ लाभ दिए हैं। यहां ई-वाहनों पर पंजीकरण शुल्क माफ किया गया है और रोड टैक्स में भी छूट दी गई है। इसके अलावा कमर्शियल इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए स्पेशल रोड टैक्स में भी 50 प्रतिशत छूट दी गई है और कमर्शियल परमिट फीस को भी माफ किया गया है। कोई भी व्यक्ति यदि ई-निजी बस, ट्रक या टैक्सी खरीदता है, तो सरकार द्वारा 50 लाख तक उसे 50 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाएगी। सरकार ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं को रोजगार मिल सके, इस दिशा में भी काम करना भी शुरू कर दिया है। जाहिर सी बात है कि बिजली के क्षेत्र में भारी पूंजीगत निवेश की जरूरत होती है, ऐसे में इस क्षेत्र में युवाओं को अगर आसान दरों पर ऋण मिल जाए तो वे सरकार के कदम के साथ कदम मिलाने के लिए तैयार हैं। राज्य की आर्थिकी में एक समय बिजली की अहम भूमिका थी। राज्य को बिजली बेच कर अरबों की आय होती थी, लेकिन बिजली की मांग घटने के बाद से इसमें कमी आई है। यही वजह है कि ऊर्जा क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने की दिशा में अब सौर ऊर्जा के क्षेत्र में ज्यादा काम हो रहा है।

प्रदेश सरकार ने तो 100 किलोवाट से लेकर एक मेगावाट तक की सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना में युवाओं को 40 प्रतिशत सब्सिडी देने का प्रावधान भी कर रखा है। इससे हरित राज्य बनाने के सरकार के प्रयासों को और बल मिल रहा है। सरकार इन प्रोजेक्टों से 25 वर्ष के लिए बिजली की खरीद करने की गारंटी भी युवाओं को दे रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा इस ओर आकर्षित हों। राज्य सरकार के ग्रीन हिमाचल बनाने के संकल्प को पूरा करने में वर्ल्ड बैंक का भी साथ मिल रहा है। विश्व बैंक प्रदेश के लिए ग्रीन रेजीलिएंट इंटेग्रेटिड प्रोग्राम पर लगभग 2 हजार 500 करोड़ रुपए व्यय करने की अनुशंसा कर चुका है। यह राशि तकनीकी समीक्षा के आधार पर बढ़ाई भी जा सकती है। अगर सरकार अपने लक्ष्य को तय समय पर हासिल कर लेती है, तो हिमाचल देश का पहला ग्रीन स्टेट बन जाएगा, जिसका लाभ इस छोटे से पहाड़ी राज्य के लोगों के साथ-साथ यहां के पर्यावरण को भी मिलेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से केवल वायु प्रदूषण ही कम नहीं होगा, बल्कि इनके इस्तेमाल से ध्वनि प्रदूषण से भी बचा जा सकेगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो हिमाचल को ग्रीन स्टेट बनाने के लाभ ही लाभ दिख रहे हैं। यही वजह है कि सरकार अपने संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र में विकसित राष्ट्र का रोडमैप नहीं

लोकसभा चुनाव की अन्य तैयारियों में कांग्रेस भले ही पिछड़ गई हो, किंतु 48 पृष्ठों, 10 न्याय, 25 गारंटी के बड़े वादों के साथ उसने अपना चुनावी घोषणा पत्र लगभग समय पर जारी कर दिया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा जारी इस घोषणा पत्र ने कांग्रेस को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है। विपक्ष के रूप में कांग्रेस का दस वर्ष का कार्यकाल सनातन विरोधी रहा और घोषणा पत्र ने पार्टी के सनातन विरोधी होने पर अंतिम मुहर लगा दी। वर्तमान कांग्रेस के नेता मोहब्बत की दुकान खोलते हैं, वस्तुतः भगवान राम व सनातन हिंदू समाज के प्रति नफरत से भरे हुए हैं। अदालत में भगवान राम को काल्पनिक कहने वाली पार्टी ने स्वाभाविक रूप से अयोध्या में दिव्य भव्य एवं नव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार किया और लगातार या तो स्वयं सनातन विरोधी बयानबाजी की या सनातन विरोधियों को मंच और समर्थन दिया। मोहब्बत के नाम पर सनातन के विरुद्ध नफरत का कारोबार करने वाली कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र का नाम दिया है।

कांग्रेस ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से लगभग 55 साल तक अकेले शासन किया और वह भी लगभग एक ही परिवार के नेतृत्व में पहले नेहरू, फिर इंदिरा। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति के बल पर राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने। 2004 से 2014 की कांग्रेस सरकार भी परोक्ष रूप से गांधी परिवार के हाथ में ही थी, किंतु ये लोग न तो देश का विकास कर पाए और न ही किसी के साथ न्याय कर पाने में सफल हुए। कांग्रेस का गरीबी हटाओ का नारा एक बहुत बड़ा धोखा साबित हुआ और उसकी आड़ में बड़े-बड़े घोटाले होते गए। बीच में आए वीपी सिंह, देवगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल सरीखे नेता भी कांग्रेस के गर्भ से ही निकले हुए और उसी परिपाटी पर चले। आज जब देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक सशक्त नेतृत्व मिला है, जिनके कार्यकाल में भारत सशक्त हो रहा है और पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है, कांग्रेस निराशा, हताशा व कुंठा से ग्रस्त न्याय पत्र लेकर आई है। कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी पर तानाशाही का आरोप लगा रही है और बयान दे रही है कि अगर मोदी तीसरी बार 400 सीटों के साथ देश के प्रधानमंत्री बन गए तो भारत में लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा, संविधान समाप्त हो जाएगा, आरक्षण समाप्त हो जाएगा, जबकि वास्तविकता यह है कि कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र जारी किया है, वह स्वयं ही कठघरे में है और स्पष्ट करता है कि कांग्रेस की नीयत अच्छी नहीं है।

लेखक : मृत्युंजय दीक्षित
स्वतंत्र टिप्पणीकार

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में जो वादे किए हैं, वे भारत व सनातन हिंदू समाज में विभेद बढ़ाने के लिए किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर टिप्पणी करते हुए इसे मुस्लिम लीग की विचारधारा से प्रेरित बताया और जो हिस्सा मुस्लिम लीग से बचा है, उसमें वामपंथी हावी हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र केवल मुसलमानों का तुष्टिकरण करने वाला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके द्वारा किए गए सभी कार्यों के प्रति नफरत और हीन भावना से भरा हुआ है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का कोई रोडमैप नहीं है। कांग्रेस के घोषणा पत्र से यह बात भी साफ हो ही गई है, अब उसने संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के विचारों का भी परित्याग कर दिया है।

एक समय में, 'जात पर न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर' का नारा देने वाली कांग्रेस सत्ता में आने पर जातिगत जनगणना कराने का वादा कर रही है। कांग्रेस के जातिगत जनगणना और आरक्षण सीमा बढ़ाने के इस मुद्दे की हवा पार्टी के ही नेता आनंद शर्मा ने ही निकाल दी है। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा का कहना है कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने जातिगत जनगणना के विचार को खारिज कर दिया था। अंग्रेजों के समय में भी जातिगत जनगणना का विरोध किया गया था और उसे राष्ट्रीय हितों के विपरीत माना गया था। आज कांग्रेस वामपंथी विचारधारा से ग्रस्त होकर जातिगत जनगणना की बात कह रही है। मुस्लिम तुष्टिकरण की चरम सीमा को पार कर रही कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में मुस्लिम तुष्टिकरण की चरम सीमा पार कर गई है। यह घोषणा पत्र हिंदू समाज को चेतावनी जारी कर रहा है। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बार लाल किले से दिए गए अपने भाषण में कहा था, 'भारत के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है और उसी दिन से कांग्रेस का पतन प्रारंभ हो गया था। अब कांग्रेस ने एक बार फिर केवल मुस्लिम हितों का ध्यान रखते हुए घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस का कहना है कि वह भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ कांग्रेस ने मुस्लिम समाज से कुछ ऐसे वादे भी किए हैं, जिनसे यह साफ हो गया है कि अब कांग्रेस पर मुस्लिम लीग की पूरी छाया है।

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल करने, तीन तलाक बिल रद्द करने, संविधान के अनुच्छेद 15, 16, 25, 28, 29 और 30 का जिस प्रकार आदर करने का वादा किया है, वह डरावना है। मुस्लिम तुष्टिकरण को व्यापक करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मुसलमान जजों की संख्या में वृद्धि करने सहित सार्वजनिक स्थलों पर हिजाब-बुर्का पहनने और गोमांस खाने की छूट देने का भी वादा किया है। कांग्रेस ने मुसलमान छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना को बढ़ाने का भी वादा किया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस जमात-ए- इस्लामी, लश्कर-ए-तैयबा, अल कायदा की राह पर चलने वाली है। सरकारी और निजी नौकरियों में मुसलमानों के लिए सच्चर कमेटी की रिपोर्ट को लागू करने की बात भी कांग्रेस ने दोहराई है। कांग्रेस के घोषणा पत्र से स्पष्ट है कि अगर गलती से भी उसकी सरकार आ गई तो याकूब मेमन को फांसी नहीं होगी और बुरहान बानी जैसे आतंकवादी का एनकाउंटर नहीं हो सकेगा और तो और 'हर घर तिरंगा' भी नहीं फहरा पाएगा। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुसलमानों के खिलाफ किसी प्रकार के भाषणों को रोकने के लिए एक अलग कानून प्रस्तावित है। स्मरण रखना चाहिए कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व पिछली कांग्रेस सरकार ने सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ा एक कानून लाने का प्रयास किया था, जो परोक्ष रूप से हिंदुओं को नष्ट करने के लिए था, कांग्रेस ने अपना वह पापी इरादा फिर जाहिर किया है।

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र के माध्यम से हिंदू समाज व संस्कृति को पूरी तरह से समाप्त करने का बंदोबस्त कर रखा है, उसने वादा किया है कि समलैंगिक विवाह को पूरी तरह से मान्यता दी जाएगी। कांग्रेस ने युवाओं, महिलाओं के साथ जो वादे किए हैं, वे केवल झूठ का पुलिंदा भर हैं, क्योंकि उसने इन वादों को पूरा करने का कोई रोडमैप नहीं बताया है। इसके अलावा भारत जोड़ो यात्रा से लेकर न्याय यात्रा तक राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते रहे हैं, उनका भी समावेश इस घोषणा पत्र में किया गया है। लगता है इस आम चुनाव के परिणाम आने पर कांग्रेस का कोई नाम लेने वाला बचेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

भारत का अपना नववर्ष है, अंग्रेजों वाला नहीं

अंग्रेजी नववर्ष के बढ़ते प्रभाव के बीच राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर भारतीय नागरिकों को सचेत करते हुए लिखते हैं कि यह नववर्ष हमें स्वीकार नहीं, है अपना यह त्योहार नहीं। इन पंक्तियों का आशय पूरी तरह से स्पष्ट था कि अंग्रेजी नववर्ष हमारा अपना नहीं, बल्कि अंग्रेजों द्वारा भारतीयता को मिटाने के लिए भारत पर थोपा गया था।

विसंगति यह है कि अंग्रेज जो भारत में छोड़कर गए थे, उसे हमने अपना मान लिया। उसके पीछे मूल कारण यही था कि हम अपनी भारतीय संस्कृति को विस्मृत कर चुके थे। जब हम स्वत्व की बात करते हैं, तो स्वाभाविक रूप से इसमें वह सब दिखाई देगा, जो मूल भारत की कल्पना था। अब पहला सवाल यह आता है कि अपना मूल भारत क्या था? क्या हमें इसका भान है? यकीनन नहीं, क्योंकि आज जो भारत दिख रहा है, उसे पहले मुगलों ने अपने हिसाब से बनाया और फिर अंग्रेजों ने भारतीय समाज को हमें अपनी संस्कृति से विमुख कर दिया। विचार कीजिए कि भारत का स्वत्व क्या है? अगर भारत का स्वत्व जानना है तो हमें मुगलों से पूर्व के भारत का अध्ययन करना होगा, वही वास्तविक भारत है। आज हम भले ही अंग्रेजी दिनचर्या का उपयोग करते हैं, लेकिन आज भी यह सत्य है कि अंग्रेजी का प्रयोग हम अपने त्योहारों में कभी नहीं करते, क्योंकि हमारे सारे त्योहार सांस्कृतिक और प्राकृतिक हैं। इसलिए प्रारंभ से ही भारत के समस्त त्योहार दिशा बोध कराने वाले रहे हैं। वसंत के त्योहार को ही ले लीजिए, इसमें प्राकृतिक बोध होता है। वसंत के पश्चात पतझड़ और फिर प्रकृति में नवीनता का उल्लास। यही उल्लास प्राकृतिक नववर्ष का आभास कराता है। इसीलिए यही भारत का अपना नववर्ष है, अंग्रेजों वाला नहीं।

लेखिका : डॉ. वंदना सेन
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारतीय की संस्कृति में पुरातन काल से नववर्ष का प्रारंभ चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से ही माना जाता रहा है। इस तिथि को भारतीय संस्कृति में अति पावन दिन माना गया है, क्योंकि इसी प्रतिपदा दिन रविवार को सूर्योदय होने पर ब्रह्मा ने सृष्टि के निर्माण की शुरुआत की थी। अब भारत के नागरिक अपनी मूल की ओर लौट रहे हैं। जो लोग कल तक अपने नववर्ष मनाने वाले समाज की हंसी उड़ाता था, वे स्वयं होकर नववर्ष मनाने की ओर प्रवृत्त हो रहे हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि भारत अपने स्वत्व की ओर लौट रहा है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

मां चंद्रघंटा

कविता

वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर

तृतीय स्वरूपा मां अर्धचंद्रधारी
कांपते जिससे दानव अत्याचारी
यह स्वरूप परम कल्याणकारी
शोभित माता सिंह की सवारी
शरीर का वर्ण स्वर्ण समान
दश हस्त मां धर खड़ग म्यान
अस्त्र-शस्त्र से करती है त्राण
दिव्य सुगंधियों का होता भान
तीसरे रूप का करे जो पूजन
हस्त जोड़कर करे जो वंदन
वीर बलवान बने बलिष्ठ तन
साधक को होते पावन दर्शन
लगे जो इस दिन खीर का भोग
काया रहती हमेशा निरोग
कष्ट से मुक्ति पाए सब लोग
भक्ति का मिलता पावन संयोग।

उच्च महत्वकांक्षाओं के कारण बच्चों का बचपन कहीं खो रहा है

आज जब भी हम किसी भी अपने गुजरे हुए वक्त को याद करते हैं, तो सबसे पहले मुझे अपना बचपन याद आता है। वह बारिश का पानी और कागज की नाव, जब हम बचपन में नदी-नालों और खेत-खलिहानों में अनेक प्रकार के खेल खेलते-खेलते शाम हो जाती थी, तब हमारे मां-बाप हमें ढूंढने आस-पड़ोस में जाया करते थे कि हमारा बच्चा कहां मौज-मस्ती कर रहा होगा। वह भी क्या दौर था जिसमें न कोई किसी की फिक्र और न कोई जिम्मेदारी का बोझ, बस खूब होती थी बचपन में अपने दोस्तों संग खेलने और बतियाने की रौनक, आज भी है वह दौर याद जब मुझे लगता था कि यही है सबसे बड़ी जीवन की दौलत , परंतु आज हम जिस बचपन को देखते हैं, वह अब शायद पच्चपन (55) में बदल गया है, जहां आधुनिकता के इस दौर ने आज बचपन को भी समाप्त करके रख दिया है।

इसका सबसे कारण हर बच्चों के हाथ में हमेशा मोबाइल और कंधों पर स्कूल का भारी-भरकम बस्ता, जिसके बोझ तले मानो बचपन कहीं दूर हो चला है। आज मैं सोचता हूं कि जब यह बच्चा मेरी उम्र का होगा, तो यह बचपन की नटखट यादें किसको बताएगा। आज बच्चों को सोने के लिए दादी अम्मा की लोरी की जरूरत नहीं, बल्कि मोबाइल चाहिए। आज हम सभी अपने जिम्मेदारियों से बहुत दूर भाग रहे हैं, प्रतिस्पर्धा के इस जीवन में हमने अपने नन्हे-मुन्ने बच्चों से बचपन छीन लिया है। इसके लिए शायद भगवान हमें कभी माफ नहीं करेगा। मुझे तो ऐसा लगता है और आपको भी ऐसा की लगता होगा। आज हम अपने बच्चों को बहुत से सपने दिखाने और जिम्मेदारी का अहसास तक करवा जाते हैं, जिस बचपन में हमें शिक्षा के साथ उनको शारीरिक और मानसिक रूप से भी सक्षम बनाना चाहिए और बच्चों को उनका असली बचपन लौटाना चाहिए, ताकि वे समय से पहले अपने अनमोल बचपन की यादों के साथ आगे बढ़ें। अधिकांश शहरों में माता-पिता अपने बच्चों को घर की चारदीवारी में ही रखना चाहते हैं और उन्हें खेलने की पूरी आजादी तक नहीं दी जाती है, जिस कारण बच्चे हमेशा सहमे-सहमे नजर आते हैं।

लेखक : हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

वर्तमान की परिस्थितियों को देखकर आज के बचपन में जमीन आसमान का अंतर आ चुका है। आज के दौर में अनेक क्षेत्रों में बच्चे परीक्षा परिणाम और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर न करने और माता-पिता की महत्वकांक्षी सोच के कारण आत्महत्याएं तक करने को मजबूर हैं, क्योंकि हम उनके ऊपर जरूरत से ज्यादा पढ़ाई का बोझ और अन्य अपेक्षाएं बहुत ज्यादा बढ़ा दी हैं, परंतु उन नन्हे-मुन्ने बच्चों से उनका सुनहरा बचपन छीनते जा रहे हैं, इसलिए आज हम सभी अभिभावकों का नैतिक कर्तव्य बनता है कि समय के साथ-साथ हम अपने बच्चों से उनसे उनका वह बचपन न छीनें, बल्कि अपने व्यस्तम जीवन में समय निकालकर अपने बच्चों को खेलने-कूदने और उनके साथ समय व्यतीत किया जाए, क्योंकि हर किसी के बचपन का सफर यादगार और हसीन होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विकास का वाहक बन रहा मध्यम वर्ग

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। यह केवल हमारे देश के संदर्भ में ही नहीं अपितु समूचे विश्व की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा तो कारण यही सामने आएगा। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव में मध्यम वर्ग की प्रमुख भूमिका रही है। औद्योगिक क्रांति के बाद जिस तरह से श्रमिक वर्ग उभर कर आया तो औद्योगिक क्रांति का ही बाई प्रोडक्ट मध्यम वर्ग का उत्थान माना जा सकता है। आर्थिक विश्लेषकों की मानें तो आर्थिक विकास का कोई ग्रोथ इंजन है तो वह मध्यम वर्ग है।

ज्यादा दूर नहीं जाएं और केवल वर्तमान दशक की शुरुआत बल्कि 2021 की ही बात करें तो देश में 30 फीसद परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में आ गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि 2031 तक यह आंकड़ा बढ़कर 46 फीसद को छू जाएगा। यानी की इस दशक में बचे साढ़े पांच साल में भी मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में तेजी से सुधार होगा। 2021 में जहां 9.1 करोड़ परिवार मध्यम आय वर्ग की श्रेणी में थे। वहीं, 2031 तक यह संख्या बढ़कर 16.9 करोड़ होने का अनुमान लगाया गया है। किसी भी देश और उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अपने आप में किसी बढ़ी उपलब्धि से कम नहीं आंकी जा सकती। विशेषज्ञों के अनुसार 5 लाख से 38 लाख सालाना आय वाले परिवारों को मध्यम आय वर्ग श्रेणी में माना गया है। यह भी समझना होगा कि मध्यम वर्ग के विस्तार का सीधा अर्थ गरीबी रेखा से लोगों का बाहर आना और बाजारू गतिविधियों में तेजी है। मांग और आपूर्ति को भी मध्यम वर्ग के संदर्भ में ही देखा और समझा जा सकता है।

मध्यम आय वर्ग में इजाफा होने का मतलब साफ-साफ यह हो जाता है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसे यूं समझा जा सकता है कि मध्यम आय वर्ग या दूसरे अर्थ में हम मध्यम वर्ग की बात करें तो जीवन जीने का कोई आनंद लेता है तो वह मध्यम वर्ग ही है।

मध्यम वर्ग के लोग जीवन को जीने में विश्वास रखते हैं, भले ही उन्हें ऋण कृत्वा घृतं पीबेत की मानसिकता के अनुसार जीवन-यापन करना पड़े। यही कारण है कि मध्यम वर्ग दिल खोलकर पैसा खर्च करता है। इसका एक कारण सामाजिक ताने-बाने की भाषा में हम कहें तो यह कहा जा सकता है कि बहुत कुछ वह दिखावे के लिए करता है। जीवन-यापन की दिखावे की इस प्रतिस्पर्धा में वह वो सब कुछ पाना चाहता है जो उसके परिवार, पड़ोसी, मित्रगण या आसपास के लोगों के पास है। इसमें रहन-सहन, खान-पान, पहनना-ओढ़ना, शिक्षा और इसी तरह की अन्य वस्तु/साधन शामिल होते हैं। इसी कारण बाजार में नित नए उत्पादों की मांग बढ़ती है तो देश के लोगों के जीवन स्तर का पता चलता है। दरअसल मध्यम वर्ग व्हाइट कॉलर का प्रतिनिधित्व करता है। वह इस प्रयास में रहता है कि दिन-प्रतिदिन वह अधिक से अधिक साधन जुटाए, भले ही उसके लिए उसे उधार का सहारा लेना पड़े। यहां यह भी समझ लेना जरूरी हो जाता है कि उच्च आय वर्ग की अपनी समझ व पहुंच होती है। पहली बात तो उच्च आय वर्ग के दायरे में कम लोग हैं।

लेखक : डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

उनकी पसंद-नापसंद अलग होती है। उनके लिए जो उत्पाद बाजार में आएंगे, वे अलग श्रेणी के होंगे। मध्यम वर्ग लगभग उसी दौड़ में दौड़ने का प्रयास करता है। उच्च वर्ग के पास लक्जिरियस चौपहिया वाहन है तो उसकी मांग पहले चरण में चौपहिया वाहन व उसके बाद ज्यों-ज्यों वह थोड़ा आगे बढ़ना चाहेगा, अपनी पहुंच के सुविधाजनक चौपहिया वाहन पाने की कोशिश में जुट जाएगा। इसी तरह से बाजार की मांग को मध्यम वर्ग ही बढ़ाता है। तस्वीर हमारे सामने हैं। ज्यादा पुरानी बात नहीं दो दशक ही हुए होंगे कि घरों में पंखों की जगह कूलरों ने ली और कूलरों में भी हैसियत अनुसार ब्रांडेड कंपनियों से लेकर लोकल कंपनियों के कूलरों ने घरों में जगह बनाई। आज तस्वीर का दूसरा पहलू सामने आ गया है जिस एयर कंडीशनर के लिए केवल सोचा जा सकता था, वह आज घर-घर में पहुंच गया है। कम से कम एक एसी तो मध्यम वर्गीय परिवार में देखने को आसानी से मिल जाएगा।

इसे यूं समझा जा सकता है कि मध्यम वर्ग के विस्तार के अनुसार बाजार में मांग बढ़ी तो नित नई कंपनियां बाजार में आईं और इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही रोजगार के अवसर बढ़े। यह तो एक उदाहरण मात्र है। देखा जाए तो फास्ट फूड हो या कंफेक्सरी या शॉफ्ट ड्रिंक या इसी तरह की अन्य खाने पीने की चीजें, इसको बाजार मिला है, तो इसका श्रेय मध्यम वर्ग को ही जाता है। पर्सनल केयर आइटम्स की मांग और आपूर्ति भी मध्यम वर्ग के कारण ही बढ़ी है। आज ऑनलाइन का जो बाजार खड़ा हुआ है, उसको गति दी है तो वह मध्यम आय वर्ग के लोगों ने ही दी है।

यही कारण है कि आज देशी-विदेशी कंपनियां मध्यम वर्ग को केंद्रित कर अपने उत्पादों को बाजार में उतार रही हैं। सही मायने में कहा जाए तो जिसने मध्यम वर्ग की मांग को समझा, वह मालामाल होता जा रहा है और उसकी बाजार में पकड़ तेज होती जा रही है। ऐसे में यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का बहुत कुछ श्रेय मध्यम वर्ग को जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लोकतंत्र को सफल बनाने में मतदाता निभाएं अहम भूमिका

राजनीति अपराध की जननी वन चुकी है, ऐसा कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अपराधिक पृष्ठभूमि के अधिकतर माननीयों को राजनीतिक दल हमेशा चुनावी अखाड़े में उतारते हैं। देश की युवा पीढ़ी नेताओं के पक्ष में चुनावों के समय सिर्फ नारे लगाने, दरियां बिछाने तक सीमित है। युवा पीढ़ी किसी भी देश की रीड की हड्डी समान होती है। युवा वर्ग जितना सजग, गुणवान और लगनशील होगा, देश उतना ही विकास करता है। आज की युवा पीढ़ी बेरोजगारी की चक्की में पिसकर समाज और राष्ट्र का पुनर्निर्माण किए जाने में अपनी भूमिका निभाने में असफल रहती जा रही है।

चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एमडीआर) की ओर से मीडिया में सार्वजानिक की गई रिपोर्ट बहुत चौंकाने वाली है। लोकतंत्र की बागडोर संभाले निवर्तमान 514 लोकसभा सांसदों में 225 यानी 44 प्रतिशत ने अपने चुनावी हल्फनामे में स्वयं को आपराधिक मामलों में संलिप्त बताया है। पांच प्रतिशत माननीय अरबपति हैं, जिनके पास 100 करोड़ रुपए की संपत्तियां हैं। 29 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों में हत्या, हत्या की कोशिश, सांप्रदायिक बेमनस्य को बढ़ावा देना, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोप शामिल हैं। 9 प्रतिशत के खिलाफ हत्याओं के मामले चल रहे हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय केंद्र सरकार से आपराधिक माननीयों के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई जल्द किए जाने को लेकर उसे सख्त हिदायत भी दे चुका है।

लेखक : सुखदेव सिंह
वरिष्ठ पत्रकार, नूरपुर

सर्वोच्च न्यायालय का मत की हर बार आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी टिकट दिया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। स्मरण रहे कि देश की अदालतों में माननीयों के खिलाफ अनगिनत आपराधिक मामले दर्ज हैं। माननीय अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए न्यायालय समक्ष पेश होना जरूरी नहीं समझते हैं, नतीजतन राजनीतिक दल ऐसे माननीयों को चुनावी मैदान में टिकट देकर उतार देते हैं। केंद्र सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को दिए जवाबी शपथ पत्र में कहा था कि ऐसे मामले का निपटारा किए जाने के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने विशेष अदालतों के गठन को लेकर धन व्यवस्था की। 2019 लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा समर्पित केंद्र सरकार को इसका नुकसान न झेलना पड़े, उक्त रणनीति सिरे नहीं चढ़ी। उत्तर प्रदेश आपराधिक पृष्ठभूमि वाले माननीयों में पहले स्थान पर है। केंद्र की सत्ता का दरवाजा उत्तर प्रदेश की जनता के सहयोग से ही खुलता है। केंद्र सरकार ने विशेष अदालतों के गठन को दरकिनार करते हुए आखिरकार उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार काबिज करके ही दम लिया था। कांग्रेस इंडिया महागठबंधन सहारे एक बार फिर केंद्र में विराजमान मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने को लेकर प्रयासरत है।

राजनीतिक प्रसिद्ध विद्वान अरस्तु और गार्नर का कहना है कि लोकतंत्र जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों से चलाए जाने वाली प्रणाली को कहा जाता है। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च मानी जाती है। भारतीय लोकतंत्र का डिंडोरा हम पूरे विश्व में पीटते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सच्चाई जानने के लिए 15 देशों का डेलीगेशन दस्तक देने वाला है। सच बात यह है कि राजनीतिक दल योग्यता की बजाए जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और नस्लवाद को मद्देजर रखते हुए अधिकतर टिकटों का आवंटन करते हैं। देश में आरक्षण जाति वजाए आर्थिक आधार पर लागू किए जाने की वकालत की जाती है। राजनीतिक दल चुनावों में जातीय संतुलन बैठाने के लिए टिकटें जाति आधार पर बांटते हैं। अक्सर सुना जाता की उक्त समुदाय की अनदेखी राजनीतिक दल को चुनावों में महंगी पड़ेगी। क्या ऐसे राजनीतिक माहौल में कभी उम्मीद की जा सकती है कि आरक्षण कभी आर्थिक आधार पर भी लागू होगा? आजादी के सात दशक गुजर जाने बावजूद भी हम लोग सफल लोकतंत्र कायम रखने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं।

सफल लोकतंत्र के मार्ग में अनगिनत बाधाएं हैं। लोकसभा चुनावों से पूर्व सर्वोच्च न्यायलय के कुछेक न्यायधीश न्यायपालिका को खतरे में बताएं तो जनता पर इसका क्या असर पड़ सकता जरूर चिंतन करना होगा। लोकतंत्र को सफल बनाने में मतदाताओं को अपनी अहम भूमिका निभानी चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपनी बात

मोबाइल फोन से क्या हम दिनभर चिपके रहते हैं? अगर इसका उतर हां हैं तो आपको सावधान रहना चाहिए। मोबाइल फोन आपके आंखों की रोशनी तकछीन सकता है। भले ही हमारे दिनभर का ज्यादातर काम मोबाइल फोन से जुड़ा हुआ होता है, पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके कारण होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अलर्ट करते हैं। स्मार्टफोन का बहुत अधिक उपयोग करने से आपको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके उपयोग को काफी हद तक सीमित करने की सलाह देते हैं।
रिसर्च के अनुसार मोबाइल फोन हो या किसी भी प्रकार का स्क्रीन, इसके अधिक संपर्क में रहना आपके लिए कई प्रकार से नकारात्मक प्रभावों वाला हो सकता है। बच्चों में इसके कारण ग्लूकोमा की बीमारी काफी तेजी से बढ़ती देखी जा रही है। लगातार या बहुत अधिक समय तक मोबाइल फोन देखने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसके कारण ड्राई आइज की समस्या होना काफी आम देखा जा रहा है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी के कई प्रकार से आंखों की सेहत पर दुष्प्रभाव देखे गए हैं।

-जगदीश चंद (जसौर)

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख, कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री इस ई-मेल पर भेजें।
editoranantgyaan@gmail.com

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

चंबा-तीसा मुख्य मार्ग से फिसलन हटाने में जुटा लोनिवि

आजम डार, तीसा

चुराह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नकरोड़ से तीसा पुल तक पिछले दिनों भारी बारिश से मुख्य मार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन हो गया था जिसकी वजह से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश की वजह से जगह-जगह सड़क पर गड्ढे और रोड़ में पलवा आ गया जिसे लोक निर्माण विभाग तीसा के कर्मचारियों और अधिकारियों ने आनन-फानन में रोड़ को बहाल तो कर दिया था।

परंतु मार्जिन में जगह-जगह मलबा बिखरें रहने से मार्ग में फिसलन उत्पन्न हो गई, जिसके चलते वाहन चालकों को फिसलन भरे मार्ग से गुजरने से आएं दिन दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में स्थानीय वाहन धारकों ने लोनिवि तीसा समक्ष गुहार लगाई। वाहन धारकों की परेशानी का संज्ञान होते ही लोनिवि तीसा ने पहल करते हुए मशीनों से जगह-जगह बिखरे मलबे को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है।

ताकि वाहन धारकों फिसलन भरे मार्ग से गुजर दुर्घटनाओं का सामना न करना पड़े। वहीं लोक निर्माण विभाग उपमंडल तीसा सहायक अभियंता नकरोड़ संजीव अत्री का कहना है कि लोक निर्माण विभाग जगह जगह पड़े मलबे हो हटाने में जुट गया है। जिसके चलते बहुत जल्द रोड़ में पड़े मलबे को हटा दिया जाएगा। ताकि राहगीरों का सफर सुगम हो सकें। (अनंत ज्ञान)

लोकसभा चुनाव के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

चंबा । उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 के तहत आदर्श आचार संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित बनाने को लेकर जिला एवं सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में नियंत्रण कक्ष तत्काल प्रभाव से स्थापित किए गए हैं।

मतदान प्रक्रिया की जानकारी और आदर्श आचार संहिता से संबंधित किसी भी शिकायत या सुझाव के लिए इन नियंत्रण कक्ष में तैनात अधिकारियों से संपर्क किया जा सकता है। जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष को जिला राजस्व अधिकारी के कार्यालय में स्थापित किया गया है।

चंबा विधानसभा क्षेत्र के तहत एसडीएम कार्यालय चंबा में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष के प्रभारी के रूप में विकास चौणा अधीक्षक श्रेणी द्वितीय को नियुक्त किया गया है।

चुराह में निजी बस ऑपरेटरों ने एचआरटीसी बस को रोका, यात्री हुए परेशान

अनंत ज्ञान चुराह

रोकी गई एचआरटीसी की बस।

एचआरटीसी निगम प्रबंधन चंबा द्वारा नकरोड़ से चांजु के लिए बस सेवा दोबारा से शुरू कर दी गई, लेकिन आज पहले दिन जब सवारियों से भरी एचआरटीसी की बस एचपी 73- 8381 नकरोड़ से चांजु के लिए रवाना हुई तो बघेईगढ़ के पास निजी बस ऑपरेटरों द्वारा समय सारणी पर अपनी आपत्ति जताते हुए बस को रोक दिया गया। निजी बस ऑपरेटरों ने कहा कि एचआरटीसी प्रबंधन चंबा मनमाने ढंग से इस रूट पर बस चलाकर कानूनी रूप से ठीक नहीं कर है इसलिए बस को आगे बढ़ने नहीं दिया गया।

हालांकि बस को जब रोका गया तो उसमें सवार यात्री निजी बस ऑपरेटरों से गुजारिश करते रहे कि उन्हें आज के दिन चांजु तक जाने दिया जाए, लेकिन बस को आगे बढ़ने नहीं दिया गया।

वहीं इस बारे में जब एचआरटीसी निगम कार्यालय चंबा के प्रबंधक शुगल सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की मांग पर बाद दोपहर 3 बजे से नवरात्रों के शुभ अवसर को लेकर चांजु माता मंदिर के लिए बस सेवा शुरू की गई थी, लेकिन स्थानीय निजी बस ऑपरेटर द्वारा इसका विरोध किया गया है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही समय के लेकर हुए विवाद का हल करके इस रूट पर एचआरटीसी की बस चलाई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

तूफान व बारिश ने किया जनजीवन अस्त-व्यस्त

चंबा । चंबा मुख्यालय में दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली जिससे धूल भरी आंधियां चलती रही। तूफान के संग बारिश ने भी अपना कहर बरपाते हुए जनजीवन अस्त व्यस्त कर डाला। तेज हवाएं चलने से कई पेड़ गिर गए तो कुछ ग्रामीण इलाकों में मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इस बीच उठी धूल व मिट्टी की परत ने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। चंबा में तूफान व बारिश की चपेट में आने से कई घरों की छते तक हवा में उड़ती नजर आई जबकि धूल के कणों के साथ आई तेज आंधी से बचने के लिए लोग इधर-उधर भागते नजर आए। ग्रामीण इलाकों में कई पेड़ जड़ से उखड़ गए, हालांकि इस तूफान से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। सड़क के किनारे जगह-जगह गाड़ियां खड़ी कर लोग तूफान के थमने का इंतजार करते नजर आए।

स्वीप टीम नाव के जरिए पहुंची गांव भोटन लोगों को किया मतदान के लिए जागरूक

चंबा । जम्मू, पंजाब और हिमाचल की सीमा पर स्थित जिला चंबा के भटियात विधानसभा क्षेत्र के अंतिम गांव भोटन में स्वीप टीम नाव के जरिए रणजीत सागर डैम पार करने के बाद कई घंटों पैदल सफर तय कर पहुंची। यहां तक पहुंचना टीम के लिए एक चुनौती भरा काम रहा। बहरहाल, टीम ने गांव में पहुंचकर लोगों को मतदान के महत्व बारे विस्तार से जानकारी प्रदान की। भटियात एसडीएम व एआरओ पारस अग्रवाल की अगुवाई में नोडल अधिकारी आकाशदीप शर्मा के साथ मिलकर भटियात के अति दुर्गम और दूरदराज क्षेत्र भोटन गांव का दौरा किया। इस गांव में पिछले चुनावों में 43 प्रतिशत मतदान हुआ था।

हर्षोल्लास से मनाया जाएगा ईद-उल-फितर

डलहौजी । ईद-उल-फितर का त्यौहार वीरवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा जिला चंबा में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा, जिसके तहत जिला की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज अता की जाएगी व लोग एक दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाइयां देंगे। वहीं प्रदेश के मुस्लिम समुदाय के लोगों को इस त्यौहार के लिए प्रदेश हज कमेटी के पूर्व चेयरमैन दिलदार अली बट्ट ने बधाई दी है। बट्ट ने कहा की ईद उल फितर का त्यौहार त्याग व आपसी भाईचारे का प्रतिक है। उन्होंने कहा कि इस पर्व पर हमें दूसरों की भी मदद के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

पूर्व छात्राओं के कार्य की सराहना की

चंबा । कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (छात्रावास) बघेईगढ़, चुराह, जिला चंबा में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य पूर्व छात्राओं जो भिन-भिन क्षेत्रों मे सेवाए दे रही है या अभी पढ़ाई कर रही हैं उनके कार्य की सराहना करना व उन्हें पुरस्कृत करना था। इस विशेष कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि एसएमसी अध्यक्ष किलसो देवी, विशेष अतिथि डॉ कविता विजलवान, सदसय सचिव टेक चंद , वार्डन मेहला रोहणी, तीसा वार्डन इंद्रा जी व सोनू कपूर, उपस्थित रही। कार्यक्रम में बच्चियों ने अनेक गतिविधियां प्रस्तुत कर सभी दर्शको को मोहित कर दिया जिसमें नाटक, भांगड़ा, हिमाचली नाटी, चुराही नाटी ने कार्यक्रम मे चार चांद लगा दिए। केजीबीसी छात्रावास बघेईगढ़ के टॉपर को भी सम्मानित किया गया व उन सभी बच्चियों को जो छात्रावास मे पढ़ाई के बाद समाज मे अपनी अहम भूमिका निभा रही है जिसमे श्रीमति टेकू देवी पंचयात प्रधान के रूप सेवाए दे रही है ।

शहर से खदेड़े रेहड़ी-फड़ी धारक

एम एम डैनियल, चंबा

चंबा में रेहड़ी-फड़ी हटाते हुए नगर परिषद अध्यक्ष नीलम नैयर व अन्य ।

चंबा मुख्यालय में अतिक्रमणकारियों पर आखिरकार नगर परिषद चंबा का डंडा चल ही पड़ा। वीरवार को नगर परिषद चंबा अध्यक्ष नीलम नैयर की अगुआई में पार्षदों, नगर परिषद कर्मियों व पुलिस शहर चौकी दल ने मुख्य बाजार का औचक निरीक्षण करते हुए डाकघर कार्यालय, कसाकड़ा सहित शहर के अन्य कई भागों में बिना परमिट अवैध रूप से रेहड़ी-फड़ी धारकों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें स्थलों से हटाया गया।

वहीं रेहड़ी-फड़ी धारकों को निर्देश दिए कि अगर कुछ घंटों बाद इन लोगों ने अपनी रेहड़ी-फड़ियों को नहीं हटाया तो फिर इन्हें पूरे सामान के साथ जब्त कर लिया जाएगा।

गौर हो कि शहर परिसर में एक लंबे अर्से से अतिक्रमण का साम्राज्य बढ़ता जा रहा था, जिस पर गत महीनों पूर्व उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल ने कड़ा संज्ञान लेते हुए एसडीएम चंबा व नप चंबा को अवैध रेहड़ी फड़ी हटाने के निर्देश दिए। जिस पर आलीजामा पहनाते हुए एसडीएम चंबा द्वारा उचित कार्रवाई भी अमल में लाई गई, लेकिन इसके बावजूद कुछ दिनों के अंतराल के बाद हालात जस के तस बरकार हो गए, जिस पर इस बार नगर परिषद चंबा द्वारा प्रशासनिक निर्देशों के बाद एक बार पुन: कार्रवाई करते हुए अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई अमल में लाई गई है।

मुख्य बाजार में जहां कहीं भी नजर दौड़ाई जाए हर उस जगह अवैध रेहड़ी-फड़ी लगाई हुई हैं, जहां कहीं जगह दिखाई देती है। इतना ही नहीं लोगों के चलने-फिरने की जगह पर भी कब्जा कर रखा है। इसके चलते आम लोगों को जाम की स्थिति से दो-चार होना पड़ता है। इतना ही नहीं, किसी दुर्घटना की स्थिति में राहत कार्य पहुंचने में भी दिक्कत आती है। इसी के चलते नगर परिषद ने समूचे बाजार में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया है। नगर परिषद के अधिकारियों का एक दल चम्बा के मुख्य बाजार में पहुंचा। अतिक्रमणकारियों का सामान हटवाया और उन्हें चेतावनी दी।

इस संदर्भ में नगर परिषद चंबा अध्यक्ष नीलम नैय्यर ने कहा कि शहर परिसर में रेहड़ी फड़ी धारकों ने मनमर्जी रूप से बिना परमिट के विभिन्न स्थलों पर कब्जा कर रेहड़ी फड़ी लगा रखी है। जिससे यातायात जाम सहित राहगिरों के आवागमन में मुश्किल हो रही थी।

जिसके तहत नप चंबा ने शहर परिसर में अतिक्रमण हटाने का अभियान आरंभ किया है। यदि दोबारा औचक निरीक्षण में बिन परमिट रेहड़ी याफड़ी पाई जाती है तो सामान जब्त करने सहित धारक पर जुर्माना किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

पेंशनरों के बकाया पेंशन एरियर का जल्द हो भुगतान

चंबा । भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ चंबा इकाई एवं जिला कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक महासंघ जिलाध्यक्ष वजीर सिंह यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें विशेष अतिथि के रूप में एमआर ठाकुर सेवा ने उपस्थिति दर्ज करवाई। बैठक में हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से पेंशनरों को जारी की गई पेंशन एरियर क्रमश: 35 प्रतिशत, 20प्रतिशत,18 प्रतिशत तथा 15प्रतिशत के हिसाब दिए गए पेंशन एरियर के लिए सरकार का धन्यवाद किया।

महासंघ ने आग्रह किया कि सरकार पेंशनरों के बकाया पेंशन एरियर, पे स्केल एरियर, लीव इंकेशमेंट, पेंशन कम्युरेशन तथा कुछ कर्मचारियों के डीसीआरजी का एरियर भी देय है जिनका शीघ्र भुगतान करके पेंशनरों को मानसिक तनाव मुक्त करें।

बैठक में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत परिषद लिमिटेड के पेंशनर संघ के अध्यक्ष आत्मा राम ने पेंशनरों की समस्यायों बारे अवगत करवाया। बैठक में जर्म सिंह ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वेद व्यास ठाकुर, उपाध्यक्ष रोशन लाल शर्मा तथा इकाई अध्यक्ष अशोक शर्मा, इकाई की समस्त कार्यकारिणी उपस्थित रही।

शोरूम में लगी आग, लाखों का नुकसान

बबलू पठानिया, चुवाडी

भटियात विधानसभा क्षेत्र के ककीरा जरई के नीचे मेन रोड में (टाली मोड़) के पास अग्रवाल सन्न एंड अग्रवाल इंटरप्राइजेज के शोरूम में अचानक आग लग गई, जिससे लाखो रुपए समान जल कर राख हो गया।

शोरूम में लगी आग बुझाता अग्निशमन कर्मी।

शोरूम के मालिक प्रमोद मित्तल ने बताया कि उनका परिवार शोरूम की चौथी मंजिल में रहता है। देर रात जब वह शोचालय गए थे तो उन्हें दुकान से आग की लपटे निकलते हुए दिखाई दी। उन्होंने तुरंत प्रसासन, पुलिस, अग्निशमन को इसकी जानकारी दी। तब तक उनके आस पड़ोस के लोग आग बुझाने मे जुट गए। जब बनीखेत और भटियात से अग्निशमन की गाड़ियां पहुंची तो दुकान का सामान जल कर राख हो चुकी थी। फिर भी उन्होंने कड़ी मस्कत के साथ लगभग 4 बजे के करीब आग बुझाई। (अनंत ज्ञान)

चंबा वेलफेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक आयोजित

चंबा । चंबा वेलफेयर एसोसिएशन चंबा द्वारा होटल इरावती में मासिक बैठक एसोसिएशन अध्यक्ष ओमप्रकाश गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की। बैठक का आगाज तीन दिवसीय चंबा के ऐतिहासिक सूही मेले की सभी चंबा वासियो को बधाई के साथ-साथ इस मेले को सदर विधायक नीरज नैयर एवं स्थानीय प्रशासन के प्रयासों से जिला स्तरीय मेला घोषित करवाने के लिए प्रशंसा की और आभार प्रकट किया।

संगठन ने रानी सुनयना के शहर के लोगों की पानी की समस्या से निदान हेतु दिए गए बलिदान को याद रखते हुए तथा उन्हें श्रद्धांजलि स्वरुप जिला प्रशासन व हिमाचल प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है की सूहीमाता मंदिर की पहाड़ी को वर्ड पार्क के रूप में विकसित करके माता के बलिदान को सार्थक बनाएं।

इसके अतिरिक्त राजनौन जनसाली हटनाला वनगोटू इत्यादि स्थानों पर राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए बनाए गए शेर आकृति वाले बनिहारों को पुनर्जीवित करें।

राजकीय महाविद्यालय सलूणी के विद्यार्थियों ने समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

प्रधानाचार्य डॉ. महिंद्र सलारिया को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देते छात्र-छात्राएं।

अनंत ज्ञान, चंबा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई सलूणी द्वारा विशाल वर्मा इकाई अध्यक्ष की अगुवाई में विभिन्न समस्याओं के चलते प्रधानाचार्य डॉ. महिंद्र सलारिया के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

विशाल वर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के व्यापक संदर्भ में काम करने वाला देश का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शैक्षणिक परिवार की कल्पना व रचनात्मक दृष्टिकोण लेकर छात्रों व देश के अनेक विषयों पर अपना मत प्रकट करने वाला संगठन है। 1949 में स्थापना के बाद से ही छात्रों की शिक्षा क्षेत्र की न्यायोचित मांगों को प्रशासन, नीति-निर्धारकों तक पहुंचाने वह उन पर संघर्ष खड़ा करने का कार्य विद्यार्थी परिषद ने किया है। महाविद्यालय व विश्वविद्यालय में छात्रों को पेश आने वाली छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय नीतियों पर परिषद ने समय समय पर अपना मत व्यक्त किया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस ज्ञापन के माध्यम से राजकीय महाविद्यालय सलूनी के छात्र व छात्राओं की शिक्षा क्षेत्र की और अन्य विभिन्न समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती है व इनके सकारात्मक समाधान की अपेक्षा भी करती है। अ.भा.वि.प. उपरोक्त मांगो पर आपसे समाधान की आशा करती है।

सूडोकु 0029

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 0028 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

कांग्रेस पार्टी से अपना कुनबा संभाला नहीं जा रहा : जनक राज

भरमौर। भरमौर के विधायक डॉक्टर जनक रिज ने कहा है कि आने वाले 4 जून को केंद्र में मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार और हिमाचल में भी भाजपा की सरकार बनेगी। यह बात उन्होंने धरवाला के त्रिलोचन महादेव में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी से अपना कुनबा संभाला नहीं जा रहा है, इसलिए लोग कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंनेकार्यकर्ताओं को आने वाले समय में लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा है कि महिलाओं को 1500 रुपए देने की घोषणा कांग्रेस सरकार ने चुनाव आचार संहिता के लगते ही क्यों की।

उन्होंने कहा है कि भाजपा में किसी भी आदमी का टिकट पक्का नहीं है। लोग आते और जाते रहते हैं लेकिन कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन बनता है। नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के कारण आज भारत का नाम दुनिया में ऊंचा हुआ है। आज कुछ एक ताकते हैं जो नरेंद्र मोदी को हटाने के लिए एकजुट हो रही है, जिनके सपने कभी भी पूरे नहीं होंगे।

उन्होंने कहा है कि अनुसूचित जाति और जनजाति भाजपा के लिए बहुत ही अहम अंग है और उनके लिए वर्तमान केंद्र की सरकार बहुत कम कर रही है। इस मौके पर पूर्व तहसीलदार ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

11 अप्रैल, 2024, गुरुवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1945 (शोभकृत), **मास :** चैत्र, **तिथि** तृतीया: (03:05) : **नक्षत्र :** कृत्तिका (3:05), **पक्ष :** शुक्ल, **योग:** प्रीति (07:18) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11:56), राहुकाल (01:57 - 03:33)।

विशेष दिन

» 11 अप्रैल 2024: गणगौर पूजा आज

» 12 अप्रैल 2024: दमनक चतुर्थी कल

मेष : आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। आप किसी की तन, मन और धन से मदद कर सकते हैं।

वृषभ: आज आप ऐसे स्वार्थी व्यक्ति से टकरा सकते हैं, जो आपसे बार-बार फायदा उठाता रहा है। अपनी जमा पूंजी पर सही नियंत्रण रखें।

मिथुन: अपने कार्यस्थल में ट्रांसफर आपके लिए एक अच्छा मोड लेकर आ रहा है। किसी के प्रति निष्ठा रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

कर्क : आजकल आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आ रहे हैं। अतिथि भी कुछ अधिक ही लंबा पड़ाव डालना चाहते हैं।

सिंह : इस वक्त आपके लिए व्यवस्था और जीवन यापन के कई सवाल सामने रहेंगे। घरेलू स्तर पर काफी उतार चढ़ाव रहेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके कामकाज को सुधार लाने में विशेष योगदान दे रहा है। जानकार मित्र की सलाह पर बिगड़े हुए काम बनेंगे।

तुला : जहां तक हो सके अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का हल निकालें क्योंकि दूसरे का सहारा ज्यादा देर नहीं रहता ।

वृश्चिक: व्यापार व व्यवसाय की तरफ नजर रखना आपकी पहली प्राथमिकता है। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार समेट लें।

धनु : सभी काम भगवान के भरोसे रखकर नहीं चलना चाहिए। कुछ अपनी तरफ से भी हाथ पांव मारने जरूरी है। अपने हितों की रक्षा करें।

मकर : आपके सभी कार्यों में शुरुआती दौर बहुत तेजी से आगे बढ़ता है और जब आप इसमें अपने फायदे का इंतजार करते हैं तो आपके काम अटक जाते हैं।

कुंभ : आज जिस स्तर पर कार्यरत हैं, वहां पर चुप रहना ही अधिक कुशलता का सूचक है। लंबे समय तक यह संभव नहीं है।

मीन: सुख आराम की इच्छा सभी की होती है लेकिन यह तोहफा पहले कुछ परिश्रम करने से ही मिलता है। आप भाग्यशाली हैं।

देव परंपरा के साथ लक्ष्मी-नारायण सैंज मंदिर की छत का कार्य शुरू

रघुनाथ महाराज के छड़ीबरदार महेश्वर सिंह ने निभाई देव परंपरा, सैंज में 2.70 करोड़ रुपए से बना मंदिर

अनंत ज्ञान, सैंज

जिले की सैंज घाटी में रैला स्थित आराध्य देव लक्ष्मी-नारायण का भव्य मंदिर का निर्माण किया जा रहा है।

2.70 करोड़ रुपए की लागत से मेला मैदान के एक छोर पर मंदिर के बनने से श्रद्धालुओं को आस्था का नया ठिकाना मिलेगा। नवरात्र के उपलक्ष्य पर देव परंपरा का निर्वहन करते हुए लक्ष्मी-नारायण के कारकुनों ने इस निर्माणाधीन मंदिर की छत का स्लेट विधि पूर्वक रखा, जिसमें भगवान रघुनाथ के छड़ीबरदार महेश्वर सिंह ने कार्यक्रम में पूजा-अर्चना और वैदिक विधि पूजा-पाठ कर अहम भूमिका निभाई। मंदिर के निर्माण से घाटी में पांव पसार रहे पर्यटन व्यवसाय को भी पंख लगेंगे। भव्य मंदिर का सपना साकार होता देख घाटी के देव समाज में उत्साह का माहौल है। वहीं, अब लक्ष्मी-नारायण

लक्ष्मी-नारायण मंदिर की छत के निर्माण कार्य के शुभारंभ मौके पर मौजूद लोग।

कमेटी ने इस मंदिर निर्माण के लिए कमर कस ली है। रघुनाथ जी के छड़ीबर दार महेश्वर सिंह के साथ लक्ष्मी-नारायण मंदिर निर्माण कमेटी व उपस्थित हरियाना के लोगों ने मंदिर में स्थापित की जाने वाली मूर्तियों के बारे में विचार-विमर्श किया। भगवान रघुनाथ के छड़ीवरदार महेश्वर सिंह ने मंदिर में लकड़ी की नक्काशी द्वारा तैयार की जाने वाली मूर्तियों में भगवान विष्णु के 24 अवतार अंकित करने की सलाह दी। मंदिर की पहली मंजिल पर स्थापित चार गुमदो में चार मूर्तियां स्थापित करने पर भी विचार-विमर्श किया।

पर्यटन की दृष्टि से बनेगा आकर्षण का केंद्र

यह मंदिर तैयार होने के बाद पर्यटन की दृष्टि से आकर्षण का केंद्र बनेगा। इतना आलीशान मंदिर सैंज घाटी की 17 पंचायत में कहीं पर भी स्थापित नहीं है, जिस तरह की शैली से इस मंदिर का निर्माण हो रहा है। वह अपने आप में अद्भुत है और उसे अति प्राचीन माना जा रहा है। देव लक्ष्मी-नारायण के प्रधान लुदर नेगी ने बताया कि समस्त कमेटी के पदाधिकारी एकजुट होकर इस मंदिर को एक साल के भीतर तैयार करेंगे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर लक्ष्मी-नारायण के गुर तमेशवर शर्मा, धामी जुगत राम, कारदार जगरनाथ, पालसरा यान सिंह नेगी, गंठीदार किशन सिंह, पालसरा लीलाधर, भंडारी रमेश धामी, सलाहकार सुरेंद्र नेगी, गुर लीलाधर, बजानवाज प्रमुख सेसराम, दुर्गा धीमी, गोविंद सिंह लंभरदार, आशादीप कंस्ट्रक्शन कंपनी के अध्यक्ष पृथी सिंह पाल आदि विशेष रूप से इस मौके पर उपस्थित रहे।

अटल के सपनों में शुमार था मंदिर

वर्ष-1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी ने लक्ष्मी-नारायण सैंज के मेला मैदान में पार्वती जल विद्युत परियोजना की आधारशिला रखी थी। उन्होंने मैदान में देव लक्ष्मी-नारायण के भव्य मंदिर बनाने की इच्छा जाहिर की थी। उसी समय इस मंदिर निर्माण के लिए परियोजना के अधिकारियों को आदेश दिए थे। परियोजना का निर्माण कर रही कंपनी एनएचपीसी ने उसके बाद उनकी इच्छा के अनुरूप लाडा के तहत दो करोड़ रुपए की धनराशि 2010 में जारी कर दी थी।

कृष्ण के जयघोषों से गूंजा जलोड़ी

आनी के ठाकुर मुरलीधर मंदिर बटाला में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

आनी के ऐतिहासिक मुरलीधर मंदिर बटाला में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ मौके पर कलश यात्रा में भाग लेते लोग।

अनंत ज्ञान, आनी

आनी के ऐतिहासिक एवं प्राचीन ठाकुर मुरलीधर मंदिर बटाला में बुधवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का जलयात्रा के साथ शुभारंभ हो गया।

जलयात्रा में क्षेत्र की हजारों महिलाओं तथा क्षेत्र की जनता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों ने प्राचीन भजन जती व नटाउक गीत गाकर माहौल भक्तिमय बनाया। शुभारंभ अवसर पर आनी विस क्षेत्र के विधायक लोकेंद्र कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने श्रीमद्भागवत पुराण धार्मिक आयोजन की क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। कमेटी के कारदार रामानंद शर्मा ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा पुराण में सुंदरनगर के प्रसिद्ध आचार्य ज्ञान चंद शर्मा कथा प्रवचन करेंगे, जबकि प्रत्येक दिन भंडारे का आयोजन होगा। क्षेत्र की बटाला, खणी, खनाग, लझेरी, कमांद और कोहिला पंचायत की जनता भगवान कृष्ण मंदिर की अधिकार क्षेत्र में आती है, जबकि क्षेत्र के एकमात्र कृष्ण मंदिर ठाकुर मुरलीधर बटाला में मौजूद है, जिसमें पूरी आउटर सिराज क्षेत्र की जनता की मान्यता है। उन्होंने सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन के लिए क्षेत्र की जनता से सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर विधायक लोकेंद्र कुमार, अमर ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश भार्गव के अलावा योगेश वर्मा, कृष्ण ठाकुर, प्रधान रोशन लाल, प्रधान डोलमा सोनी तथा देवेंद्र देवता के कारकून व कमेटी के पदाधिकारी सदस्य सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना आज मनाली में

मनाली। मंडी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत आज वीरवार को मनाली में जनसभा को संबोधित करेंगी। उनके स्वागत के लिए मनाली भाजपा मंडल ने सभी तैयारी कर ली हैं। मनाली पहुंचने पर कंगना का भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया जाएगा। टिकट लेने के बाद कंगना पहली बार मनाली आ रही हैं। हालांकि कंगना का मनाली के सिमसा में भी अपना घर है, लेकिन राजनीतिक में कदम रखने के बाद कंगना पहली बार मनाली आ रही हैं। कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने के बाद भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मंडी संसदीय क्षेत्र के प्रभारी गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना मनाली आएंगी।

केसर सिंह जल शक्ति विभाग के अध्यक्ष

भुंतर। जिला कुल्लू इंटक के अध्यक्ष खीमी राम चौहान ने केसर सिंह ठाकुर को जलशक्ति विभाग जिला कुल्लू का अध्यक्ष बनाया है। खीमी राम चौहान ने कहा कि यह नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू मानी जाएगी। खीमी राम ने बताया कि केसर सिंह हमेशा ही मजदूरों के हितैषी रहे हैं और मजदूरों के सुख-दुख में हमेशा साथ देते हैं। यह एक ईमानदार और कर्मठ कार्य करता है। इसलिए इन्हें कुल्लू जलशक्ति विभाग के अध्यक्ष की कमान सौंपी है।

संजय सिंह को प्रेस क्लब मनाली की कमान

मनाली। इंटरनेशनल प्रेस क्लब मनाली के चुनाव बुधवार को हुए। इस दौरान तीन प्रत्याशियों संजय भारद्वाज, राज कुमार डोगरा और मधुबाला के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें संजय भारद्वाज को विजयी घोषित किया गया। महासचिव संजय को चुना गया। उपप्रधान राजन राय एवं घनश्याम शर्मा को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष चुना गया, बाकि की कार्यकारिणी को भी सर्वसम्मति से चुना जाएगा। नव निर्वाचित प्रेस क्लब के प्रधान ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा महत्वपूर्ण अंग है।

हिमालयन रोपवे सोलंग में मॉकड्रिल का आयोजन

मनाली। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कुल्लू के तत्वावधान एनडीआरफ 14 वीं वाहिनी नूरपुर कांगड़ा एवं समस्त संबंधित विभागों के सहयोग से स्की हिमालयन रोपवे सोलंग मनाली में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रोपवे प्रणाली की तत्परता और कुशलता को मापना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा का मुल्यांकन करना था।

पैराग्लाइडर पायलट ले रहे प्रशिक्षण

मनाली। हिमाचल प्रदेश में हो रहे पैराग्लाइडिंग हादसों को कम करने के लिए पैराग्लाइडर पायलट विशेष प्रशिक्षण शिविर ले रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संबद्ध खेल संस्थान मनाली प्रोफेशन पायलट को हादसों में बचाव की जानकारी दे रहा है। प्रशिक्षण शिविर पौंग बांध में चल रहा है। अब तक 100 से अधिक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

मतदान केंद्रों में प्रस्तुत करना होगा पहचान पत्र

कुल्लू। डीसी तोरुल एस रवीश ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दो-मंडी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कुल्लू के सभी निर्वाचक, जिन्हें मतदाता फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं। लोकसभा निर्वाचन-2024 में एक जून को मतदान केन्द्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय उन्हें अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा।

काजा में तहसीलदार ने किया विभाग की टीम के साथ 18 दुकानों का किया निरीक्षण

व्यापारियों से वसूला 31,580 जुर्माना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की टीम ने तहसीलदार काजा भूमिका जैन की अगुआई में कई दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ विशेष तौर पर विभाग की ओर से निरीक्षक चंदू लाल मौजूद रहे।

काजा क्षेत्र में फल एवं सब्जी विक्रेताओं करियाना व चिकन, मीट विक्रेताओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मीट, सब्जी तथा करियाना के कुल 18 व्यापारियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय 10 व्यापारियों की दुकानों में अनियमितताएं पाई गई। एसडीएम स्पीति द्वारा निर्धारित थोक, परचून लाभांश एवं मूल्य सूची प्रदर्शन करने के संबंध में जांच पड़ताल की गई। 10 विक्रेताओं द्वारा मूल्य सूची प्रदर्शित न करने तथा अनियमितताएं पाए जाने पर निर्धारित लाभांश से अधिक विक्रय मूल्य वसूले जाने के कारण 231 किलो फल व सब्जी तथा 97 किलो खाद्य पदार्थ जब्त कर मूल्य 24580 जुर्माना किया गया। दो अन्य मीट व चिकन विक्रेताओं से 12 किलो मीट जब्त कर 7000 रुपए जुर्माना वसूला गया। परचून लाभांश एवं मूल्य सूची प्रदर्शन करने के संबंध में कुल 10 व्यापारियों से 31,580 जुर्माना वसूला गया।

तहसीलदार काजा बाजार में दुकानों का निरीक्षण करते हुए।

खराब फल, सब्जियों को अलग कर करें नष्ट

इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा प्रदेश जीव अनाशित कूड़ा-कचरा अधिनियम-1995 के अंतर्गत परिसर में सड़े गले सब्जियों व कचरा के निरीक्षण भी किया गया। इसके अतिरिक्त हर्ष अमरेंदर सिंह नेगी, कार्यकारी उपमंडल अधिकारी स्थित काजा द्वारा व्यापारियों को निर्देश जारी किए कि सभी व्यापारी निर्धारित परचून लाभांश से अधिक मूल्य न वसूले एवं मूल्य सूची प्रदर्शन करना सुनिश्चित करें। गली-सड़े फल, सब्जियों को अलग कर उचित माध्यम से नष्ट करना सुनिश्चित करें। भविष्य में भी इस प्रकार का निरीक्षण जारी रहेंगे व दोषी पाए जाने पर इससे अधिक जुर्माना वसूला जाएगा।

लाहौल-स्पीति और कुल्लू में फिर बर्फबारी का दौर शुरू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग/ मनाली

कुल्लू जिला सहित जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की पहाड़ियों पर एक बार फिर बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है।

बुधवार सुबह के समय जहां कुल्लू व लाहुल घाटी में धूप खिली थी। वहीं, शाम के समय दोनों जिलों की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी शुरू हो गई। वहीं, टनल के दोनों ओर मुहानों पर बर्फ के फाहे गिरने का दौर शुरू हो गया है। उधर, रोहतांग पास, कुंजोम पास, बारालाचा, जिंगजिंगबार, हनुमानी टिब्बा, चंद्र खनी, जाना, मलाणा आदि स्थानों में बर्फबारी शुरू हो गई है। कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति के ऊंचे भागों में जहां बर्फबारी हो रही है, तो वहीं निचले इलाकों में बारिश का दौरा चला हुआ है।

गुलाबा में लौटने लगी रौनक

चार महीने बाद पर्यटन स्थल गुलाबा में रौनक लौटने लगी है। सिस्सू व कोकसर के बाद गुलाबा सैलानियों का तीसरा स्नो प्वाइंट बन गया है। हालांकि टनल के दोनों छोर भी पर्यटकों की पहली पसंद बनी हुई है, लेकिन सिस्सू व कोसकर की ओर भी पर्यटक भारी मात्रा में रुख कर रहे हैं।

बेरियर को किया शिफ्ट

पुलिस ने कोठी में स्थापित बेरियर को गुलाबा शिफ्ट कर दिया है। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि गुलाबा की ओर पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई है। आज पहले दिन पर्यटकों की संख्या नाममात्र रही। धीरे-धीरे पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

भुंतर बस स्टैंड समीप युवक का शव बरामद

कुल्लू। कुल्लू के भुंतर स्थित बस स्टैंड के समीप एक युवक का शव बरामद हुआ है। पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू के शव गृह पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार भुंतर पुलिस को एक सूचना मिली थी कि यहां पर बस स्टैंड के समीप एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने इस बारे में आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि यह शव भुइंन गांव के रहने वाले पुष्कर (19) का है। छानबीन में पता चला कि पुष्कर नशे का आदी था और नशे की ओवरडोज लेने के चलते इसकी मौत हुई है। ऐसे में पुलिस ने मृतक के परिजनों के भी बयान दर्ज किए हैं और इस मामले में आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर, एसपी ने बताया कि भुंतर पुलिस की टीम ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद युवक की मौत के सही कारण पता चलेंगे।

दो व्यक्तियों से 2.76 चिट्टा 13 हजार 500 नकदी बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

पर्यटन नगरी मनाली में पुलिस ने दो व्यक्तियों के कब्जे से चिट्टा बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस थाना मनाली की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर संजीव कुमार (29 वर्ष) पुत्र प्यारे लाल निवासी गांव हरनोज डाकघर जामथल जिला बिलासपुर व गौरव कुमार (26 वर्ष) पुत्र सीता राम निवासी गांव व डाकघर जामथल बिलासपुर के रिहायशी क्वार्टर पताणू (छियाल) समीप पुलिस स्टेशन मनाली में तलाशी की, तो इस दौरान 2.76 चिट्टा व 13 हजार 500 रुपए नकदी बरामद की गई, जिसके चलते पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर मनाली थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

चरस के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

भुंतर पुलिस ने एक व्यक्ति को चरस तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना भुंतर की टीम ने बागर नाला में नाकाबंदी के दौरान लाल चंद (29 वर्ष) पुत्र फतेह चंद निवासी हवाई डाकघर शियाह के कब्जे से 802 ग्राम चरस बरामद की है, जिसके चलते पुलिस ने भुंतर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

राजेंद्र नैयर को कुल्लू सीवरेज आउटसोर्स कर्मचारियों की कमान

कुल्लू इंटक के चुनाव में जीते प्रतिभागी।

अनंत ज्ञान, भुंतर

कुल्लू इंटक के अध्यक्ष खीमी राम चौहान की अध्यक्षता में कुल्लू इंटक के चुनाव भुंतर में संपन्न हुए, जिसमें सर्वसम्मति से राजेंद्र नैयर को कुल्लू सीवरेज आउटसोर्स कर्मचारियों का अध्यक्ष चुना गया। कुलदीप ठाकुर सचिव, उपाध्यक्ष विजय कुमार, कोषाध्यक्ष संतराम, मुख्य सलाहकार संजय कुमार, सदस्य राकेश ठाकुर, लच्छी राम, श्यामचंद, खोजी राम, नरेश कुमार, विजय कुमार, कमल ठाकुर, बालक राम व अशोक कुमार को बनाया गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष राजेंद्र नैयर ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, उसमें ईमानदारी पूर्वक निभाऊंगा और सबको साथ लेकर चलूंगा। मजदूरों की समस्याओं को मिलकर हल करेंगे। जिम्मेदारी देने के लिए उन्होंने जिला इंटक के अध्यक्ष खीमीराम चौहान और वरिष्ठ नेताओं का अभार प्रकट किया।

भारत में मतदान का बड़ा महत्व : मनमोहन

अनंत ज्ञान, आनी

हिमालयन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल आनी में स्वीप टीम ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर स्वीप टीम आनी के सहायक नोडल अधिकारी मनमोहन शर्मा, स्वीप टीम के सदस्य राकेश ठाकुर, नेहरू युवा केंद्र आनी के समन्वयक संजय छोटू, स्कूल के प्रधानाचार्य देवेंद्र सहित विद्यालय के अन्य अध्यापक मौजूद रहे।

इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी मनमोहन शर्मा ने कहा कि हर एक मतदाता का यह फर्ज बनता है कि वह लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान में हर हाल में भाग लें

हिमालयन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कार्यशाला के दौरान मौजूद स्टूडेंट्स।

और पूरी तरह से जागरूक होकर एक योग्य प्रत्याशी को ही मतदान करें, जबकि ऐसे प्रत्याशी को कतई वोट न करें, जिसके लिए बाद में पछताना पड़े। मनमोहन ने बताया कि भारत में मतदान का बड़ा महत्व है। इसी महत्व के मद्देनजर भारतीय चुनाव आयोग की तरफ से सौ फीसदी मतदान के लिए विशेष अभियान छेड़ा गया है, जहां लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए प्रबंध किए जा रहे हैं। 80 साल से अधिक आयु के बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों और कोरोना से पीड़ित मरीजों के लिए उनके घर पर बैलेट पेपर से मतदान के प्रबंध किए गए हैं।

24 जस्ती चादरें कीं भेंट

कुल्लू। कुल्लू जिले की उझी घाटी के बेंची पंचायत के मलोगी गांव के बुध राम का मकान दिसंबर 2023 में जल गया था। आगजनी की घटना में मकान के साथ उनका सारा समान भी जल गया था। फिलहाल पीड़ित परिवार महिला मंडल भवन में रह कर अपनी गुजर-बसर कर रहा है। सोशल मीडिया में इनकी व्यथा का प्रसारण होने पर कार सेवा दल कुल्लू और प्रयास फाउंडेशन भुंतर ने संयुक्त रूप से इस परिवार को मकान/शेड बनाने के लिए इनकी जरूरत अनुसार दस और बारह फुट लंबी 24 जस्ती चादरें भेंट कीं।

सुविधा | गांव में पहले दाह संस्कार के लिए अस्थायी श्मशानघाट का किया जाता था इस्तेमाल

डुगीलग में चार लाख से तैयार हुआ श्मशानघाट

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू

डुगीलग पंचायत में गांव के लिए पैदल रास्ता और श्मशानघाट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। ग्रामीणों के अनुसार डुगीलग गांव में पहले अस्थायी श्मशानघाट का इस्तेमाल दाह संस्कार के लिए किया जाता था, जिसके लिए एक स्थान निश्चित नहीं था। मगर अब पंचायत के प्रयास ओर ग्रामीणों की मांग पर घराट के नजदीक बलासी में स्थायी श्मशानघाट का निर्माण किया गया है।

डुगीलग पंचायत की प्रधान रजनी ने श्मशानघाट के निर्माण के बारे में बताया कि गांव में स्थायी श्मशानघाट का होना बहुत जरूरी था और इस

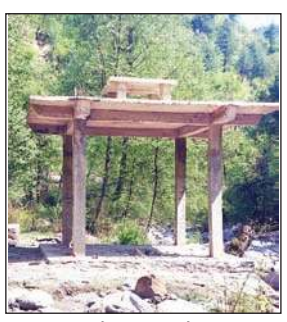

श्मशानघाट के निर्माण के लिए चार लाख के बजट का प्रावधान किया गया था। श्मशानघाट का निर्माण पूरा हो चुका है बस अब शव को अग्नि देने के लिए बनाए जाने वाला खांचे को बनाया जाना बाकी है। इसके साथ ही गांव को जोड़ने वाले रास्ते का भी निर्माण कार्य पूरा हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ महीनों पहले हुई बारिश में हुए भूस्खलन के कारण गांव की ओर जाने वाला रास्ता बंद हो गया था, जिस कारण ग्रामीणों के लिए रास्ते से आना-जाना मुश्किल हो गया था। ग्रामीणों के अनुसार भूस्खलन में नष्ट हुए रास्ते की वजह लोगों को आने-जाने के लिए खेतों से आना-जाना पड़ता था, जिससे ग्रामीणों को काफी असुविधा झेलनी पड़ती थी। 25 मार्च से चले रास्ते के इस कार्य को आठ अप्रैल को पूरा कर लिया गया और अब इस रास्ते के कार्य को पूरी तरह से पक्का किया गया है। (अनंत ज्ञान)

अधिकारियों ने दिया सहयोग

रास्ते के तैयार होने से जहां ग्रामीण खुश हैं, वहीं पंचायत प्रधान रजनी ने भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पंचायत में बहुत से कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है, श्मशानघाट ओर रास्ते का निर्माण गांव के लिए बहुत जरूरी था। इसलिए इस कार्य को तय समय पर पूरा कर दिया है और पंचायत के कार्य को पूरा करने में संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों ने सहयोग दिया है।

मां नयना देवी में उमड़ा आस्था का सैलाब

पहले नवरात्र में 13.45 लाख रुपए नकद, 9.4 ग्राम सोना और 1.9 किलो चांदी चढ़ा

अनंत ज्ञान, श्री नयना देवी जी

शक्तिपीठ श्री नयनादेवी मंदिर में नवरात्र शुरू हो गए हैं। दूसरे नवरात्र को सुबह से ही देशभर से काफी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया हैं। श्रद्धालु माता रानी के दरबार में माथा टेक परिवार की सुख समृद्धि की कामना कर रहे। नवरात्र के दौरान जहां श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर अपना जीवन धन्य करते हैं तो साथ ही प्राचीन हवन कुंड में आहुतियां डालकर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना भी करते हैं।

दूसरे नवरात्र के दिन श्री नयना देवी के विधायक रणधीर शर्मा ने भी अपने परिवार सहित माता जी की पूजा-अर्चना की और नवरात्र के इस पावन उपलक्ष्य पर सभी को बधाई। वहीं मंदिर न्यास के अध्यक्ष धर्मपाल ने भी श्री नयनादेवी मंदिर में माता जी के दर्शन किए और व्यवस्था का भी जायाजा लिया।

उन्होंने बताया कि माता श्री नयनादेवी के मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर न्यास हर तरह की सुविधा प्रदान कर रहा है और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु जगह-जगह

दूसरे नवरात्र पर शक्तिपीठ श्री नयनादेवी में दर्शनों के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतारें।

पर पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। वहीं साफ-सफाई की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र को 9 सेक्टर में बांटा गया है।

मेला सेक्टर मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने बताया कि पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली और अन्य प्रदेशों से लगातार माता के दरबार में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है और श्रद्धालुओं को लाइनों में माता जी के दर्शन कर रहे हैं। वहीं प्रथम नवरात्र पर मंदिर न्यास श्री नयना देवी जी को 13,45,634 रुपए नकद, तथा 9.4 ग्राम सोना और एक किलो 981 ग्राम चांदी चढ़ावे के रूप में प्राप्त हुए।

बडोल देवी में आज होगा जागरण व भंडारा

बिलासपुर। श्री मार्कंडेय गसौड जुखाला युवा सेवा दल लंगर समिति हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ बडोल देवी में विशाल जागरण व भंडारे का आयोजन करने जा रही है। समिति के कोषाध्यक्ष भूरा राम ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति मां बडोल देवी में विशाल जागरण व भंडारे का आयोजन करने जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस बार समिति 12वां जागरण व भंडारा करने जा रही है। समिति हर वर्ष चैत्र नवरात्र में तीसरे व चौथे नवरात्रे में मां बडोल देवी में जागरण तथा भंडारे का आयोजन करती है। इस बार 11 अप्रैल को विशाल जागरण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बिलासपुर के मशहूर भजन गायक परम जीत पम्मा तथा हमीरपुर की मनीषा ठाकुर मां का गुणगान करेगी। वहीं 11 व 12 अप्रैल को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। इस बारे बुधवार शाम को समिति ने जुखाला में एक बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सतीश ठाकुर ने की।

शिमला पब्लिक स्कूल की छात्राओं को नशा न करने की दिलाई शपथ

स्कूल की छात्राओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते गणमान्य।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजधानी शिमला में बुधवार को सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा वित्त पोषित और मानव कल्याण सेवा समिति चौपाल जिला शिमला ने नगर निगम शिमला में चल रहे नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूक किया जा रहा है।

शिमला पब्लिक स्कूल में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। दीपक सुंदरियाल ने कहा कि शिमला नगर निगम के अंतर्गत सभी स्कूलों में बच्चों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। शिमला के प्रतिष्ठित स्कूल शिमला पब्लिक स्कूल में किशोरों से नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा पियर प्रेशर को सही दिशा में नियंत्रित करने के सुझाव दिए।

संस्था के ट्रेनर वीरेंद्र कुमार व नीलम चौहान द्वारा स्कूल की छात्राओं को नशा न करने की शपथ भी दिलाई व उन्हें नशे के खिलाफ एकजुट होकर अपने अपने वार्ड में जागरूकता फैलाने में सहयोग देने का आग्रह भी किया।

अभिषेक सोनी व महेश बंसल के भजनों पर झूमे भक्त

भारतीय नववर्ष व चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर भजन संध्या का आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर के साथ लगते चांदपुर में भारतीय नववर्ष व चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। नववर्ष अभिनंदन आयोजन समिति चांदपुर के तत्वावधान में प्राचीन शिव मंदिर के परिसर में आयोजित भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक सोनी व गायक महेश बंसल ने अपने भजनों से प्रभु महिमा का गुणगान किया।

इस मौके राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह किस्मत कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। भजन संध्या का आगाज गायक महेश बंसल ने गणेश वंदना से किया। उन्होंने प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, खेल गिट्टियां दियां खेलां व मेरा भोला है भंडारी जट्टाधारी अमली आदि भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद भजन गायक अभिषेक सोनी ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर पंडाल में मौजूद भक्तों को खूब झुमाया। उन्होंने सतगुरु मेरे, तैनू कित्थे मैं बिठावां, आ लौट के आजा हनुमान, शबरी संवारे रास्ता, आज मेरी

प्रभु महिमा का गुणगान करते प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक सोनी

दाती ने आना है, पहाड़ा बीच रैन वालिए, मंदरा दा नजारा, मेरे श्याम नू मना लो कोई व मेरे राम लला घर आए हैं सहित कई भजन सुनाए।

मुख्यातिथि किस्मत कुमार ने भजन गायक अभिषेक सोनी को हिमाचली टोपी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। किस्मत कुमार कहा कि अपनी परंपरा को संजोए रखने के लिए आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने की आवश्कता है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक प्रकाश, सह संयोजक शिव विशिष्ठ, सुशील कौशल व शिव नड्डा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सर्वेश्वर महादेव मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

झंडूता। श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर आनंदघाट में बुधवार को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा का शुभारंभ महंत रुकमेश्वर महाराज की अध्यक्षता में किया गया। मंदिर कमेटी द्वारा आनंदघाट के नरसिंह मंदिर झंडूता तक कलश शोभा यात्रा निकाली गई, इसमें सभी गांव वायिसों नें बढ़-चढकर भाग लिया। मंदिर कमेटी द्वारा बताया गया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। कथा में वृदांवन से आए प्रसिद्ध पंडित श्री संदीप शास्त्री जी प्रवचन देंगे।

भगवत कथा का शुभारंभ पर मौजूद श्रद्धालु।

एम्स भोपाल के डीन कपल ने मोरसिंघी नर्सरी के खिलाड़ियों को दिया आशीर्वाद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

एम्स भोपाल से डीन कपल के साथ नर्सरी के संचालक व खिलाड़ी।

देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बना चुकी जिला बिलासपुर की मोरसिंघी हैंडबॉल नर्सरी यानी आर्यावर्त खेल अकादमी में गत दिवस एम्स भोपाल से डीन कपल ने खिलाड़ियों को नर्सरी में पहुंचकर अपना आशीर्वाद दिया। नर्सरी में गत दिवस डॉ. जगत राकेश कंवर व डॉक्टर रुपिंदर कौर कंवर दोनों पति-पत्नी ने शिरकत की।

उन्होंने नर्सरी में अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सेहत से संबंधित जरूरी टिप्स दिए। उन्होंने स्नेहलता की व उनके पति सचिन चौधरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हैंडबॉल नर्सरी चलाकर इन दोनों ने 50 से भी ज्यादा अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी तैयार किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकर भारत की महिला हैंडबॉल टीम के लिए विभिन्न वर्गों में मेडल जीत रहे हैं। इसके अलावा 200 के करीब राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत रहे हैं। यह सभी खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में मेडल जीतकर अपनी नर्सरी व कोच का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने मोरसिंघी हैंडबॉल नर्सरी की संचालिका व कोच स्नेहलता को इन खिलाड़ियों के लिए हर सम्भव मदद करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान संचालकों की ओर से दंपती को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर भारतीय महिला हैंडबॉल टीम के कोच सचिन चौधरी व खिलाड़ी उपस्थित थे।

नाटी किंग कुलदीप शर्मा के नाम रही घुमारवीं मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या

मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देते हिमाचली नाटी किंग कुलदीप शर्मा।

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

राज्य स्तरीय ग्रीष्मोत्सव घुमारवीं की अंतिम सांस्कृतिक संध्या हिमाचली नाटी किंग के नाम से मशहूर तथा गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड से सम्मानित कुलदीप शर्मा और सुप्रसिद्ध गायक कर्ण आर्य के नाम रही। इसके अलावा सुप्रसिद्ध गायिका श्रुति शर्मा व हेमंत शर्मा ने भी इस अंतिम संध्या में अपने गानों से खूब रंग जमाया।

मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या को इन कलाकारों ने यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सांस्कृतिक संध्या की विधिवत शुरुआत जिला उपायुक्त बिलासपुर आबिद हुसैन सादिक ने ज्योति प्रज्वलन कर की। इसके बाद मेला कमेटी द्वारा मुख्य अतिथि को शॉलए टोपी तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

अंतिम दिन स्थानीय कलाकारों में बिरि सिंह ने बांसुरी वादन, सीताराम एंड पार्टी ने गुग्गा गाथा, ठाकुर द्वारा महिला मंडल सुन्हानी, जय हडिंबा स्वयं सहायता समूह कोलडेम, महिला जागृति समिति कल्लर, महिला मंडल बेनला ब्राह्मणा, शांतिनिकेतन महिला मंडल साई कनैता ने भी अपनी प्रस्तुति दी। हिमाचली मुंडा ने भी मंच पर खूब रंग जमाया। उसके उपरांत प्राइम टाइम में रात 8 बजे सृष्टि शर्मा ने स्टेज पर दस्तक दी और बेहतरीन गाने गाकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद हेमंत शर्मा ने दर्शकों को खूब नचाया। उस उपरांत कर्ण आर्य ने शिव कैलाशो के वासी भजन से अपनी शुरुआत की, एक के बाद एक पहाड़ी और बॉलीवुड गाने गाकर पूरा मंच संगीतमय कर दिया। अंत में रात 9 बजे नॉटी किंग कुलदीप शर्मा ने जब स्टेज संभाला तो उन्होंने शुरुआत गणेश वंदना से की। उसके बाद उन्होंने अपनी पहाड़ी नाटियों की ऐसी झड़ी लगाई कि पूरा पंडाल झूम उठा। कुलदीप शर्मा का जादू दर्शकों पर ऐसा चला कि राज्य स्तरीय ग्रीष्मोत्सव की यह अंतिम संध्या यादगार बन गई।

रोहतक के विकास ने जीती बड़ी माली

घुमारवीं। घुमारवीं स्थित सीरखड्ड के किनारे ऐतिहासिक मेला मैदान में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय ग्रीष्मोत्सव घुमारवीं पांच दिवसीय मेले संपन्न हो गया। समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथी उपायुक्त बिलासपुर आबिद हुसैन सादिक ने शिरकत की। उन्होंने ग्रीष्मोत्सव घुमारवी मेले में करवाई जा रही कुस्तियों में विजेता और उपविजेता पहलवानों को इनाम राशि देकर सम्मानित किया। मेले के अंतिम दिन कई नामी पहलवानों ने अपने दमखम दिखाए। बड़ी माली का फाइनल मुकाबला रोहतक के विकास और लुधियाना के गामा के बीच हुआ। इस मुकबले में विकास ने गामा को पटकनी देकर बड़ी माली का खिताब जीता। विजेता पहलवान विकास को 51 हजार रुपए और गुर्ज और उपविजेता पहलवान गामा को 41 हजार रुपए इनाम राशि दी गई, जबकि हिमाचल कुमार का फाइनल मुकाबला घुमारवी के निशांत व बरठीं के सूर्यांश के बीच हुआ। इधर, बिलासपुर कुमार का फाइनल मुकाबला नयना देवी के मोहित और मसौर के अभिनव के बीच हुआ। मोहित ने अभिनव को हराकर बिलासपुर कुमार बने। इस मुकाबले में विजेता पहलवान मोहित को 7100 रुपए और गुर्ज व् उपविजेता पहलवान अभिनव को 5100 रुपए इनाम राशि दी गई। वहीं सामान्य महिला कुश्ती में हमीरपुर की कृतिका का मुकाबला चांदपुर की सोनिका के बीच हुआ। इस मुकाबले में कृतिका ने सोनिका को हराकर विजेता रही। महिला कुश्ती की विजेता पहलवान कृतिका को भी 11 हजार रुपए व गुर्ज दिया गया, जबकि उपविजेता पहलवान सोनिका को नौ हजार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसडीएम घुमारवी गौरव चौधरी, डीएसपी घुमारवी चंद्रपाल सिंह मौजूद रहे।

आचार्य सुशील ने भागवत भक्ति के विविध आयामों पर डाला प्रकाश

अनंत ज्ञान, दधोल

श्रीमद् भागवत कथा में मौजूद श्रद्धालु।

घुमारवीं उपमंडल के कुलारू गांव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का विधिवत समापन हो गया। इस महायज्ञ के अंतिम दिन हवनपाठ पूर्णाहुति आदि कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर कथावाचक आचार्य सुशील शर्मा ने भागवत भक्ति के विविध आयामों पर प्रकाश डाला।

इस दौरान पूरा पंडाल बांके बिहारी लाल की जय के जयकारों से गूंज उठा। कथा की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमान परिवार की ओर से पूजा-अर्चना के साथ कथा वाचक आचार्या सुशील शर्मा ने किया। कथा व्यास ने बताया कि श्रीमद् भागवत का अर्थ है भगवान में रत लीन हो जाना। उन्होंने अंतिम दिन गोपी लीला का वर्णन कर भक्तों को उद्धव-गोपी संवाद का रसास्वादन कराया।

पुलिस ने नष्ट किए लहसुन के साथ उगाए 255 अफीम के पौधे

बिलासपुर। बरमाणा थाना के तहत आते पलोग गांव में एक व्यक्ति अपने घर में अफीम के पौधों की खेती करता हुआ पाया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अफीम की खेती को नष्ट किया है और उक्त आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार बरमाणा थाना के तहत आने वाली पुलिस चौकी नम्होल के अंतर्गत पालेग गांव के निवासी रामलाल डॉ. दगसेच तहसील सदर जिला बिलासपुर अपने घर में लहसुन की खेती के साथ अफीम की खेती कर रहा था। पुलिस को इसकी सूचना मिली और नम्होल चौकी की टीम ने छापामारी कर सारी जांच पड़ताल की। ऐसे में पाया कि व्यक्ति ने लगभग 255 अफीम के पौधे लगाए हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उधर, बिलासपुर डीएसपी मदन धीमान ने बताया कि पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, छानबीन जारी है।

संविधान बचाओ अभियान ने पकड़ी रफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

लोगों को संविधान के बारे में जागरूक करने के दौरान मोर्चा के सदस्य एक साथ।

हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक वर्ग संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा संविधान बचाओ अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। जिला प्रधान एवं सेवानिवृत्त डीएसपी तथा जिला महासचिव नंद लाल आचार्य के नेतृत्व में यह अभियान झंडूता विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय है।

संयुक्त संघर्ष मोर्चा झंडूता ब्लॉक के प्रधान अमरनाथ की अगुआई में विभिन्न पंचायतों और गांवों में जाकर लोगों को जागरूक किया। नंद लाल आचार्य ने कहा कि वर्तमान में संविधान से की जा रही छेड़छाड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक साबित होगी। संविधान में निरंतर हो रहे संशोधन इस बात का सूचक हैं कि आने वाले समय में समाज के कुछ वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा। आचार्य ने कहा कि अब एकजुट होना अत्यंत जरूरी हो गया है। आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर जयंती को भव्य तरीके से मनाने के लिए भी मंथन एवं निमंत्रण दिए जा रहे हैं।

घुमारवीं के अंबेडकर भवन में इस कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसके लिए समितियों और उप समितियों का गठन कर जिम्मेवारियां सौंप दी गई हैं। अधिकांश कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रदेश स्तरीय होगा।

वहीं खंड प्रधान अमरनाथ ने बताया कि सोमवार को झंडूता के कजैल, मुकड़ाना, सुन्हाणी, डूहक, बरठीं, फटोह, टिहरा आदि में लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर अमरनाथ मोहिल्ला, कर्म सिंह, सूबेदार रमेश कुमार, इंजीनियर किशोरी लाल, राकेश कुमार, नंदलाल, कैप्टन ओम प्रकाश, तरसेम आदि मौजूद रहे।

बरमाणा के 100 वर्षीय मतदाता रामदित्ता ने करवाया क्रिकेट मैच का शुभारंभ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

क्रिकेट मैच के शुभारंभ पर100 वर्षीय मतदाता रामदित्ता के साथ आयोजक।

बरमाणा की सीमेंट नगरी स्थित स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित एकदिवसीय अडानी प्रीमियम लीग नॉर्दन जोन क्रिकेट मैच प्रतियोगिता के शुभारंभ में नालग के 100 वर्षीय रामदित्ता ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि मुख्य संयंत्र प्रबंधक व सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर संजय वशिष्ठ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

इस दौरान मुख्यातिथि रामदित्ता को एसीसी अडानी ग्रुप की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर स्क्वाड्रन लीडर संजय वशिष्ठ ने कहा अडानी ग्रुप समाज को संदेश देना चाहता है कि बरमाणा क्षेत्र के सबसे लंबी आयु के 100 वर्षीय अनुभवी मतदाता रामदित्ता भारत निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं तो आज का युवा भी सुनिश्चित कर लोकतंत्र के महापर्व के भागीदार बने। इस दौरान इस क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का शुभारंभ बुजुर्ग मतदाता रामदित्ता ने विधिवत शुभारंभ करवाया।

संजय ने कहा कि अनुभवी वरिष्ठ नागरिक राम दित्ता की जीवन शैली और अनुभव हमारी युवा पीढ़ी और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे।

सहायता | **पैसों के अभाव में इलाज को तरस रहे सड़क हादसे में घायल प्रवासी नौजवान**

धनराशि एकत्र करने में जुटा बरमाणा महिला मंडल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

बिलासपुर जिले के बरमाणा और डैहर को जोड़ने वाले फोरलेन पुल पर सड़क दुर्घटना में घायल हुए प्रवासियों के बच्चों को इलाज के लिए बरमाणा महिला मंडल अपने स्तर पर धनराशि इकट्ठी कर रहा है।

आपकों बता दें कि बीते चार दिन पहले फोरलेन पुल पर दो बच्चे सुबह-सुबह आर्मी में भर्ती होने के लिए दौड़ का अभ्यास कर हे थे। अचानक सुबह एक गाड़ी ने उन दोनों बच्चों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। काफी देर के बाद बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। इस दुर्घटना में एक बच्चे की दोनो टांगे

दुकानदारों से नौजवान युवकों के इलाज के लिए धनराशि एकत्र करता बरमाणा महिला मंडल।

गाड़ी के टायर के नीचे प्रेस हो गई। दोनों काफी घायल अवस्था में काफी समय तक छटपटाते रहे। बड़ी देर के बाद लोगों और पुलिस को घटना का पता चला। इन दोनों घायलों का नेर चौक मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। यह घटना सुबह के समय हुई और सुनसान जगह होने का फायदा उठा कर गाड़ी चालक फरार हो गया। अब इन गरीब प्रवासी बच्चों के इलाज के लिए अभी फिलहाल पांच लाख रुपए की मदद चाहिए। इसके लिए बरमाणा महिला मंडल ने इनकी मदद के लिए कदम उठाया है। महिला मंडल उनके इलाज के लिए हर दुकानदार से पैसे इकट्ठे कर रही है, ताकि इनका समय पर इलाज हो सके।

दो अलग-अलग प्रवासी परिवार के इन घायल बच्चों के परिजन बरमाणा में रेड़ी लगाकर अपना गुजारा कर रहे है। लोगों ने बताया कि ऐसे में इन बच्चों का भविष्य अब अधर में लटक गया है यही नहीं ये बच्चे अपना पालन पोषण भी नहीं कर पाएंगे।

इलाज के लिए मदद की गुहार

सड़क दुर्घटना में घायल हुए इन नौजवान युवकों के इलाज के लिए बरमाणा महिला मंडल के पदाधिकारी जहां अपने स्तर पर धनराशि इकट्ठी कर रहे हैं वहीं उन्होंने इसके लिए प्रदेश की सुक्खू सरकार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से भी इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई है।

एनएच-पांच पर अतिक्रमण किया तो खैर नहीं

डीसी ने एसडीएम की अध्यक्षता में गठित की कमेटी, 20 अप्रैल से पहले होगी कार्रवाई, ट्रैफिक आवाजाही होती है प्रभावित

आर मोहन चौहान, सोलन

प्रदेश हाईकोर्ट की तरफ से नेशनल हाईवे-5 के परवाणू-सोलन और चंबाघाट-कैथलीघाट फोरलेन के किनारे अतिक्रमण हटाने के आदेश के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। डीसी सोलन ने इस संदर्भ में एसडीएम की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है।

इसमें पुलिस, नगर निगम, एनएचएआई और परिवहन के अधिकारी को शामिल किया गया है। प्रशासनिक टीम 20 अप्रैल, 2024 से पहले हाईवे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगी। एनएचएआई के मुताबिक चंबाघाट से सोलन, सपरून से रबोन, आंजी और समलेच में फोरलेन के किनारे अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और रेहड़ियां लगी हैं। इससे ट्रैफिक की आवाजाही प्रभावित होती है। इसको लेकर अब कानूनी कार्रवाई होगी। (अनंत ज्ञान)

सोलन के सपरून में हाईवे के किनारे अवैध तरीके से पार्क वाहन और रेहड़ियां।

प्रदेश हाईकोर्ट की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक नेशनल हाईवे-5 से अतिक्रमण और अवैध पार्किंग हटाने के लिए एसडीएम की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट के आदेश की पालना की जाएगी।

मनमोहन शर्मा, डीसी सोलन।

कोर्ट ने प्रशासन को जारी किए हैं निर्देश

एनएचएआई की याचिका पर प्रदेश हाईकोर्ट ने डीसी सोलन, एसपी सोलन और नगर निगम को अवैध पार्किंग और अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित विभाग का सहयोग करने को कहा है। सोलन में नेशनल हाईवे सहित शहर की मुख्य सड़कों में वाहनों की अवैध पार्किंग से ट्रैफिक समस्या बढ़ती जा रही है। इससे पुलिस को ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रखने में खासी मशक्त करनी पड़ती है। साथ ही राहगीरों को भी पैदल चलने में दिक्कतें आ रही हैं। रोड साइड वाहनों की पार्किंग से तंग आकर ट्रैफिक पुलिस पहले भी जिला प्रशासन को पत्र लिख कर वस्तुस्थिति से अवगत करवा चुके हैं। जिला प्रशासन ने विकराल होती ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए रोड साइड पार्क वाहनों को हटाने के लिए दो सप्ताह समय दिया था पर इस अपील का ज्यादा असर नहीं हुआ। पुलिस ने वाहन के चालान भी काटे पर समस्या का समाधान नहीं हुआ।

हाईवे सहित राजगढ़ रोड पर अधिक समस्या

हाईवे में सोलन से चंबाघाट तक, सपरून से समलेच तक, सिटी पुलिस चौकी से लेकर जौणाजी रोड, परवाणू-सोलन फोरलेन में रबोन, सपरून, बाइपास, सब्जी मंडी से चंबाघाट तक रोड साइड पार्किंग हमेशा वाहन दुर्घटना का खतरा रहता है। इससे जहां एक तरफ राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अतिक्रमण के चलते सपरून और माल रोड पर अक्सर जाम की स्थिति भी देखने को मिल रही है। इससे ट्रैफिक पुलिस नाखुश है। पुलिस जैसे ही एक तरफ से जाम को खुलवाने की कोशिश करती है, तो दूसरी तरफ अतिक्रमण होने के चलते फिर जाम लग जाता है। वहीं, माल रोड पर बने फुटपाथ पर भी अतिक्रमण है। इसके चलते यहां से लोग नहीं गुजर सकते हैं और मजबूरी में सड़क पर चलते हैं। यहां कई बार कुछ लोगों को वाहनों से चोटें भी आई हैं। इतना ही नहीं डीसी ऑफिस से कोटलानाल तक कई जगहों पर तो लोगों ने मनमानी कर वाहनों को पार्क करने के लिए लोहे के एंगल लगा कर कब्जा कर रखा है।

रेहड़ी-फड़ी चालकों को रोजी-रोटी की चिंता

नेशनल हाईवे के तहत सोलन-परवाणू फोरलेन में लगी रेहड़ियों को हटाने को लेकर प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद सैकड़ों रेहड़ी-फड़ी चालकों को रोजी-रोटी की चिंता सताने लगी है। इसका संज्ञान लेते हुए मां शूलिनी रेहड़ी-फड़ी विकास समीति सपरून बाईपास सोलन ने निगम सोलन की आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है, जिसकी कॉपी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी भेजी गई है। ज्ञापन में हाईवे से विस्थापित करने से पहले रेहड़ी-फड़ी चालकों को मिले स्थायी ठिकाना दिए जाने की मांग की गई है।

काली स्थान मंदिर में नवरात्र पर उमड़ी भीड़, लगी लंबी कतारें

नाहन स्थित मंदिर में चैत्र के नवरात्र पर माता के दर्शन को पहुंचे भक्तजन।

अनंत ज्ञान, नाहन

नाहन स्थित श्री काली स्थान मंदिर में चैत्र के नवरात्र पर माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ प्रतिदिन उमड़ रही है। भक्त लंबी कतारों में खड़े होकर माता के दर्शन कर रहे हैं। सुबह चार बजे मंदिर के कपाट खुल जाते हैं, जिसके बाद मंदिर में भक्त माता रानी के दर्शनों के लिए आना शुरू हो जाते हैं। मां काली स्थान मंदिर नाहन का एक प्राचीन मंदिर है। नवरात्र में यहां सुबह-शाम लंबी-लंबी कतारों में भक्त दर्शन करते नजर आते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन के कारोबार पर नहीं लगा अंकुश

पांवटा साहिब। पांवटा साहिब में अवैध खनन आम बात हो गई है। जहां बड़े पैमाने पर यमुना नदी के समीप अवैध खनन होता है। इतना ही नहीं डीएसपी कार्यालय भी इससे दूर नहीं है, जहां लगातार अवैध खनन होता है। यहां दिनदहाड़े जमकर अवैध खनन का कारोबार चलता है। पांवटा साहिब के यमुना नदी में अवैध खनन किसी से छुपा नहीं है। समाज सेवक रविंद्र ठाकुर ने कहा कि पांवटा साहिब में अवैध खनन का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। अवैध खनन की वजह से नशे के कारोबार में भी बढ़ोतरी हो रही है। पुलिस पर भी सवाल खड़े होते हैं कि पुलिस प्रशासन क्यों लापरवाह नजर आ रहा है। पुलिस और वन विभाग के कुछ अधिकारी कार्रवाई तो करते हैं, लेकिन गिने चुने कुछ लोगों को पकड़ा जाता है। इस प्रकार अवैध खनन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। खनन विभाग की ओर से कार्रवाई न करने से अवैध खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं और वह लगातार अवैध खनन में जुटे हुए हैं।

स्वीप टीम ने मतदान के महत्व की दी जानकारी

सोलन। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अर्की विधानसभा क्षेत्र की सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता (स्वीप) टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाड़लाघाट में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। स्वीप टीम के प्रभारी प्रो. यशपाल शर्मा ने बताया कि दाड़लाघाट स्कूल के समस्त कर्मचारी वर्ग, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को मताधिकार के महत्व के बारे में अवगत करवाया गया। वोटर हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से नए मतदाता के पंजीकरण की जानकारी भी दी गई। स्वीप टीम के सहायक प्रभारी डॉ. हेमराज सूर्य तथा प्रो. योगेश कुमार ने कहा कि वोट का अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। ज़िला निर्वाचन विभाग अर्की विधानसभा क्षेत्र में अधिक से अधिक मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें सभी मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी अति महत्वपूर्ण है।

विक्रमादित्य को लोकसभा में उतारकर भविष्य दांव पर लगा रहे सुक्खू : प्रताप

अनंत ज्ञान, नाहन

मुख्यमंत्री जानते, प्रदेश में कांग्रेस के हालात नहीं ठीक

सिरमौर भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी प्रताप सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह से लोकसभा चुनाव लड़वा कर उनका राजनीतिक करियर खत्म करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री भली-भांति जानते हैं कि अभी प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के हालात ठीक नहीं है इसलिए वह विक्रमादित्य को लोकसभा चुनाव लड़वा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पिछले दिनों अपने जारी बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मुख्यमंत्री की कार्य प्रणाली से खुश नहीं है क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले जो प्रदेश की जनता को 10 बड़ी गारंटी दी थी, उसमें से आज तक एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई है, जिससे प्रदेश की जनता का कांग्रेस पार्टी से मोह भंग हो चुका है। रावत ने बताया कि विक्रमादित्य मुख्यमंत्री के लिए कांटा है।

इसलिए वह विक्रमादित्य से लोकसभा चुनाव लड़वा कर उनका राजनीतिक करियर खराब करना चाहते हैं। भाजपा पीएम एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। उन्होंने बताया कि देश व प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी के झांसे में आने वाली नहीं है क्योंकि कांग्रेस पार्टी के नेता झूठी गारंटी देते हैं।

भावना मिस, नवनीत चुने मिस्टर फेयरवेल

नाहन। जिला सिरमौर के कालाअंब स्थित हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंस ने बीसीए बैच 2021-24 के लिए विदाई समारोह सायोनारा 2024 का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत ढोल के साथ वरिष्ठ छात्रों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद विभागाध्यक्ष का संबोधन हुआ। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया। फिर जूनियर छात्रों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। इससे छात्रों ने मंत्रमुग्ध कर देने वाला माहौल बना दिया। साथ ही वरिष्ठजनों व शिक्षकों द्वारा खेले गए विभिन्न खेलों से वातावरण हर्षोल्लास से भर गया। सभी सीनियर विद्यार्थियों ने मनमोहक रैंप वॉक और सवालों के जवाब देकर समारोह को यादगार बनाया। इस दौरान मिस भावना को मिस और नवनीत सिंह को मिस्टर फेयरवेल चुना गया।

अवैध माइनिंग के खिलाफ कार्रवाई दो जेसीबी और दो टिप्पर इंपाउंड

अनंत ज्ञान, बीबीएन

जिला माइनिंग विभाग लगातार अवैध माइनिंग करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसता जा रहा है। बीते एक माह में विभाग ने बद्दी व नालागढ़ में 35 अवैध माइनिंग के चालान काटे जा चुके हैं, जिनसे लाखों रुपए का रेवेन्यू जुर्माने के तौर पर वसूला जा चुका है। मंगलवार देर रात माइनिंग विभाग नालागढ़ की टीम ने उपमंडल नालागढ़ के रामपुर गुजरां से अवैध माइनिंग करते दो जेसीबी मशीन व दो टिप्परों को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार माइनिंग अधिकारी सोलन को देर रात गुप्त सूचना मिली थी कि रामपुर गुजरां में अवैध माइनिंग की जा रही है, जिसके बाद तुरंत स्टाफ को कार्रवाई के आदेश दिए। टीम ने तुरंत एक्शन लेते

हुए तीन से चार किलोमीटर का रास्ता पैदल तय कर पहुंची, जहां पर दो जेसीबी मशीन व दो टिप्परों को अवैध माइनिंग करते हुए पाया। विभाग ने तुरंत एक्शन लेते हुए मशीनों व टिप्परों को मौके पर पकड़ते हुए हिरासत में लिया है। जिला माइनिंग अधिकारी सोलन हरविंद्र सिंह ने बताया कि अवैध माइनिंग के खिलाफ विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है और बीते एक माह में 35 के करीब अवैध माइनिंग के मामले पकड़े जा चुके हैं। देर रात भी रामपुर गुजरां में दो जेसीबी मशीन व दो टिप्परों को पकड़ा है, जिन पर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

माफिया चप्पे-चप्पे पर रखता है पहरा

खनन माफिया विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए बड़े स्तर पर चप्पे-चप्पे पर पहरा रखता है, ताकि टीम के आने से पहले ही फरार हो सके। बीते दिन भी रामपुर गुजरां में इसी तरह की प्लानिंग माफिया द्वारा की गई थी, लेकिन टीम ने तीन से चार किलोमीटर पैदल जाकर माइनिंग वाले एरिया तक पहुंची और मौके पर जेसीबी व टिप्परों को पकड़ा गया।

हिमाचल में चार की चार और देश में भाजपा 400 पार

भाजपा ने चुनावी बिगुल फूंका, डॉ. राजीव बिंदल-जयराम ठाकुर ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

भारतीय जनता पार्टी शिमला संसदीय क्षेत्र चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन कांगड़ा-हमीरपुर मैत्री सभा भवन सोलन में किया गया। इसकी अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विशेष रूप से संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, सांसद सुरेश कश्यप, शिमला संसदीय क्षेत्र प्रभारी सुखराम चौधरी, पूर्व मंत्री राजीव सैजल, लखविंदर राणा, विधायक रीना कश्यप, बलबीर वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विवेक शर्मा ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं में इन लोकसभा चुनावों को लेकर अद्भुत जोश है। कार्यकर्ताओं की ओर से और नेताओं के आह्वान पर आज भाजपा चुनावी प्रचार का बिगुल बजाया गया। इस बैठक में कार्यकर्ताओं ने जीत का संकल्प भी लिया। भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है और प्रत्येक बूथ पर कार्य करते हुए, संगठन के काम को आगे बढ़ाते हुए, हर बूथ पर भाजपा के पक्ष में 370 वोट बढ़ाते हुए हर बूथ पर कमल खिलाते हुए भाजपा के प्रत्याशी को बड़ी जीत दिलाएंगे। नेता प्रतिपक्ष जयराम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश भरा और आह्वान किया कि इस बार हिमाचल में 4 की चार और देश में भाजपा 400 पार।

सोलन में भाजपा चुनाव का शंखनाद करते हुए।

भाजपा की बैठक

सोलन। भारतीय जनता पार्टी शिमला संसदीय क्षेत्र चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन कांगड़ा, हमीरपुर मैत्री सभा भवन सोलन में किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने की, बैठक में मुख्यातिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर विशेष रूप से संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, सांसद सुरेश कश्यप, शिमला संसदीय क्षेत्र प्रभारी सुखराम चौधरी, पूर्व मंत्री राजीव सहजल, विधायक रीना कश्यप, बलबीर वर्मा, संजय सूद, अजय श्याम, जिला अध्यक्ष रत्न पाल सिंह, अरुण फालटा, विनय गुप्ता प्रेम ठाकुर, प्रदेश पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नाहन में आज भी सुरक्षित पड़ी है अंग्रेजों के जमाने की राइफल

थाने में रखी अंग्रेजों के जमाने की रफाइल तथा सूबेदार ध्यान सिंह का चित्र।

एसपी जैरथ, नाहन

आज एक ऐसी बंदूक (राइफल) का जिक्र किया जा रहा है, जिसका इतिहास प्रथम विश्व युद्ध से जुड़ा है। जिक्र इसलिए जरूरी है कि लोकसभा चुनाव को लेकर देश में आदर्श आचार संहिता लागू है। लिहाजा, सभी तरह के हथियार पुलिस थानों में जमा हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के सदर पुलिस थाना नाहन में एक ऐसी बंदूक भी जमा हुई है जो न केवल बेशकीमती है, बल्कि इसका इतिहास उस जमाने का है, जब देश पर अंग्रेजों का राज था।

प्रथम विश्व युद्ध 1914 से 1918 तक लड़ा गया। भारत की फौजें भी इस युद्ध में शामिल हुईं, जिसमें सिरमौर के सूबेदार ध्यान सिंह भी शामिल थे। सूबेदार ध्यान को अंग्रेजों ने 'बहादुर' की उपाधि से सम्मानित किया। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पेंशन के साथ 10 रुपए जंगी इनाम भी मिलता रहा, जो आगे उनके निधन के बाद उनके बेटे स्व. रणजीत सिंह ठाकुर को मिला, जो स्वयं भी 18 साल आर्मी में रहे। सूबेदार ध्यान सिंह बहादुर 19 साल की आयु में 1887 में सेना में बतौर सिपाही भर्ती हुए।

33 साल 3 माह और 14 दिन सेवाएं देने के बाद वह 1920 में सूबेदार पद पर रहते हुए सेवानिवृत्त हुए, जिन्हें प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटिश गवर्नमेंट ने इंग्लैंड के बकिंघम पैलेस में उस बंदूक को भेंट कर दिया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने युद्ध में किया। राइफफल के साथ-साथ सूबेदार ध्यान सिंह को गोल्ड मेडल, तलवार और खुखरी आदि भी भेंट की गई। अपने दादा की इस विरासत को नाहन के राजकुमार ठाकुर आज भी बखूबी संभाले हुए हैं। हाल ही में राजकुमार के बड़े भाई प्रेम प्रकाश ठाकुर ने इस बंदूक को सदर पुलिस थाना नाहन में जमा करवाया। (अनंत ज्ञान)

बस्ती में आग लगने से मकान जलकर राख, लाखों का नुकसान

अजोली के अंतर्गत पड़ने वाले गांव जंबू खाला गुज्जर बस्ती में लगी आग।

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

अजोली पंचायत के अंतर्गत पड़ने वाले गांव जंबू खाला गुज्जर बस्ती में अचानक आग भड़कने से मुस्ताक अली का रिहायशी मकान जलकर राख हो गया, जिसमें लगभग चार लाख के नुकसान का अनुमान है।

मुस्ताक अली ने बताया कि उन्होंने नमाज अदा करने के दौरान जैसे ही घर की तरफ देखा, तो रिहायशी मकान से आग की लपटें बाहर आते देंखी। आग की लपटें देखकर भागकर अंदर सोए परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला। परंतु किसी तरह के सामान को बाहर नहीं निकाल पाए। घर में पड़ा खाने-पीने का सामान, पशुओं के चारे का सामान, बर्तन, कपड़े, बेड चारपाई, अनाज, नकदी, आदि सामान जलकर राख हो गया। वहीं, अग्निशमन विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए ऊबड़ खाबड़ रास्ते के मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। परंतु तब तक सारा सामान व घर जलकर राख हो चुका था। विभाग के अनुसार लगभग चार लाख के नुकसान का अनुमान है। पुलिस विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच कर इस हादसे की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि उक्त व्यक्ति की आर्थिक मदद करें, ताकि उन्हें थोड़ी राहत मिल सके।

पांवटा साहिब के बद्रीपुर चौक में पांच साल से लोगों को शौचालय की दरकार

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब

पांवटा साहिब के मुख्य चौक बद्रीपुर में पिछले पांच वर्षों से आम लोगों और विशेषकर महिलाओं को शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जो कि शासन और प्रशासन की उदासीनता को उजागर करती है।

यह अपनाने आप में चिंताजनक और दुखद विषय है। पांवटा साहिब जैसा औद्योगिक क्षेत्र और इससे भी बढ़कर गुरु की नगरी कहलाती है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु और पर्यटक पांवटा की और रुख करते हैं। बद्रीपुर चौक एक ऐसा बहुल संख्यक आबादी वाला

क्षेत्र है, जहां अनेक क्षेत्रों की और राहगीरों का आवागमन होता रहता है। जैसे नाहन, यमुनानगर, शिलाई, हरिपुरधार, पांवटा साहिब मैन बाजार, गिरि नगर आदि अनेक सड़क मार्ग का केंद्र बिंदु है। शौचालय की सुविधा नहीं होने से क्षेत्र में आम जनता खुलेआम सड़कों के किनारे शौच करने के लिए मजबूर होते हैं। चौक पर अधिकांश लोगों को किसी न किसी क्षेत्र को जाने के लिए बसों का इंतजार करना पड़ता है। बावजूद इसके प्रशासन महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए शौचालय तक नहीं बनवा रहा है। लोग बार-बार मुख्य चौक बद्रीपुर में शौचालय का निर्माण की मांग कर रहे हैं। समाजसेवी और साहित्यकार हेमराज राणा का कहना है कि सभी युवाओं और समाज के हर वर्ग का नैतिक कर्तव्य बनता है कि इस समस्या को उजागर करें।

निहालगढ़ में दिन दहाड़े चली गोली

पांवटा साहिब। पांवटा साहिब उपमंडल के निहालगढ़ में दिन-दहाड़े गोली चली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाने में दर्ज शिकायत में साहिल, पुत्र संजय, निवासी निहालगढ ने कहा कि आज यह अपने घर पर मौजूद था। इसके घर के गेट के पास गुरविंद्र, ईंद्रजीत, मुकेश और नरेश निवासी रामपुर व खलिक निवासी कुंजा मतरालियों आए। गुरविंद्र व इंद्रजीत ने जान से मारने की नियत से कट्टे से फायर किया। ये गोली मकान की दीवार में लगी है। इसके अलावा इसकी बहन श्वेता उस वक्त बरामदा में सफाई कर रही थी उसके ऊपर गुरविंद्र उर्फ विन्दर ने फायर किया। घटना को अंजाम देने के बाद सब मौके से फरार हो गए।

आयोजन महिला सशक्तिकरण के लिए शूलिनी विश्वविद्यालय में 'उसकी कहानी, उसका स्वास्थ्य' पर कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय जागरूकता के मामले में हमेशा शीर्ष पर : नंदा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

शूलिनी विश्वविद्यालय ने 'उसकी कहानी, उसका स्वास्थ्य, मासिक धर्म कल्याण, यूटीआई, और मानसिक कल्याण' शीर्षक से एक कार्यशाला का आयोजन करके महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया।

कार्यशाला का आयोजन महिला सशक्तिकरण संगठन 'लज्जा' के सहयोग से किया गया। 'लज्जा' द्वारा आयोजित कार्यशाला में पैनल में लज्जा की सह-संस्थापक और हाइपर लैब (एआई) की संस्थापक दिशा सरीन, लज्जा की प्रबंध निदेशक आस्था शर्मा और एक अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई पंजीकृत नर्स शामिल थीं। डॉ. पीयूष जुनेजा, 17 वर्षों के अनुभव के साथ एक आयुर्वेदिक चिकित्सा व्यवसायी और श्रेया बत्रा, एक ऑस्ट्रेलियाई पंजीकृत मनोवैज्ञानिक।

शूलिनी में 'उसकी कहानी, उसका स्वास्थ्य' पर आयोजित कार्यशाला में मौजूद लोग।

प्रत्येक पैनलिस्ट ने चर्चा में एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य और अनुभव का खजाना लाया, जिससे मासिक धर्म कल्याण, यूटीआई और मानसिक कल्याण पर बातचीत की।

आस्था शर्मा ने अपने 8 साल के नर्सिंग स्कूल अनुभव के साथ, विविध सांस्कृतिक संदर्भों में महिलाओं की भलाई पर जोर देते हुए, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के एकीकरण पर प्रकाश डाला। एक गतिशील उद्यमी दिशा सरीन ने महिलाओं को सशक्त बनाने में प्रौद्योगिकी और शिक्षा के अंतर्संबंध पर प्रकाश डाला। आयुर्वेदिक चिकित्सा में प्रतिष्ठित डॉ. पीयूष जुनेजा ने महिला स्वास्थ्य विकारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पारंपरिक स्वास्थ्य प्रथाओं में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। इसके अतिरिक्त, श्रेया बत्रा, एक अनुभवी नैदानिक मनोवैज्ञानिक ने विशेष रूप से प्रसव के बाद महिलाओं के लिए मानसिक भलाई को संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया।

संवाद, साझा अनुभव के लिए एक मंच प्रदान

कार्यशाला ने संवाद, साझा अनुभव और सामूहिक उपचार के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें समग्र कल्याण के लिए मार्गदर्शन चाहने वाले उपस्थित लोगों के लिए व्यक्तिगत एक-पर-एक परामर्श उपलब्ध था। पैनलिस्टों ने मूत्र पथ के संक्रमण (यूटीआई) और समय पर हस्तक्षेप के महत्व जैसे प्रासंगिक मुद्दों को संबोधित किया। शूलिनी विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण डीन श्रीमती पूनम नंदा ने कहा कि विश्वविद्यालय जागरूकता के मामले में हमेशा शीर्ष पर रहा है और सभी मामलों में एक वर्जित-मुक्त परिसर है।

लोकसभा चुनाव में 4232 कर्मी देंगे सेवाएं

20 प्रतिशत मतदान कर्मी रखे जाएंगे रिजर्व, 7 मई को जारी होगी लोकसभा चुनाव की अधिसूचना, 14 को नामांकन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में लगे अधिकारी व कर्मचारी बढ़चढ़ कर अपने कर्तव्य का पालन करें। जिलाधीश ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 4232 मतदान कर्मी कार्य करेंगें, जिसमें 1058 पीआरओ, 1058 एपीआरओ एवं 2116 पीओ रहेंगे। इसके अतिरिक्त, 20 प्रतिशत मतदान कर्मी रिजर्व रखे जाएंगे। जिला शिमला के संबंध में चुनाव के संचालन के लिए मतदान कर्मियों को डाइस वेब सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैनात किया जाएगा, जिसके तहत रेंडमाईजेशन की तीन चरण होंगे। उन्होंने बताया कि जिले में 7 मई, 2024 को लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी, जिसके उपरांत नामांकन भरने की अंतिम तिथि 14 मई, 2024 निर्धारित की गई है। 15 मई को नामांकन की जांच की जाएगी तथा नामांकन वापस लेने की तिथि 17 मई, 2024 निर्धारित की गई है। 1 जून, 2024 को मतदान दिवस रहेगा, वहीं 4 जून, 2024 को मतगणना होगी।

जिलाधीश कार्यालय शिमला में चुनाव से संबंधित बैठक में उपस्थित जिलाधीश व अधिकारी।

जिले में 5.90 लाख मतदाता पंजीकृत

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिला में 15 मार्च, 2024 तक कुल 5 लाख 90 हजार 940 मतदाता पंजीकृत है, जिसमें से 3 लाख 1 हजार 279 पुरुष एवं 2 लाख 89 हजार 659 महिला मतदाता है। उन्होंने कहा कि जिला में मतदाताओं को मत के महत्व बारे जागरूक करने के संदर्भ में समय-समय पर स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 एवं संशोधन सुधार एवं स्थानांतरण हेतु फार्म-8 भरे जा रहे हैं, जिसके लिए कोई भी व्यक्ति वोटर हेल्पलाइन ऐप एवं वोटर सर्विस पोर्टल से खुद पंजीकरण करवा सकते हैं।

1950 पर करें शिकायत

इसके अतिरिक्त जिला स्तर पर 24×7 नियंत्रण कक्ष की भी स्थापना की गई है, जहां आम जनता टोल फ्री नम्बर 1950 के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला शिमला के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3 फ्लाइंग स्क्वायड, 3 स्टैटिक सर्विलांस टीम, 2 वीएसटी, 1 वीवीटी एवं 1 अकांउटिंग टीम भी नियुक्त की गई है।

जिले में1058 मतदान केंद्र

अनुपम कश्यप ने कहा कि जिले में कुल 1058 मतदान केन्द्र हैं, जिसके लिए हर मतदान केंद्र के लिए बूथ लेवल अधिकारी की भी तैनाती की जा चुकी है। जिले में महिलाओं द्वारा 16, युवाओं द्वारा 8 तथा दिव्यांग मतदाताओं द्वारा 8 मतदान केंद्र संचालित किए जाएंगे और जिले में 28 आदर्श मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए आम जनता की सुविधा हेतु सी-विजिल ऐप का निर्माण भारत निर्वाचन आयोग द्वारा किया गया है।

4 जून को होगी वोटों की गिनती

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 4 जून को प्रातः 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि 4-शिमला (अनुसूचित जाति) लोकसभा क्षेत्र के पोस्टल बैलेट और ईटीपीबीएस की गिनती राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पोर्टमोर के ऑडिटोरियम में की जाएगी साथ ही 63-शिमला विधानसभा क्षेत्र के वोटों की गिनती भी इसी स्कूल में की जाएगी। शेष 7 विधानसभा क्षेत्रों में वोटों की गिनती उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में ही की जाएगी।

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां तारा देवी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

आशिमा वैरागी, शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में मां तारादेवी मंदिर स्थित है। यह नौ शक्तिपीठों में से एक है। मां तारा के दर्शन करने लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं। मान्यता है कि जो भक्त मां तारा के दरबार में पहुंचता है, उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। अपनी दिव्य सुंदरता और आध्यात्मिक शांति के लिए प्रसिद्ध यह मंदिर हिमाचल के लोगों के लिए आस्था का भी केंद्र है।

शिमला में नवरात्रों की धूम नजर आ रही है। चैत्र नवरात्रि का उत्सव हिंदू समाज में बहुत महत्वपूर्ण हैमाता के दरबार में हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर के कपाट सुबह 5 बजे खुले, जिसके बाद पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दूसरे नवरात्र में स्थानीय लोगों के अलावा मंदिर में शिमला घूमने आए विदेशी पर्यटक भी नजर आए। नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना करने से जीवन में आ रहीं परेशानियां दूर हो जाती है।

मां तारादेवी के दरबार पहुंचे हजारों श्रद्धालु

मां तारा का इतिहास

मां तारा देवी मंदिर का इतिहास करीब 250 साल पुराना है। कहा जाता है कि एक बार बंगाल के सेन राजवंश के राजा शिमला आए थे। एक दिन घने जंगलों के बीच शिकार खेलने से पैदा हुई थकान के बाद राजा भूपेंद्र सेन को नींद आ गई। सपने में राजा ने मां तारा के साथ उनके द्वारपाल श्री भैरव और भगवान हनुमान को आम और आर्थिक रूप से अक्षम आबादी के सामने उनका अनावरण करने का अनुरोध करते देखा। सपने से प्रेरित होकर राजा भूपेंद्र सेन ने 50 बीघा जमीन दान कर मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया।

मां दुर्गा की नौ बहनों में से एक है मां तारा

माता तारा, दुर्गा मां की नौवीं बहन हैं। तारा, एकजुट और नील सरस्वती माता तारा के तीन स्वरूप हैं. बृहन्नील ग्रंथ में माता तारा के तीन स्वरूपों के बारे में बताया गया है। सबको तारने वाली मां तारा की पूजा हिंदू और बौद्ध दोनों ही धर्मों में की जाती है। नवरात्रों में माता के दरबार में श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते हैं।नवरात्र में माता की दिव्य मूर्ति के दर्शन पाने के लिए यहां लोग दूर-दूर से आते हैं।

न्यूज ब्रीफ

लोकतंत्र आज खतरे में : जगत नेगी

रिकांगपिओ। ऑल किन्नौर स्टूडेंट्स एसोसिएशन चंडीगढ़ में मिलन समारोह तोशिम का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं लोक शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगीं शिरकत की। नेगी ने संबोधित करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि प्रदेश, जिला व जनजातीय क्षेत्र के उत्थान के लिए सभी का सहयोग के साथ सुझाव व संवाद किया जाना चाहिए। शिक्षा को बेहतर करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। नेगी ने कहा कि आज लोकतंत्र खतरे में है, जिस सविधान के तहत हमें एसटी, नौकरी और आरक्षण मिला उस सविधान को कमजोर किया जा रहा है।

शिविर में 106 रोगियों का जांचा स्वास्थ्य

रिकांगपिओ। आयुष विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से वाइब्रेट विलेज ग्राम पंचायत रक्षम में जिला आयुष अधिकारी डॉ. इंदु शर्मा की अध्यक्षता में एक बहू विशेषता चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. इंदु ने कहा कि इस निशुल्क चिकित्सा शिविर में 106 रोगियों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गई। इस दौरान 70 रोगियों की उच्च रक्तचाप के लिए जांच की गई, जिसमें से 10 रोगी उच्च रक्तचाप से ग्रसित पाए गए। 8 अर्श रोगियों को आगामी चिकित्सा के लिए जिला ट्राइबल आयुर्वेदिक अस्पताल रिकांगपिओ के लिए रेफर किया गया। इस चिकित्सा शिविर को सफल बनाने के लिए डॉ. सूरज नेगी, डॉ. अमन यादव, डॉ. ईश्वर दत्त एवं आयुर्वेदिक फार्मेसी ऑफिसर मनोज कुमार, जय लाल एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी संतराम एवं अनीता देवी जी ने अपना सहयोग दिया।

पर्यावरणीय व संवैधानिक समस्याओं पर की चर्चा

रिकांगपिओ। हिम लोक जागृति मंच, जिला वन अधिकार समिति व नो मीन्स-गों कॅम्पेन किन्नौर की ओर से हिमालयी क्षेत्रों के पर्यावरणीय व संवैधानिक मुद्दों सहित लद्दाख के संघर्ष को लेकर रिकांगपिओ में विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में हिम लोक जागृति मंच के संयोजक आर एस नेगी, जिला वन अधिकार समिति अध्यक्ष जिया लाल नेगी, जिला परिषद सदस्य शांता नेगी, नरेंद्र नेगी, जीता सिंह उपप्रधान सहित कई वक्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि किन्नौर अनेक पर्यावरणीय व संवैधानिक समस्याओं को झेल चुका है और झेल रहा है। किन्नौर 5वीं अनुसूची में शामिल होने के बावजूद पैसा एक्ट 1996 का क्रियान्वयन नहीं होना, शेड्यूल एरिया होने के बाद भी जनजातीय संपत्ति का गैर जनजातियों को दिया जाना व टीएसी तक मुद्दे को उठाने पर भी कोई प्रभावी कार्यवाही न होना एवं नाटौड़ का न मिलना, जैसे मुद्दों को उठाया गया।

एसडीए कांप्लेक्स पेयजल टैंक की सफाई की

शिमला। शिमला शहर में पेयजल कंपनी द्वारा बुधवार को एसडीए कांप्लेक्स पेयजल टैंक की सफाई की गई है। शहरवासियों को साफ पानी पिलाने के लिए रूटीन में शहर के सभी टैंकों की सफाई की जाती है। इसी के तहत भराड़ी टैंक की सफाई की जा रही है। इससे पहले रिज टैंक और एसडीए कॉम्पलेक्स में जल भंडारण टैंक को भी साफ किया गया था। कंपनी का कहना है कि साल में दो बार इन जल भंडारण टैंकों की सफाई की जाती है, ताकि स्वस्थ जल की सप्लाई लोगों को मिल सके।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया

शिमला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला शिमला की ओर से आज राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल मे मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला शिमला डॉक्टर राकेश प्रताप के दिशा-निर्देशानुसार मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला शिमला डॉक्टर राकेश प्रताप ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षित और स्वस्थ मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद आवश्यक देखभाल के बारे में जागरूक होना आवश्यक है। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिक्षक संजना, मीना शर्मा ने उपस्थित महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद आवश्यक देखभाल, संस्थागत प्रसव तथा जननी सुरक्षा योजना के बारे में भी जानकारी दी।

मेहंदी के रंगों का उत्सव प्रतियोगिता में नित्य प्रथम

रोहड़ू। स्वीप एक्टिविटीज के अंतर्गत राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहड़ू में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र के लिए मेहंदी के रंगो का उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मेहंदी के रंगों के माध्यम से लोकतंत्र के उत्सव को मानना था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर रोहड़ू के एसडीएम विजय वर्धन सारस्वत ने शिरकत की और प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर नित्य, द्वितीय स्थान पर पूजा शर्मा व तृतीय स्थान पर अवनी रही।

नए ड्रेस कोड में नजर आएगा वन विभाग का फील्ड स्टाफ

टोपी व जूतों के रंग में देखने को मिलेगा बदलाव

जय ठाकुर, शिमला

हिमाचल प्रदेश में वन विभाग का फील्ड स्टाफ आने वाले दिनों में नए ड्रेस कोड में नजर आएगा। वन विभाग के कर्मियों के टोपी और जूतों के रंग में बदलाव देखने को मिलेगा। वन्य कर्मी हरी टोपी और भूरे जूते पहने हुए दिखाई देंगे। पहली बार वन्य कर्मियों की वर्दी को बदलने की पहल हो रही है। दरअसल, वन महकमे ने फील्ड कर्मियों की वर्दी में जरूरी बदलाव करने लिए एक कमेटी का गठन किया है।

इस कमेटी ने टोपी और जूतों को नया रंग देने का प्रस्ताव किया है। कमेटी की सिफारिशों की समीक्षा करने के लिए शिमला में वन विभाग के मुख्यालय टोलेंड में एक अहम बैठक हुई।

इस बैठक में फील्ड कर्मियों की वर्दी को नया रूप देने पर मंथन हुआ। इस दौरान जिन बिंदुओं पर चर्चा हुई, उनमें वन विभाग के फील्ड कर्मियों के टोपी का रंग खाकी से हरा, फारेस्ट गार्ड के जूतों का रंग काले से भूरा करने, वर्दी पर अंकित छह स्टार को पांच करने और नई वर्दी को पत्तों के रंग व पैटर्न का रूप देना शामिल हैं। वन विभाग के फील्ड कर्मियों की अभी खाकी वर्दी है।

तीन सदस्यीय कमेटी गठित

बैठक में सभी की राय लेने के बाद तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। यह कमेटी चंडीगढ़, अंबाला, लुधियाना और जालंधर के कपड़ा बाजारों का दौरा कर फील्ड कर्मियों की वर्दी और जैकेट का सैंपल लाएगी। फ्लाइंग सक्याइड शिमला के डीएफओ वेद प्रकाश, चौड़ा मैदान फारेस्ट रेंज के आरफओ सौरभ और मशोबरा फारेस्ट रेंज के फारेस्ट गार्ड योगेश कुमार इस कमेटी में शामिल हैं। यह कमेटी दो हफ्ते में सेंपल जमा करवाएगी।

बस का समय बदलने से बच्चे झेल रहे परेशानी

दोपहर के समय घर पहुंचने के लिए नहीं कोई बस, पढ़ाई बाधित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजधानी शिमला के कॉलेज विद्यार्थियों को बस के समय में बदलाव के कारण परेशानी का सामना करना पढ़ रहा है। पिछले साल से दोपहर के समय बस न होने के कारण बच्चे कॉलेज में समय व्यतीत करने को मजबूर है।

इस पर सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष वर्मा ने कहा कि बस का समय 3:25 दोपहर का था जो आईजीएमसी से चलाई जाती थी। इसमें स्थानीय तीन पंचायतों सरोग,बढ़ोग और क्यारटू के स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी सफर करते हैं उन्हें अपने घरों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। कई बार एचआरटीसी को इस बात से अवगत करवाया गया है लेकिन कोई भी जवाब उनकी तरफ से नहीं जाता है। प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल आईजीएमसी उपचार करवाने आए मरीजों को भी यह सुविधा उपलब्ध रहती थी लेकिन बस के समय की अव्यवस्थता के कारण रोजाना आने वाले मरीज भी परेशान हैं।

स्थानीय विद्यार्थी जोकि बढोग और क्यारटू पंचायतों से रोजाना शिक्षा ग्रहण करने के लिए शिमला कॉलेज आते है उन्हें घर लौटना मुश्किल हो गया है। जिस कारण उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। इस पर अखिल, दीपक, नीरज और मुकुल जोकि कॉलेज के छात्र है ने हिमाचल पथ परिवहन कॉर्पोरेशन व उप मुख्यमंत्री से से मांग की है कि शिमला से अलवाह ठियोग बस का समय 3:25 कर दे और रेगुलर आईजीएमसी बस स्टॉप से अलवाह बस चलाई जाए। सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष वर्मा ने भी इस बस के समय के बदलाव की मांग की है ताकि बच्चों के जीवन से खिलवाड़ न हो।

समय पर बस न मिलने के चलते परेशान स्टूडेंट्स व लोग।

शिमला में चिट्टा सप्लाई करने आए तस्करों में पंजाब पुलिस का एक कर्मी भी शामिल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला में पकड़े गए चिट्टा तस्करों ने अब पुलिस के समक्ष राज खोलने शुरू कर दिए है। तस्करों ने पुलिस के समक्ष कबूला है कि शिमला में यह चिट्टा सप्लाई करने आए थे। वहीं सबसे बड़ी बात है कि इसमें पंजाब पुलिस का एक कर्मचारी भी शामिल है।

पुलिस ने बुधवार को इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेशानुसार इन्हें 3 दिन के रिमांड पर भेजा गया है। शहर में पुलिस ने 42.89 ग्राम चिट्टे के साथ एक युवती समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिमला पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुराने बस स्टैंड के पास निजी होटल से उक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चिट्टे की खेप कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों के बैंक डिटेल्स भी खंगाल रही है। आरोपियों में एक पंजाब के पूर्व मंत्री का बेटा भी शामिल है।

तीन दिन के रिमांड पर भेजे सभी आरोपी

एसपी शिमला संजीव गांधी ने कहा कि आरोपियों की पहचान प्रकाश सिंह, अबनी, अजय कुमार, शुभम कौशल, बलबिंद्र के रूप में हुई है, जिसमे एक पंजाब पुलिस में कांस्टेबल अपने आप को बता रहा है। इसमें से चार पंजाब और एक हिमाचल के बताए जा रहे हैं। पुलिस की टीम ने शिमला के पुराना बस स्टैंड के पास पंचायत घर स्थित एक निजी होटल के कमरे में पकड़ा है।

सुक्खू सरकार जनकल्याण विरोधी, नहीं चाहती हिमकेयर योजना चले : भाजपा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा संसदीय क्षेत्र प्रभारी एवं पूर्व मंत्री, विधायक सुखराम चौधरी और प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व मंत्री राजीव सहजल ने हिमकेयर योजना को लेकर सुक्खू सरकार पर सवाल उठाए है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिमाचल की सबसे बड़ी स्वास्थ्य लाभ योजना हिमकेयर को सरकार द्वारा बंद कर दिया गया है। यह सरकार की साफ मंशा दिखाती है कि यह पूर्व सरकार की जनकल्याणकारी योजना को बंद करना चाहती है। हिमाचल प्रदेश में हिमकेयर योजना के तहत प्रदेश में 278 अस्पताल

पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री हिमकेयर योजना के तहत पिछले तीन साल में 4.85 लाख लोगों से ज्यादा का इलाज किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमकेयर योजना के तहत निशुल्क इलाज के जरूरतमंद गरीब मरीजों को झटका लगा है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल आईजीएमसी ने अधिकांश सुपर स्पेशियलिटी विभागों में सर्जरी बंद कर दी है। अकेले आईजीएमसी का ही हिमकेयर में 70 करोड़ बकाया हो गया है। इसलिए दवाएं और सामान सप्लाई करने वाली कंपनियां और उधारी झेलने को तैयार नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि हिमकेयर में 300 करोड़ से ज्यादा का बकाया बताया जा रहा है। सरकार बजट में प्रावधान करने के बाद भी भुगतान नहीं कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने विधानसभा के बजट सत्र में कहा था कि 31 मार्च से पहले लंबित भुगतान कर दिया जाएगा, लेकिन यह भुगतान नहीं किया।

सैहब कर्मचारी कर रहे बायोमीट्रिक मशीन का विरोध, आंदोलन की दी चेतावनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राजधानी शिमला में नगर निगम सफाई कर्मचारियों की हाजिरी बायोमेट्रिक मशीन से लगाने की तैयारी कर रहा है, लेकिन नगर निगम के फैसले का सैहब कर्मचारियों ने विरोध जताया है।

कर्मचारियों ने मांगें न मानने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। यूनियन द्वारा 22 अप्रैल को कालीबाड़ी हॉल में जनरल हाउस का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कर्मचारियों द्वारा आगामी रणनीति बनाई जाएगी। एक बैठक के दौरान यूनियन द्वारा 6 माह पहले निगम प्रशासन को सौंपे गए 32 सूत्रीय मांग पत्र पर चर्चा की गई।

यूनियन का कहना है कि उनकी मांगों पर प्रशासन द्वारा किसी भी तरह की कार्यवाही अमल नहीं लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बैठक में कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं हो रहा है जिस कारण उनकी मांगें पूरी नहीं हो पा रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम द्वारा कर्मियों का ठेका ऐसी कंपनी को दिया गया है, जिसके पास आउटसोर्स पर कर्मचारियों को रखने के लिए लाइसेंस ही नहीं है।

सैहब कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें नगर निगम में ही मर्ज किया जाए।

सुन्नी में हिम अकादमी की शाखा शुरू

अनंत ज्ञान, सुन्नी

नगर पंचायत सुन्नी में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने के उद्देश्य से हिम एकेडमी (आईटी) नामक संस्थान का विधिवत शुभारंभ हो गया। इस संस्थान के शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथी नगर पंचायत सुन्नी के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने शिरकत की।

संस्थान संचालक मंजू व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान द्वारा विद्यार्थीयों को प्रतियोगी परीक्षाओं को उतीर्ण करने के लिए क्रैश कोर्सेज और कम्प्यूटर के विभिन्न कोर्स करवाएं जाएंगे। संस्थान के माध्यम से पहली कक्षा से 12वीं कक्षा तक ट्यूशन भी दी जाएगी। इस अवसर पर नगर पंचायत सदस्य रुप लाल, आशा कंवर, उमा, पदम सुन्नी वाटर स्पोर्ट्स की अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव पूजा शर्मा आदि पस्थित हुए।

मुख्याथिति प्रदीप शर्मा रिबन काट कर संस्थान का शुभारंभ करते हुए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सेब मुद्दे पर आनंद शर्मा से लें सलाह: संदीपनी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुलदीप राठौर के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि मात्र पब्लिसिटी हासिल करने के लिए कांग्रेस के नेता सेब पर बयानबाजी कर रहे हैं। हम इनसे पूछना चाहते हैं कि अगर विधायक का काम विधानसभा में प्रश्न लगाना नहीं है तो दूसरा काम क्या है ? अगर वह प्रश्न नहीं लगाएंगे तो उनको विधायक कौन कहेगा, इसलिए सेब के प्रश्न लगाने पर राजनीति करने का नया ट्रेंड हिमाचल प्रदेश में शुरू हुआ है।

उन्होंने कहा कि हम उनको याद दिलाना चाहेंगे कि उनके गुरु आला पूर्व केंद्र मंत्री आनंद शर्मा ने कांग्रेस कार्यकाल के समय आयात शुल्क पर मेमोरेंडम प्रस्तुत किया था और इसको लेकर तभी काफी नीतियां तब ही बन गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो इसमें आयतुल को बढ़ाया और बाहर से आए सेब पर प्रतिबंध लगाया तो इनको आनंद शर्मा से भी पूछ लेना चाहिए कि क्या ठीक है क्या गलत।

उन्होंने कहा कि अगर आयात शुल्क बढ़ा है तो भाजपा की सरकार के दौरान बढ़ा है और इसको कांग्रेस पार्टी को मनाना ही पड़ेगा, अब अगर उनके नेताओं ने जो करार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया है उसको बदला तो जा सकता नहीं है।

ट्रैवल | सड़कों की हालत बहुत दयनीय, संजौली में किया जा रहा सड़क मरम्मत का कार्य

30 अप्रैल से पहले चकाचक होंगी शिमला की सड़कें

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला शहर में शिमला शहर में सड़कों की हालत बहुत दयनीय है जिससे लोग काफी परेशान नजर आ रहे है। नगर निगम के दायरे में आने वाले वार्डों को अब चकाचक किया जा रहा है। संजौली वार्ड में इन दिनों कार्य किया जा रहा है। इन दिनों मौसम भी अनुकूल है और टायरिंग का कार्य करने के लिए वक्त है। शहर में बीते वर्ष बरसात के दौरान सड़कों की मरम्मत का कार्य नहीं हो पाया था, जिसकी वजह से यह कार्य पिछले एक साल से लटका हुआ था।

शहर में टारिंग के कार्य के लिए बीते वर्ष अढ़ाई करोड़ रुपए के टेंडर अवार्ड किए गए थे। ऐसे में इस कार्य को शुरू करने के लिए निर्वाचन आयोग से मंजूरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। नगर निगम ने टायरिंग का कार्य करने के लिए ठेकेदारों को निर्देश भी दे दिए हैं। मौसम के साफ रहने से अब जल्द ही सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया । शिमला में मौसम के बदलते मिजाज के कारण नगर निगम द्वारा सड़कों की टायरिंग कार्य शुरू नहीं किया गया था। इससे शहरवासियों को काफी राहत मिलेगी। शिमला में बीते वर्ष आपदा के कारण सड़कों की मरम्मत नहीं हो पाई थी और साथ ही उस समय नगर निगम शिमला को करोड़ों का नुकसान हुआ था। शिमला में उस समय पेड़ों के कटान और और अन्य कार्य की ओर ध्यान दिया गया।

इसको लेकर नगर निगम शिमला आयुक्त भूपेंद्र अत्री का कहना है कि शहर में सड़कों की टायरिंग का काम किया जा रहा है। बीते वर्ष सड़क की मरम्मत के लिए टेंडर अवार्ड कर दिया गया था। शहर की सड़कों पर टायरिंग का कार्य जल्द से जल्द शुरु करने के निर्देश दे दिए हैं। अब शहर में सारी सड़कों को चकाचक किया जाएगा।

शिमला शहर में सड़क पर तारकोल का कार्य करते कर्मचारी।

चुनावों को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक

जुब्बल। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर एसडीएम रोहड़ू विजयवर्धन सारस्वत, एसडीएम जुब्बल राजीव सांख्यान, एसडीएम चौपाल की अध्यक्षता में रेस्ट हाऊस हाटकोटी में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस उपमंडल अधिकारियों और निकटतम अंतरराज्य सीमा उत्तराखंड के थाना प्रभारियों के साथ बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान चर्चा की गई कि लोकसभा चुनाव के दौरान निगरानी की जाने वाली कार्रवाई के बारे में भी जानकारी साझा की जाएगी। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों ने शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाने को लेकर अपने-अपने विचार साझा किए।

न्यूज ब्रीफ

अजीत अगरकर ने की आईपीएल की सराहना

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के अध्यक्ष पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज, अजीत अगरकर ने भारत के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए लगातार अवसर प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सराहना की। अगरकर ने टीम की तैयारी और चयन में डाटा की लगातार विकसित हो रही महत्वपूर्ण भूमिका, खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण की जटिलताओं, फिटनेस पर विराट कोहली के प्रभाव जैसे कई विषयों पर अपना व्यावहारिक दृष्टिकोण पेश किया। अगरकर ने कहा, 'अच्छी बात यह है कि अब आपके पास चुनने के लिए बहुत बड़ा पूल है, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।'

ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वालों को पुरस्कृत करेगा विश्व एथलेटिक्स महासंघ

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स, पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत करेगा। इसी के साथ वह ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने बुधवार को अपने इस ऐतिहासिक फैसले की जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व शेयर आवंटन से कुल 2.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार पात्र रखा गया है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को प्राप्त होता है। इसका उपयोग पेरिस में 48 एथलेटिक्स स्पर्धाओं में से प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 अमेरिकी डॉलर से पुरस्कृत करने के लिए किया जाएगा। विश्व एथलेटिक्स की इस पहल में 2028 ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि को स्तरीय स्तर पर बढ़ाने की दृढ़ प्रतिबद्धता भी शामिल है।

नोवाक जोकोविच मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में

मोनाको। शीर्ष रैंकिंग के सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रोमन सफियूलिन पर 6-1, 6-2 की जीत से मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश किया। जाकोविच को क्लेकोर्ट पर वापसी के दौरान मैच में कोई भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। पिछले साल फ्रेंच ओपन जीतने के बाद यह सर्बियाई खिलाड़ी का पहला क्ले कोर्ट टूर्नामेंट है। अब जोकोविच का सामना फ्रांस के आर्थर फिल्स और लोरेंजो मुसेट्टी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। पहले दौर के अन्य मैच में पोलैंड के हुबर्ट हुर्कावज ने ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 6-4, 3-6, 7-6 (2) और आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर ने 2014 चैंपियन स्टान वावरिंका को 6-3, 6-0 से शिकस्त दी।

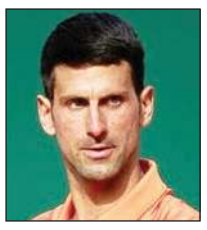

बागी हुए भोजपुरी एक्टर पवन सिंह काराकाट से लड़ेंगे चुनाव

पटना। भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार पवन सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से लड़ने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था। उम्मीद थी भाजपा उन्हें कहीं और का टिकट दे देगी। लेकिन, कुछ देर पहले भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की जो आखिरी लिस्ट जारी की, उसने सारे अटकलों पर विराम लगा दिया। पवन सिंह को कहीं से भी टिकट नहीं मिला। जिस सीट से पवन सिंह नहीं लड़ना चाहते थे, वहां से वरीय नेता एसएस अहलूवालिया को उम्मीदवार बनाया है। पवन सिंह भाजपाई हैं, लेकिन भाजपा की इस सूची के साथ बगावत का अंदेशा सामने आ रहा था। वह कांग्रेस की तरफ देख रहे थे, क्योंकि उसे अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करनी है। लेकिन, अब पवन सिंह ने बिहार में काराकाट सीट से उतरने का ऐलान कर दिया है।

दिल्ली के मंत्री राजकुमार आनंद ने 'आप' से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजकुमार आनंद पर ईडी का छापा पड़ा था।राजकुमार आनंद के घर पर छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई थी। राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री थे। इस्तीफे पर राजकुमार आनंद ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कनेक्शन इसलिए हुआ, क्योंकि उन्होंने कहा था कि राजनीति बदलेगी तो देश बदलेगा...आज राजनीति नहीं बदली है, लेकिन राजनेता बदल गए हैं। मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का जन्म भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए हुआ था, लेकिन आज पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है। मेरे लिए मंत्री पद पर काम करना मुश्किल हो गया है। मैंने मंत्री पद से और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मैं इस भ्रष्टाचार से अपना नाम नहीं जोड़ सकता।

नेपाल में फिर उठी हिंदू राष्ट्र की मांग, सड़कों पर उतरे लोग

काठमांडू। नेपाल में समय-समय पर राजशाही की वापसी और हिंदू राष्ट्र की मांग उठती रहती है। एक बार फिर यह डिमांड उठी है। राजशाही की बहाली की मांग कर रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारी काठमांडू की सड़कों पर उतरे। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। 2008 में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को सत्ता से हटा दिया गया था। उनके समर्थकों ने पीएम और अन्य प्रमुख सरकारी विभागों के कार्यालयों तक पहुंचने की कोशिश की। इस दौरान रास्ते में लगे बैरिकेड्स को तोड़ने की कोशिश हुई। प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने के लिए पुलिस ने लाठी और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। किसी भी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट की खबर सामने नहीं आई है। ज्ञानेंद्र के प्रमुख समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी या नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने, 'राजशाही वापस लाओ, गणतंत्र को खत्म करो' के नारे लगाए।

आईपीएल-2024 अंकतालिका में मुंबई से एक ही पायदान नीचे है आरसीबी

बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस आज आमने-सामने

एजेंसी, मुंबई

खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में वीरवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी जिस पर खुद अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव है। पांच में से चार मैच हार चुकी आरसीबी ने टीम चुनने में गलतियां कीं और मैदान पर भी प्रदर्शन से उसकी भरपाई नहीं कर सकी। अंकतालिका में वह मुंबई से एक ही पायदान नीचे है। मुंबई चार में से एक मैच जीतकर नौवें स्थान पर है। उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था।

विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद आरसीबी के अभियान की बेहद खराब शुरूआत हुई है। अब आईपीएल के आधे मैच जल्दी ही खत्म होने को है और ऐसे में आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों को लय तलाशनी होगी जिनमें कप्तान फाफ डु प्लेसी (109 रन), ग्लेन मैक्सवेल (32) और कैमरन ग्रीन (68 रन) शामिल हैं। कोहली अभी तक एक शतक और दो अर्द्धशतक समेत 316 रन बना चुके हैं, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका। पांच महीने पहले विश्व कप सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम पर शतक जमाने वाले कोहली एक बार फिर उसी मैदान पर अपने बल्ले का जलवा बिखेरना चाहेंगे।

गेंदबाजी में मैक्सवेल चार विकेट ले चुके हैं, लेकिन मुख्य गेंदबाज प्रभावहीन रहे हैं। मुंबई के खिलाफ उन्होंने हालांकि पिछले पांच में से चार मैच जीते हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में से 18 मुंबई ने और 14 आरसीबी ने जीते हैं। आम तौर पर आईपीएल में धीमी शुरुआत करने वाली मुंबई टीम को पता है कि अब देर करने से परिणाम प्रतिकूल हो सकते हैं। आरसीबी को हराकर उसका इरादा लगातार दूसरी जीत दर्ज करने का होगा ताकि टीम का मनोबल बढ़ सके।

संभावित टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरुन ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्जी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

घरेलू स्तर पर मायने रखती है कड़ी मेहनत : शशांक

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स की नई खोज शशांक सिंह ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में नए खिलाड़ियों को मिल रही सफलता के पीछे उनका आत्मविश्वास और घरेलू क्रिकेट में की गई अपार मेहनत है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिए 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शशांक ने 25 गेंद में 46 रन बनाए और आशुतोष शर्मा ने 15 गेंद में 33 रन की पारी खेली, लेकिन उनकी टीम दो रन से चूक गई। शशांक ने इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। हार के बावजूद प्रशंसा के पात्र बने शशांक ने कहा, ''आत्मविश्वास सबसे जरूरी है । जिस तरह से हम घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। सनराइजर्स के नीतिश रेड्डी को देखिए जो घरेलू क्रिकेट में हर प्रारूप में रन बनाता और विकेट लेता है।'' रेड्डी ने सनराइजर्स के लिए 37 गेंद में 64 रन बनाए। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी भी अच्छी पारियां खेलने में कामयाब रहे हैं।

कैंडिडेट्स शतरंज : नेपोम्नियाशि के साथ संयुक्त बढ़त पर गुकेश

एजेंसी, टोरंटो

ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अजरबैजान के निजात अबासोव को एक कड़े मुकाबले में हराकर रूस के इयान नेपोम्नियाशि के साथ संयुक्त बढत हासिल कर ली है और फिडे शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में जीत दर्ज करने वाले वह इकलौते भारतीय बने।

डबल राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के नौ दौर अभी बाकी है। गुकेश और नेपोम्नियाशि 3-5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं, जबकि अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं। अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हराया, जबकि भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने नेपोम्नियाशि के साथ ड्रॉ खेला। प्रज्ञानानंदा और नकामूरा 2-5 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं, जबकि गुजराती के दो अंक हैं। अलीरजा और अबासोव 1-5 अंक लेकर आखिरी स्थान पर हैं। महिला वर्ग में चारों मुकाबले ड्रॉ पर छूटे। प्रज्ञानानंदा की बहन आर वैशाली ने अन्ना मुजिचुक से और कोनेरू हम्पी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना से ड्रॉ खेला। शीर्ष पर काबिज चीन की झोंग्यी तान को बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने और रूस की कैटरीना लागनो को चीन की टी लेइ ने ड्रॉ पर रोका।

लंकाशायर का ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर क्रिस ग्रीन के साथ करार

लंदन। लंकाशायर ने विटैलिटी ब्लास्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर क्रिस ग्रीन के साथ अनुबंध की घोषणा की है। ग्रीन लंकाशायर में नाथन लियोन की जगह लेंगे, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इंग्लैंड में अपने कार्यकाल के दौरान लियोन को सफेद गेंद क्रिकेट खेलने की मंजूरी रद्द कर दी थी। 30 वर्षीय ग्रीन टी-20 क्रिकेट में नई गेंद से गेंदबाजी करने में माहिर हैं। उन्होंने 2022 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया और पिछले दो शेफील्ड शील्ड सीज़न में न्यू साउथ वेल्स के लिए खेले हैं। उनके पास दुनिया भर में टी20 का अनुभव है, विशेष रूप से बिग बैश और कैरेबियन प्रीमियर लीग में। उन्होंने ब्लास्ट में बर्मिंघम बियर्स और मिडलसेक्स का भी प्रतिनिधित्व किया है।

राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में छाया महाराष्ट्र

एजेंसी, हैदराबाद

महाराष्ट्र ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दबदबा बनाते हुए 11 स्वर्ण समेत 46 पदक जीते हैं और पुरुषों के 50 प्लस वर्ग में 'क्लीन स्वीप' किया है। मनीष रावत को पुरुषों के 50 प्लस वर्ग में स्वर्ण पदक मिला है, जबकि मलयकुमार ठक्का और प्रसाद नाइक को क्रमश: रजत और कांस्य पदक मिले।

महाराष्ट्र के सुनील बबरास ने पुरुषों के 60 प्लस वर्ग में स्वर्ण पदक बरकरार रखा, जबकि प्रकाश केलकर को पुरुषों के 65 प्लस वर्ग में रजत पदक मिला। पुरुषों के एकल 70 प्लस वर्ग में उल्हास शिर्के को स्वर्ण पदक मिला। महिला वर्ग में 50 प्लस श्रेणी में मुनमुन मुखर्जी ने स्वर्ण और सुषमा मोगारे ने कांस्य पदक जीता। सुहासिनी बाकरे को 65 प्लस वर्ग में रजत पदक मिला। टीम वर्ग में महाराष्ट्र को पुरुषों के 70 प्लस में सवर्ण और पुरुषों के 75 प्लस वर्ग में रजत पदक मिला। महिलाओं के 65 प्लस वर्ग में महाराष्ट्र ने स्वर्ण पदक जीता।

लालू और कांग्रेस पर बरसे अमित शाह

बोले- राजद व कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ का घोटाला किया, पाई-पाई चुकानी होगी

एजेंसी, पटना

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चुनावी रणनीतिकार अमित शाह लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद अपने पहले बिहार दौरे पर कांग्रेस और लालू पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस ने 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला किया। दोनों पार्टियां भ्रष्टाचार के लिए जानी जाती है। तीन टर्म नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री रहे लेकिन एक भी दाग नहीं लगा।

गृह मंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को हर हाल में जेल जाना होगा। इन लोगों ने देश का पैसा लूटा है। गरीबों को लूटा है। इसलिए इन्हें जनता माफ नहीं करेगी। पाई-पाई रुपए चुकाने होंगे। किसी भी हाल में मोदी सरकार नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आई और गई। लालू की सरकार आई और गई लेकिन कर्पूरी को सम्मान केवल मोदी जी ने दिया। आप लोगों से अपील है कि गया में जीतन राम मांझी और औरंगाबाद में सुशील सिंह को जिताकर नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाएं।

10 साल में मोदी सरकार ने कई काम किए

गृह मंत्री ने मोदी सरकार के विकास योजनाओं को गिनाया। साथ ही कहा कि औरंगाबाद और गया से मोदी सरकार नक्सल के खिलाफ अभियान दिलाया। रफीगंज, नबीनगर और अनुग्रह नारायण रेलवे स्टेशन बन रहे हैं, यह भी भाजपा की सरकार ने किया। 10 साल में मोदी सरकार ने नए-नए कई काम किए। कांग्रेस तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है। चार चार पीढ़ियां तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। इन्होंने कहा कि मुस्लिम पसर्नल लॉ लाएंगे।

उम्मीदवारों को भी निजता का हक

नई दिल्ली। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को निजता का अधिकार है। उन्हें अपनी निजी संपत्ति के हर पहलू का खुलासा करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल के एक निर्दलीय विधायक करीखो क्री की अपील पर यह फैसला सुनाया है। अदालत के अनुसार, उम्मीदवारों को केवल महत्वपूर्ण संपत्ति का खुलासा करने की जरूरत है, जिससे मतदाताओं को उनकी वित्तीय स्थिति और लाइफस्टाइल की समझ हो सके। उम्मीदवारों को अपने या आश्रितों के स्वामित्व वाली हर चल संपत्ति का खुलासा करने की जरूरत नहीं है।

सपा के घोषणा पत्र में मुफ्त डाटा से आटा देने का वादा

एजेंसी, लखनऊ

समाजवादी पार्टी ने बुधवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया पेज से सुझाव मांगे थे। इन्हीं सुझाव के आधार पर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। लोगों के सुझाव के आधार पर विजन डॉक्यूमेंट बनाया है। जनता के मांगपत्र के रूप में सोशल मीडिया पर जानकारी हासिल की। सभी ने समय-समय पर हमें अपने सुझाव दिए। सभी का संकलन है। उन्होंने कहा कि जनता का मांगपत्र हमारा अधिकार है। अखिलेश ने घोषणा पत्र जारी करते वक्त आटा और डेटा के अधिकार की बात भी की। उन्होंने शिक्षा का भी जिक्र किया। अखिलेश ने कहा कि जनता का साथ होगा तो सबसे ज्यादा सीट पाएंगे। भाजपा के वादे झूठे वादे रहेंगे। सपा अधिकारों की बात करती है। जयंत चौधरी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जहां हम जाएंगे, वहां कोई नहीं आ पाएगा। हाल में एक्सप्रेस-वे पर लड़ाकू विमान उतरने पर कहा कि यही हमारी क्वालिटी है। अखिलेश यादव ने कहा कि युवा बेरोजगार हैं। बेरोजगारी 80 फीसदी तक पहुंच गई है। गांव में 90 फीसदी तक बेरोजगारी है। उत्तर प्रदेश का हाल और खराब है। सरकार आरक्षण नहीं देना चाहती, इसीलिए नौकरी नहीं देना चाहती। भाजपा ने प्रदेश में जान बूझकर कर पेपर लीक कराए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि गरीबों तक आने वाला राशन घटिया है। पौष्टिक भोजन नहीं मिल रहा। अखिलेश ने कहा कि निशुल्क शिक्षा का अधिकार है। जीडीपी तीन फीसदी से बढ़ाकर छह फीसदी करेंगे।

पांच बड़े वादे

1. 500 रुपए तक मुफ्त डाटा देने की गारंटी
2. महिलाओं को 3000 रुपए मासिक पेंशन का वादा
3. सरकारी नौकरियों में महिलाओं को मिलेगा आरक्षण
4. मुफ्त राशन में गेहूं की जगह आटा देने का वादा
5. लड़कियों को यूकेजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा

'किक' की सीक्वल पर काम नहीं कर रहे साजिद-सलमान

मुंबई। बॉलीवुड की पावर जोड़ी, सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दोनों एक और ब्लॉकबस्टर सहयोग के लिए तैयार हैं। अपनी पिछली सफल फिल्मों के बाद, यह जोड़ी इस ईद पर एक बड़ा तोहफा देने के लिए तैयार है। 10 साल बाद यह जोड़ी वापस से दर्शकों का दिल जीतने आ रही है। हालांकि, फिल्म का शीर्षक गुप्त रखा गया है, जिसे जानने के लिए फैंस बेहद बेताब हैं। अटकलों के विपरीत, यह उनकी पिछली हिट किक की सीक्वल नहीं है। इसके बजाय, यह एक नया प्रोजेक्ट है।

महिला प्रधान फिल्में भी बनाएं निर्माता : कृति

एजेंसी, मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा कि दर्शकों को थिएटर तक खींचने के लिए एक फिल्म का में किसी हीरो का रोल होना बहुत जरूरी नहीं है। काफी लंबे समय से, लोगों ने पुरुष-केंद्रित फिल्मों की तरह महिला प्रधान फिल्मों को अपनाने का जोखिम नहीं उठाया है। उन्हें लगता है कि दर्शक थिएटर नहीं आएंगे और उन्हें पैसे नहीं मिलेंगे। हालांकि, अब समय बदल गया है और लोगों की सोच भी काफी बदल गई है।

'क्रू' की उपलब्धि हिंदी सिनेमा में महत्वपूर्ण मोड़

अभिनेत्री क्रू की उपलब्धि को हिंदी सिनेमा के एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखती है। कृति ने कहा कि यह एक तरह की शुरुआत है। मैं कम से कम एक बदलाव की उम्मीद कर रही हूं। लोगों को ऐसी फिल्मों से बहुत उम्मीदें नहीं हैं। चीजों को बदलने के लिए उस विश्वास को मजबूत होने की जरूरत है। यदि आप एक फिल्म में उतना ही निवेश करते हैं जो आप डंकी पर करते हैं तो जाहिर है कि महिला प्रधान फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन करेगी।

तेजी आईटीसी और एयरटेल के शेयरों में बढ़त के कारण मार्केट में आया भारी उछाल

शेयर बाजार गुलजार, सेंसेक्स पहली बार 75 हजार के पार

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को पहली बार सेंसेक्स 75000 के ऊपर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी भी 22750 का लेवल पार कर गया। बुधवार के कारोबारी सेशन के दौरान आईटीसी और एयरटेल के शेयरों में दो-दो प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन भी तेजी बरकरार रही, हालांकि अपने एशियाई और यूरोपीय समकक्षों से बाजार थोड़ा पीछे रहा। बुधवार को जहां निफ्टी 111.05 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 22,753.80 पर बंद हुआ, जो एक नया ऑल टाइम हाई है, वहीं सेंसेक्स 354.45 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 75,000 अंक ऊपर 75,038.15 पर बंद हुआ। निवेशकों की नजर अमेरिकी मुद्रास्फीति डेटा पर है। नायर ने कहा, अमेरिका में मजबूत नौकरी का डेटा जारी होने के बाद, बाजार को लगता है कि इससे मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी होगी।

सेंसेक्स क्यों बढ़ रहा है?

सभी विश्लेषणों में एक बात समान है कि सेंसेक्स और निफ्टी जैसे इंडेक्स बनाने वाली कंपनियों के मूल्यांकन पर समग्र जीडीपी विकास प्रवृत्ति का शक्तिशाली प्रभाव है। भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि इसका जीडीपी विकास का चार दशक का ट्रैक रिकॉर्ड भी है जो इसे अर्थव्यवस्थाओं के एक छोटे से समूह में रखता है। जीडीपी ग्रोथ की ड्यूरेबिलिटी इरेस्सिटेबल है, खासकर जब सेंसेक्स की कई कंपनियां ज्यादातर घरेलू बाजार पर निर्भर करती हैं। ग्लोबल इकॉनमी में आई आश्चर्यजनक ग्रोथ ने भी इस गति को बढ़ाने में मदद की है।